www.shabdawanisamachar.page

राष्ट्रीय हिन्दी समाचार पत्र

RNI NO. DELHI/2003/09049

दैनिक शब्दवाणी समाचार

नई सोच, नई उम्मीद, बेहतर भविष्य, बेहतर भारत

वर्षः 24 अंकः 280 नई दिल्ली, सोमवार , 03 अगस्त, 2026 पृष्ठः संख्या 12 मूल्यः 10 रुपये

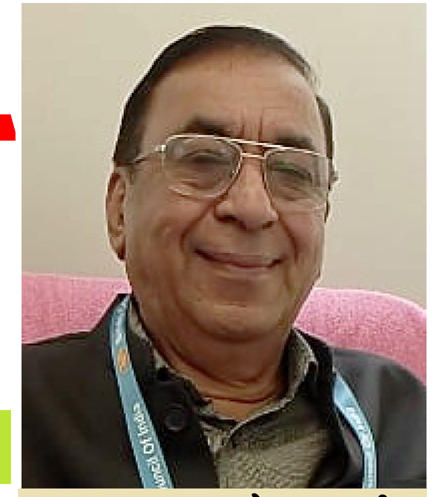

सलाहकार संपादक : अशोक लालवानी

Dedicated to Sindhi Council of India

सार संक्षेप

फोटोः एएनआई

यादगार प्रदर्शन के बाद स्वदेश लौटी मीराबाई चानू

नई दिल्ली। ग्लासगो में आयोजित कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में मीराबाई चानू ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। चानू ने 48 किग्रा में स्वर्ण पदक जीता। मौजूदा इवेंट में चानू का स्वर्ण देश का पहला स्वर्ण था। वहीं, कॉमनवेल्थ गेम्स में चानू का यह लगातार तीसरा स्वर्ण पदक था। मीराबाई चानू ग्लासगो में यादगार प्रदर्शन के बाद स्वदेश लौट आई हैं।

राष्ट्रपति मुर्मु आज से ओडिशा के दौरे पर रहेंगी

भुवनेश्वर। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 3 से 5 अगस्त तक ओडिशा के दौरे पर रहेंगी। राष्ट्रपति के आगमन से पहले राज्य प्रशासन ने तैयारियों का अंतिम चरण पूरा कर लिया है और सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। राष्ट्रपति मुर्मु 3 अगस्त को कटक स्थित जगदगुरु कृपालु विश्वविद्यालय का उद्घाटन करेंगी। वहीं, 4 अगस्त को राष्ट्रपति रेल मार्ग से भुवनेश्वर से बरहमपुर पहुंचेंगी और तप्तपानी में मां कंधुनी देवी मंदिर और शिव मंदिर में दर्शन और आरती करेंगी।

भारत-पाक बॉर्डर पर तस्करी का भंडाफोड़ 10 किलो हेरोइन जब्त

बीकानेर। भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे खाजूवाला क्षेत्र में पुलिस ने तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए ड्रोन के जरिए भेजी गई भारी मात्रा में हेरोइन, हथियार और कारतूस बरामद किए हैं। इस कार्रवाई में तस्करी का माल लेने पहुंचे एक आरोपी को भी गिरफ्तार किया गया है। खाजूवाला पुलिस को मिली सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई में ड्रोन डंपिंग के माध्यम से भेजी गई 10 किलो हेरोइन, 11 पिस्टल, बड़ी संख्या में कारतूस तथा एक ड्रोन बरामद किया गया।

पेरू में विमान दुर्घटना में इटली के 7 नागरिकों समेत 13 की मौत

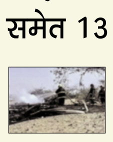

लीमा। पेरू में रविवार को एक पर्यटक विमान के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से उसमें सवार इटली के सात पर्यटकों सहित सभी 13 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे पर इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'पेरू में हुए दर्दनाक विमान हादसे पर मुझे गहरा दुख है, जिसमें हमारे सात नागरिकों ने भी अपनी जान गंवा दी। मैं सरकार की ओर से इस बेहद कठिन समय में उनके परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करती हूं।

देशभर में बारिश का कहर : केरल में 8 की मौत, गुजरात जलमग्न, हिमाचल में 102 सड़कें बंद

नई दिल्ली (ब्यूरो)। मानसून ने देश के कई राज्यों में भारी तबाही मचा दी है। लगातार हो रही मूसलाधार बारिश, बाढ़ और भूस्खलन से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो गया है। सबसे गंभीर स्थिति केरल, गुजरात और हिमाचल प्रदेश में बनी हुई है, जबकि राजस्थान, झारखंड, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में भी भारी बारिश, तेज हवाओं और आकाशीय बिजली को लेकर अलर्ट जारी किया गया है।

सबसे अधिक प्रभावित केरल में भारी बारिश और भूस्खलन की घटनाओं में अब तक 8 लोगों की मौत हो चुकी है, 8 लोग लापता हैं और 13 घायल हुए हैं। राज्य सरकार ने प्रभावित लोगों के लिए 209 राहत शिविर स्थापित किए हैं, जहां 5,792 लोगों को सुरक्षित ठहराया गया है। 27 मकान पूरी तरह ध्वस्त हो गए हैं, जबकि 196 घर क्षतिग्रस्त हुए हैं। कई जिलों में 320 मिमी तक रिकॉर्ड वर्षा दर्ज की गई और अनेक निचले इलाके जलमग्न हो गए। मौसम विभाग ने 12 जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी करते हुए फ्लैश फ्लड की चेतावनी दी है।

गुजरात में भी हालात चिंताजनक हैं। नवसारी, सूरत, भरूच, खेड़ा, डांग, भावनगर, नर्मदा और महीसागर सहित कई जिलों में सड़कें, कॉलोनियां और अस्पताल जलभराव की चपेट में हैं। अंबिका और पूर्णा नदियां उफान पर हैं, जबकि गोदड़िया पुल पानी में डूब गया है। कई गांवों में प्रशासन ने सतर्कता अलर्ट जारी किया है।

हिमाचल प्रदेश में लगातार बारिश के कारण 102 सड़कें बंद हो गई हैं। मंडी, कुल्लू और शिमला सबसे अधिक प्रभावित हैं। इसके अलावा 28 पेयजल योजनाएं और 11 बिजली ट्रांसफॉर्मर भी प्रभावित हुए हैं। मौसम विभाग ने 7 अगस्त तक येलो अलर्ट जारी करते हुए लोगों से अनावश्यक यात्रा से बचने की अपील की है।

इधर कर्नाटक के शिवमोग्गा जिले में भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई, जिनमें तीन वर्ष का एक बच्चा भी शामिल है। एक अन्य मजदूर गंभीर रूप से घायल है और उसका अस्पताल में उपचार चल रहा है।

वहीं राजस्थान में सलूंबर में 67 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। झारखंड में 6 अगस्त तक भारी बारिश, तेज हवाओं और बिजली गिरने की चेतावनी जारी की गई है। आंध्र प्रदेश के तटीय क्षेत्रों और रायलसीमा में भी अगले दो दिनों तक गरज-चमक के साथ बारिश और 50 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार से हवाएं चलने का पूवार्नुमान है।

मौसम विभाग के अनुसार इस बार मानसून पूरे देश में समान नहीं रहा है। 4 जून से अब तक देश में सामान्य 446.3 मिमी के मुकाबले 395.5 मिमी वर्षा हुई है, जो सामान्य से लगभग 11 प्रतिशत कम है।

हालांकि अगले कुछ दिनों में दिल्ली, हरियाणा, पंजाब और उत्तर प्रदेश में भी बारिश की गतिविधियां तेज होने की संभावना जताई गई है।

प्रशासन और मौसम विभाग ने लोगों से नदी-नालों, भूस्खलन संभावित क्षेत्रों और जलभराव वाले इलाकों से दूर रहने, अनावश्यक यात्रा से बचने तथा स्थानीय प्रशासन की सलाह का पालन करने की अपील की है।

व्यावसायिक कोयला खनन से देश में उत्पादन एक अरब टन के पार पहुंचा 141 खदानों की हुई नीलामी

नई दिल्ली, 02 अगस्त (हि.स.)। देश में व्यावसायिक कोयला खनन व्यवस्था लागू होने के बाद कोयला उत्पादन एक अरब टन से अधिक रहा है। जून 2020 से अब तक 14 चरणों में 141 व्यावसायिक कोयला खदानों की नीलामी की जा चुकी है, जिनसे पूर्ण उत्पादन शुरू होने पर प्रतिवर्ष लगभग 47 हजार करोड़ रुपये का राजस्व और करीब 4.75 लाख रोजगार सृजित होने का अनुमान है।

कोयला मंत्रालय ने रविवार को बताया कि वर्ष 2024-25 में देश का कोयला उत्पादन 1,047.52 मिलियन टन तथा वर्ष 2025-26 में 1,040.08 मिलियन टन रहा। वर्ष 2014-15 में यह उत्पादन 609.18 मिलियन टन था। मंत्रालय के अनुसार, इस वृद्धि में कैप्टिव और व्यावसायिक कोयला खदानों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है और राष्ट्रीय उत्पादन में उनकी हिस्सेदारी वर्ष 2021-22 के 10.9 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2025-26 में 20.2 प्रतिशत हो गई।

मंत्रालय ने बताया कि भारत विश्व का पांचवां सबसे बड़ा कोयला भंडार रखने वाला तथा दूसरा सबसे बड़ा कोयला उत्पादक और उपभोक्ता देश है। देश की प्राथमिक ऊर्जा आवश्यकता का लगभग 55 प्रतिशत हिस्सा कोयले से पूरा होता है, जबकि 70 प्रतिशत से अधिक बिजली उत्पादन भी कोयले पर आधारित है।

वर्ष 2014 में उच्चतम न्यायालय द्वारा 204 कोयला ब्लॉकों का आवंटन रद्द किए जाने के बाद पारदर्शी नीलामी व्यवस्था लागू की गई। इसके तहत 18 जून 2020 को आत्मनिर्भर भारत अभियान के अंतर्गत व्यावसायिक कोयला खनन की शुरूआत की गई, जिससे निजी कंपनियों को भी खुले बाजार में कोयला बेचने की अनुमति मिली। मंत्रालय ने बताया कि जून 2020 से अब तक 14 चरणों में 141 कोयला खदानों की नीलामी की गई है, जिनकी कुल वार्षिक उत्पादन क्षमता 366.35 मिलियन टन है। इनमें 123 खदानें निजी कंपनियों को मिली हैं तथा 44 सफल बोलीदाता ऐसे हैं, जिन्होंने पहले कभी कोयला खनन नहीं किया था। औसत राजस्व साझेदारी 24.17 प्रतिशत रही, जो निर्धारित न्यूनतम चार प्रतिशत से लगभग छह गुना अधिक है। वर्ष 2025-26 में कैप्टिव और व्यावसायिक खदानों से कुल 210.46 मिलियन टन कोयला उत्पादन हुआ, जो पहली बार 200 मिलियन टन के आंकड़े को पार कर गया। इनमें व्यावसायिक खदानों का योगदान 26.12 मिलियन टन रहा और वर्तमान में 23 व्यावसायिक खदानें उत्पादन में हैं।

राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारत चौथे स्थान पर, 39 पदकों के साथ अभियान समाप्त

ग्लासगो, 02 अगस्त (हि.स.)। राष्ट्रमंडल खेल 2026 के सभी मुकाबलों के समापन के साथ भारत ने पदक तालिका में चौथा स्थान हासिल किया। भारतीय दल ने कुल 39 पदक जीतकर लगातार दूसरी बार राष्ट्रमंडल खेलों में चौथे स्थान पर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई।

भारत के खाते में 13 स्वर्ण, 17 रजत और 9 कांस्य पदक आए। इनमें पुरुष खिलाड़ियों ने 5 स्वर्ण, 13 रजत और 5 कांस्य सहित कुल 23 पदक, जबकि महिला खिलाड़ियों ने 8 स्वर्ण, 4 रजत और 4 कांस्य सहित 16 पदक जीते।

पदक तालिका में ऑस्ट्रेलिया 70 स्वर्ण, 45 रजत और 56 कांस्य सहित कुल 171 पदकों के साथ शीर्ष पर रहा। इंग्लैंड 110 पदकों के साथ दूसरे और कनाडा 62 पदकों के साथ तीसरे स्थान पर रहा। भारत और स्कॉटलैंड दोनों ने 39-39 पदक जीते, लेकिन अधिक रजत पदकों के आधार पर भारत चौथे स्थान पर रहा।

अहम बात यह रही कि इस बार राष्ट्रमंडल खेल के कार्यक्रम में भारत के मजबूत खेलों में शामिल कुछ प्रमुख स्पधाएं नहीं थीं। इसके बावजूद भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बर्मिंघम 2022 की तरह इस बार भी चौथा स्थान हासिल किया।

भारत के अभियान में मुक्केबाजी, टेबल टेनिस, एथलेटिक्स, भारोत्तोलन, जूडो और अन्य खेलों में खिलाड़ियों ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। महिला खिलाड़ियों ने स्वर्ण पदकों की संख्या में पुरुषों से बेहतर प्रदर्शन करते हुए भारतीय दल की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

(सम्बंधित खबरें पेज 6 पर)

Tickets — commonwealth games GLASGOW 2026 — Shop

Rank	Nation	G	S	B	Total
1	Australia AUS	70	45	56	171
2	England ENG	29	45	36	110
3	Canada CAN	19	20	23	62
4	India IND	13	17	9	39

	Gold	Silver	Bronze	Total
Men	5	13	5	23
Women	8	4	4	16
Total	13	17	9	39

भारत में ड्रग्स सप्लाई आतंकी साजिश का हिस्सा : मोदी

'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान' की शुरुआत

नई दिल्ली, 2 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि दुश्मन देश भारत में ड्रग्स भेजकर और युवाओं को निशाना बनाकर देश को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने अवैध ड्रग्स के कारोबार को दुश्मन के 'आतंकवादी एजेंडे' का हिस्सा बताया। 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान' की शुरुआत के मौके पर युवाओं को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने उनसे नशे से दूर रहने और 2047 तक विकसित भारत बनाने में अहम भूमिका निभाने का आग्रह किया। पीएम मोदी ने कहा, 'जब कोई युवा नशे की लत का शिकार होता है, तो सिर्फ वही व्यक्ति नहीं हारता, बल्कि एक सपना भी टूट जाता है। नशे की लत के नतीजे सिर्फ व्यक्ति और परिवार तक ही सीमित नहीं रहते, बल्कि देश पर भी इसका दुष्प्रभाव पड़ता है। इससे देश की ताकत कमजोर होती है और दुश्मन देश हमारे युवाओं को नशे के जाल में फंसाने के लिए हर मुमकिन कोशिश करते हैं।'

फोटोः एएनआई

■ **युवाओं से नशे से दूर रहने का आग्रह किया**

परिवार को बर्बाद कर देता है नशा

नशे के सेवन के लंबे समय तक रहने वाले बुरे नतीजों के बारे में युवाओं को आगाह करते हुए उन्होंने कहा, 'ड्रग्स आपको कुछ समय के लिए तो नशा या उत्साह देते हैं, लेकिन वे आपके परिवार को बर्बाद कर देते हैं।' नशा छुड़ाने और सुधार के महत्व पर जोर देते हुए पीएम ने कहा, 'इसे सामाजिक प्रतिष्ठा के दबाव में छिपाएं नहीं।

भविष्य के युद्धों की तैयारी तेज

सशस्त्र बल करेंगे बदलती युद्ध चुनौतियों पर मंथन

नई दिल्ली, 2 अगस्त (एजेंसियां)। भविष्य के युद्धों से जुड़ा नया व आधुनिक पाठ्यक्रम भारत की सशस्त्र सेनाओं के समक्ष रखा जाएगा। सशस्त्र बलों की भविष्य की युद्ध तैयारियों को मजबूत बनाने के उद्देश्य से यह युद्ध पाठ्यक्रम 3 अगस्त से शुरू होगा। यह चौथा त्रि-सेवा भविष्य युद्ध पाठ्यक्रम है और यह नई दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में शुरू किया जा रहा है।

चार सप्ताह तक चलने वाला यह पाठ्यक्रम मुख्यालय एकीकृत रक्षा स्टाफ के तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है, जबकि इसका समन्वय संयुक्त युद्ध अध्ययन केंद्र करेगा। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, इस पाठ्यक्रम में थल सेना, नौसेना और वायु सेना के अधिकारियों के अलावा विभिन्न सरकारी संगठनों, शिक्षण संस्थानों, उद्योग जगत और सामरिक चिंतन संस्थानों के प्रतिनिधि भी भाग लेंगे। इसका उद्देश्य भविष्य के युद्ध के बदलते स्वरूप को समझना और विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों के बीच साझा दृष्टिकोण विकसित करना है। पाठ्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को आधुनिक युद्ध से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

■ **आज से शुरू होगा त्रि-सेवा युद्ध पाठ्यक्रम**

युद्ध में बढ़ रही नई प्रौद्योगिकियों की भूमिका

यह पाठ्यक्रम ऐसे समय आयोजित किया जा रहा है जब वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य तेजी से बदल रहा है। आधुनिक युद्ध में नई प्रौद्योगिकियों की भूमिका लगातार बढ़ रही है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस , साइबर क्षमता, सूचना युद्ध, स्वायत्त प्रणालियों और अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों में हो रहे विकास ने सैन्य अभियानों के स्वरूप को भी बदल दिया है। ऐसे में एक साझा मंच पर लाकर भविष्य की चुनौतियों और उनके समाधान पर विचार-विमर्श करना इस का प्रमुख उद्देश्य है।

पुलवामा में ग्रेनेड और देश-विरोधी पोस्टरों के साथ एक व्यक्ति गिफ्तार

पुलवामा, 02 अगस्त (हि.स.)। रविवार को दक्षिण कश्मीर के पुलवामा ज़िले में सुरक्षाबलों के एक संयुक्त ऑपरेशन के दौरान एक व्यक्ति को पकड़ा और उसके पास से एक हैंड ग्रेनेड और देश-विरोधी पोस्टर बरामद किए गए।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुलिस, स्पेशल ऑपरेशन्स ग्रुप, सीआरपीएफ और सेना ने मिलकर पचार फ्रूट मंडी के पास एक संयुक्त नाका लगाया था। चेकिंग के दौरान संयुक्त टीम ने एक संदिग्ध व्यक्ति को रोका और पकड़ा। उसकी पहचान पुलवामा ज़िले के डूबगाम पायीन के रहने वाले तौसीफ अहमद डार के तौर पर हुई है।

अधिकारी ने बताया कि सुरक्षाबलों ने उसके पास से एक हैंड ग्रेनेड, एक आई फोन, तीन देश-विरोधी पोस्टर और एक कलाई घड़ी बरामद की। अधिकारी ने कहा कि मामला दर्ज कर लिया गया है और बरामद चीजों को रखने के पीछे का मकसद जानने और किसी भी संभावित कनेक्शन की जांच करने के लिए आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

मणिपुर में 9 उग्रवादियों को पकड़ा गया

इंफाल, 2 अगस्त (एजेंसियां)। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने खुफिया जानकारी के आधार पर चलाए गए अलग-अलग अभियानों में पिछले 24 घंटों के दौरान प्रतिबंधित विद्रोही संगठनों से जुड़े नौ उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है और उनसे हथियार, गोला-बारूद व अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की है। पुलिस के एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि मणिपुर पुलिस और दूसरी सुरक्षा एजेंसियों के जॉइंट ऑपरेशन में थोउबल, तामेंगलोंग, काकचिंग, चंदेल, इम्फाल वेस्ट और इम्फाल ईस्ट जिलों से नौ उग्रवादियों को पकड़ा गया। पुलिस के मुताबिक, पकड़े गए उग्रवादी कई तरह की आपराधिक गतिविधियों में शामिल थे।

सुरक्षा बलों ने छह आईईडी नष्ट की

नियम — *पारदर्शिता व एकरूपता लाने के लिए किया बदलाव*

आरबीआई ने डिपॉजिट नियमों में किया संशोधन

मुंबई, 2 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने डिपॉजिट पर मिलने वाले ब्याज की दरों से जुड़े नियमों में बदलाव किए हैं। इन उपायों का मकसद पारदर्शिता बढ़ाना और सभी बैंकों में जमाकर्ताओं के साथ एक जैसा व्यवहार सुनिश्चित करना है। नए नियमों को शुक्रवार को अधिसूचित कर दिया गया था और यह एक अक्टूबर से लागू होंगे।

नए नियम कमर्शियल बैंक, स्मॉल फाइनेंस बैंक, रीजनल रूरल बैंक (आरआरबी), पेमेंट बैंक और शहरी को-ऑपरेटिव बैंक पर लागू होंगे।

नए नियमों के तहत, बैंकों को अपनी वेबसाइट पर सभी तरह की जमा राशि पर मिलने वाली ब्याज दरों की जानकारी पहले से देनी होगी। बैंकों को हर कामकाजी दिन सुबह 10:00 बजे तक लागू ब्याज दरें पब्लिश करनी होंगी। इसमें अधिक से अधिक 10 मिनट की छूट मिल सकती है, लेकिन यह पक्का करना होगा कि दरें सुबह 10:10 बजे तक हर हाल में उपलब्ध हों।

आरबीआई ने यह भी अनिवार्य कर दिया है कि जमा राशि पर मिलने वाली ब्याज दरें बैंक की सभी शाखाओं और सभी ग्राहकों के लिए एक जैसी होनी चाहिए। बैंकों को जमाकर्ताओं के बीच भेदभाव करने की इजाजत नहीं होगी, जैसे कि एक ही तारीख पर अलग-अलग ब्रांच में एक ही रकम की जमा राशि पर अलग-अलग ब्याज दरें देना।

नए नियम एक अक्टूबर से लागू होंगे

अलग-अलग ब्याज दरें देने की इजाजत होगी

बैंकों को डिपॉजिट पर अलग-अलग ब्याज दरें देने की इजाजत होगी, लेकिन इसके लिए उन्हें रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (कमर्शियल बैंक - एसेट लायबिलिटी मैनेजमेंट) निर्देश, 2025 में बताए गए लिक्विडिटी कवरेज रेश्यो (एलसीआर) फ्रेमवर्क के तहत जमा या बिना गारंटी वाले होलसेल फंडिंग पर लागू दरों को ध्यान में रखना होगा। हालांकि, बदली हुई गाइडलाइंस में 1 अक्टूबर से फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) की ब्याज दरों में कोई बढ़ोतरी या कटौती करने के बारे में नहीं कहा गया है।

संक्षिप्त समाचार

15 साल से फरार 10 हजार का इनामी हत्यारोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, 02 अगस्त (हि.स.)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने वर्ष 2011 के चर्चित हत्या और लूटकांड में पिछले 15 साल से फरार चल रहे 10 हजार के इनामी आरोपित को गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान नौशाद उर्फ लड्डू उर्फ मोहम्मद कमरे आलम (37) के रूप में हुई है। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त हर्ष इंदौरा ने रविवार को बताया कि, 6 मार्च 2011 को शकरपुर थाना क्षेत्र के मंगल बाजार रोड, लक्ष्मी नगर में कारोबारी अतुल जैन की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वह गांधी नगर मार्केट में कमीशन एजेंट थे और कारोबार के बाद नकदी लेकर घर लौट रहे थे। घटना वाले दिन उनके बैग में करीब 8.50 लाख रुपये थे। जांच में सामने आया था कि आरोपित अरशद ने अपने साथियों भूरा उर्फ मुस्तकीन, नदीम उर्फ नड्डा, नौशाद उर्फ लड्डू और जाकी अनवर के साथ मिलकर लूट की साजिश रची थी। आरोपितों ने अतुल जैन को रास्ते में रोककर नकदी लूटने की कोशिश की। विरोध करने पर भूरा और नौशाद ने उन पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं। इसके बाद आरोपी नकदी से भरा बैग लेकर फरार हो गए। घायल अतुल जैन को डॉ. हेडगेवार अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मामले की जांच के दौरान हत्या, डकैती, आपराधिक साजिश और अन्य धाराएं जोड़ी गईं। इस मामले में चार आरोपितों को पहले ही गिरफ्तार कर अदालत में दोषी ठहराया जा चुका था, जबकि नौशाद फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी पर 10 हजार का इनाम घोषित किया गया था। पुलिस उपायुक्त के अनुसार क्राइम ब्रांच की मध्य रेंज को फरार आरोपित को पकड़ने की जिम्मेदारी सौंपी गई। इंस्पेक्टर विनय कुमार के नेतृत्व में गठित टीम ने लंबे समय तक तकनीकी निगरानी, मानव स्रोतों से सूचना जुटाने और फील्ड वेरिफिकेशन के जरिए आरोपित की गतिविधियों पर नजर रखी। जांच में पता चला कि गिरफ्तारी से बचने के लिए वह लगातार अपने ठिकाने बदल रहा था और पहचान छिपाकर रह रहा था। आखिरकार पुलिस को सूचना मिली कि आरोपित शास्त्री पार्क फ्लाईओवर के पास आने वाला है। सूचना के आधार पर 1 अगस्त को जाल बिछाया गया और आरोपी को शास्त्री पार्क फ्लाईओवर के निकट से दबोच लिया गया। पूछताछ में पता चला कि नौशाद मूल रूप से बिहार के सहरसा जिले का रहने वाला है। वह शादीशुदा है और दिल्ली के विभिन्न साप्ताहिक बाजारों में पुराने कपड़े बेचकर गुजारा कर रहा था।

मुठभेड़ में दबोचे गए टिल्लू गैंग के दो शूटर, हरीश माथुर हत्याकांड का खुलासा

नई दिल्ली, 02 अगस्त (हि.स.)। रोहिणी जिले की स्पेशल स्टाफ और कंझावला थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने मुठभेड़ के बाद टिल्लू ताजपुरिया गैंग के दो सक्रिय बदमाशों को गिरफ्तार कर 30 जुलाई को कराला में हुए हरीश माथुर हत्याकांड का खुलासा करने का दावा किया है। पुलिस के मुताबिक दोनों आरोपितों ने घेराबंदी के दौरान पुलिस टीम पर फायरिंग की, जिसके जवाब में हुई जवाबी कार्रवाई में दोनों के पैरों में गोली लगी। दोनों को घायल अवस्था में दबोच लिया गया। इस दौरान कोई पुलिसकर्मी घायल नहीं हुआ। पकड़े गए आरोपितों की पहचान गाजियाबाद निवासी विक्की उर्फ राहुल रंगा (27) और कराला निवासी विशाल उर्फ साहिल उर्फ लीलू (26) के रूप में हुई है। विक्की पर हत्या, हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट समेत चार, जबकि विशाल पर आर्म्स एक्ट के दो मामलों सहित तीन आपराधिक मुकदमें पहले से दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से दो अवैध पिस्टल, छह जिंदा कारतूस, छह खाली खोखे और एक बाइक बरामद की है। शुरूआती जांच में सामने आया है कि इसी बाइक का इस्तेमाल 30 जुलाई को गोगी गैंग और दिनेश कराला गैंग से जुड़े हरीश माथुर की हत्या में किया गया था। रोहिणी जिले के पुलिस उपायुक्त शशांक जायसवाल ने रविवार को प्रेस वार्ता कर बताया कि स्पेशल स्टाफ को तकनीकी निगरानी और मुखबिर से सूचना मिली थी कि दोनों आरोपित यूईआर-2 रोड, माजरी गांव के पास आने वाले हैं। पुलिस ने घेराबंदी की तो आरोपितों ने भागने की कोशिश करते हुए अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई के बाद दोनों को काबू कर लिया गया। जांच में खुलासा हुआ है कि दोनों आरोपित अमेरिका में बैठे टिल्लू ताजपुरिया गैंग के सरगना/सहयोगी के संपर्क में थे और एन्क्रिप्टेड कम्युनिकेशन ऐप के जरिए सीधे निर्देश ले रहे थे। आरोप है कि गैंग के विदेशी संचालक ने ही उन्हें सुनसान स्थान पर पिस्टल और वारदात के लिए पैसे उपलब्ध कराए थे। पुलिस के अनुसार, हरीश माथुर की हत्या इसलिए की गई क्योंकि वह प्रतिद्वंद्वी गोगी गैंग से जुड़ गया था। जांच में यह भी सामने आया कि दोनों आरोपितों ने गोगी और दिनेश कराला गैंग से जुड़े 5-6 लोगों की रेकी कर ली थी और आगे भी टारगेट किलिंग की तैयारी थी। समय रहते गिरफ्तारी होने से गैंगवार की नई वारदातें टल गईं।

युवाओं के मित्र बनें अभिभावक, तभी बचेंगे नशे और वैचारिक प्रदूषण से: विनोद बंसल

नई दिल्ली, 02 अगस्त (हि.स.)। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने रविवार को कहा कि यदि युवा पीढ़ी को नशे, अवसाद, कुसंस्कृति और वैचारिक प्रदूषण से बचाना है तो अभिभावकों को उनका सच्चा मित्र और मार्गदर्शक बनना होगा। उन्होंने कहा कि बच्चों को केवल अच्छी शिक्षा और नौकरी के लिए तैयार करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें मानसिक रूप से मजबूत, सामाजिक रूप से संवेदनशील और राष्ट्र के प्रति समर्पित नागरिक बनाना भी जरूरी है। द्वारका स्थित आर्य समाज मंदिर में आयोजित साप्ताहिक वैदिक सत्संग के अंतर्गत 'युवा विमर्श कार्यक्रम' में 'युवा पीढ़ी के विरुद्ध षड्यंत्र और उनके समाधान' विषय पर बोलते हुए विनोद बंसल ने कहा कि आज सोशल मीडिया के कारण युवाओं तक हर प्रकार की जानकारी आसानी से पहुंच रही है। ऐसे में यदि युवा संस्कारों से दूर हो रहे हैं तो इसकी जिम्मेदारी केवल उनकी नहीं, बल्कि अभिभावकों की भी है। उन्होंने कहा कि माता-पिता को बच्चों के साथ मित्रवत व्यवहार करना चाहिए, उन्हें पर्याप्त समय देना चाहिए और उनकी समस्याओं को समझते हुए समाधान निकालना चाहिए। साथ ही उन्हें भारतीय संस्कृति, धार्मिक परंपराओं और जीवन मूल्यों से जोड़ने का प्रयास करना चाहिए। बंसल ने कहा कि अभिभावक स्वयं भी बच्चों के लिए सकारात्मक प्रेरणा बनें और उन्हें मोबाइल व इंटरनेट के माध्यम से उपलब्ध उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक सामग्री अपनाने के लिए प्रोत्साहित करें। उन्होंने कहा कि युवाओं में सनातन मूल्यों के प्रति विश्वास मजबूत करना समय की आवश्यकता है, ताकि वे किसी भी प्रकार के बहकावे या भ्रामक प्रचार का शिकार न हों। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने श्रीराम मंदिर, नई पीढ़ी (जैनजी) और धर्मांतरण जैसे विषयों पर श्रोताओं के सवालों के जवाब भी दिए।

लक्ष्मी योजना में शर्तों को लेकर आआपा ने किया विरोध

नई दिल्ली, 02 अगस्त (हि.स.)। आम आदमी पार्टी (आआपा) ने दिल्ली सरकार की लक्ष्मी योजना को लेकर आरोप लगाया कि इस योजना में महिलाओं को लाभ से वंचित करने के लिए 10 साल का निवास प्रमाणपत्र और आवेदन के लिए सांसद व विधायक के हस्ताक्षर की शर्तें लगाई गई है। पार्टी ने मांग की कि योजना को अन्य सरकारी योजनाओं की तरह सरल बनाया जाए, ताकि महिलाओं को नेताओं की चौखट पर न जाना पड़े। दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने यहां पत्रकार वार्ता में कहा कि विधवा पेंशन, बुजुर्ग पेंशन या विकलांग पेंशन जैसी योजनाओं में फॉर्म स्वयं प्रमाणित करके अपलोड करना होता है और लाभ मिल जाता है। लेकिन लक्ष्मी योजना में सांसदों और विधायकों के हस्ताक्षर की शर्त लगाना महिलाओं को अनावश्यक परेशानी में डालना है। उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं की पृष्ठभूमि अलग-अलग राज्यों से है लेकिन योजना का लाभ केवल उसी महिला को मिलेगा जो 10 साल से दिल्ली में रह रही हो। उन्होंने सवाल किया कि जब वोट हर व्यक्ति से लिया जाता है, चाहे वह एक साल पहले ही दिल्ली आया हो तो योजना में 10 साल की शर्त क्यों लगाई गई। सौरभ भारद्वाज ने महिलाओं के लिए बनाए गए पिंक कार्ड पर भी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि बसों में सफर करने वाली महिलाएं पहले से पहचानी जाती हैं, फिर अलग से पिंक कार्ड क्यों बनाया गया।

विश्व हिन्दू परिषद-बजरंग दल ने आयोजित किया नशा मुक्त युवा-विकसित भारत कार्यक्रम

नई दिल्ली, 2 अगस्त (दिव्य भारत ब्यूरो)। विश्व हिन्दू परिषद (इन्द्रप्रस्थ प्रांत), बजरंग दल, सेंटर फॉर सोशल डेवलपमेंट (सीएसडी) तथा श्यामा प्रसाद मुखर्जी महिला महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को नशा मुक्त युवाझविकसित भारत विषय पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और युवा कार्यकताओं ने भाग लिया।

कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नशा मुक्त युवाझविकसित भारत विषयक संवाद के प्रसारण से पूर्व विहिप इन्द्रप्रस्थ प्रांत के मंत्री सुरेन्द्र कुमार गुप्ता ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद के विचार आज भी राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने कहा कि व्यसनमुक्त, जागरूक और राष्ट्रभक्त युवा ही विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को साकार कर सकते हैं।

विहिप के प्रांत संगठन मंत्री सुबोध चंद ने युवाओं से सामाजिक और राष्ट्रीय दायित्वों के निर्वहन का आह्वान करते हुए अधिक से अधिक युवाओं को बजरंग दल तथा युवतियों को दुगार्वाहिनी से जुड़ने की अपील की। उन्होंने प्रत्येक कार्यकर्ता से अपने कम से कम एक मित्र या परिजन को इस राष्ट्रहित अभियान से जोड़ने का संकल्प लेने का आग्रह किया।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने प्रधानमंत्री के नशा मुक्त युवाझविकसित भारत विजन पर चर्चा करते हुए कहा कि नशामुक्त समाज ही स्वस्थ और समृद्ध भारत की नींव है। नशा छोड़ो, जीवन जोड़ो, भविष्य संवारो और देश को आगे बढ़ाओ का संदेश समाज के हर वर्ग तक पहुंचाने का संकल्प भी दोहराया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. नीलम गोयल, सीएसडी के अध्यक्ष डॉ. राजकुमार फलवारिया, बजरंग दल के प्रांत संयोजक जगजीत सिंह गोल्डी, सह संयोजक कुलदीप चौहान, शिक्षक प्रभारी डॉ. उर्मिल वत्स सहित अनेक शिक्षाविद्, सामाजिक कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में युवा उपस्थित रहे।

इंद्रप्रस्थ संवाद केंद्र में लघु फिल्म अंगूठो का विशेष आस्वादन सत्र आयोजित

नई दिल्ली, 2 अगस्त (प्रणव कुमार/अभय/दिव्य भारत)। राजधानी के झंडेवालान स्थित इंद्रप्रस्थ संवाद केंद्र (साधना टावर, केशव कुंज) में शनिवार को फिल्म आयाम, दिल्ली एवं भारतीय चित्र साधना के संयुक्त तत्वावधान में लघु फिल्म अंगूठो के विशेष फिल्म आस्वादन सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में फिल्म प्रेमियों, शोधार्थियों, शिक्षकों और विषय विशेषज्ञों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ दिल्ली विश्वविद्यालय के डॉ. भीमराव अंबेडकर कॉलेज के प्रो. बिजेन्द्र कुमार द्वारा परिचय सत्र के साथ किया गया। उन्होंने सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा कि सार्थक और विचारोत्तेजक सिनेमा समाज को सकारात्मक दिशा देने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि आज के दौर में लघु फिल्में कम समय में गंभीर सामाजिक एवं क्षेत्रीय मुद्दों को प्रभावी ढंग से लोगों तक पहुंचाने का कार्य कर रही हैं। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण के रूप में ओटीटी प्लेटफॉर्म स्टेज द्वारा निर्मित एवं कुणाल मेहता निर्देशित लघु फिल्म अंगूठो का प्रदर्शन किया गया। फिल्म प्रदर्शन के बाद आयोजित परिचर्चा में उपस्थित विशेषज्ञों और दर्शकों ने फिल्म की पटकथा, संवाद, छायांकन और निर्देशन की सराहना करते हुए इसे जमीनी सरोकारों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने वाला सशक्त प्रयास बताया। वक्ताओं ने कहा कि भारतीय परिवेश और स्थानीय कहानियों पर आधारित फिल्मों को मंच देने की ऐसी पहलें भारतीय सिनेमा को नई दिशा प्रदान करती हैं और युवा फिल्मकारों को भी प्रेरित करती हैं। कार्यक्रम के सफल संचालन एवं संयोजन में रितेश अग्रवाल, प्रो. बिजेन्द्र कुमार और रश्मि जैन की महत्वपूर्ण भूमिका रही। अंत में आयोजकों ने सभी अतिथियों और सहभागियों का आभार व्यक्त किया। उपस्थित दर्शकों ने भविष्य में भी इस प्रकार के फिल्म आस्वादन सत्र नियमित रूप से आयोजित किए जाने की अपेक्षा व्यक्त की।

दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रो. के.पी. सिंह की पुस्तक का लोकार्पण, विभाग की 80 वर्षों की गौरवगाथा का दस्तावेज प्रस्तुत

नई दिल्ली (दिव्य भारत ब्यूरो)। दिल्ली विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. के.पी. सिंह द्वारा संपादित पुस्तक ए सक्सिंक्टः कलाइडस्कोपिक वॉइज ऑफ एकेडमिक ऑफ द डिपार्टमेंट ऑफ लाइब्रेरी एंड इन्फोर्मेशन साइंस यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली तथा दार्शनिक एवं आद्य जागनी पीठ के युवा उपासक विश्वमोहन मिश्र की पुस्तक बाईजुराज का भव्य लोकार्पण समारोह आयोजित किया गया।

प्रो. के.पी. सिंह की पुस्तक में दिल्ली विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग की 1946 से 2026 तक की 80 वर्षों की गौरवशाली यात्रा को प्रामाणिक और सचित्र रूप में प्रस्तुत किया गया है। इसमें विभाग की स्थापना, विकास, शैक्षणिक उपलब्धियों, प्रतिष्ठित शिक्षकों, विशिष्ट पूर्व छात्रों, प्लेटिनम जुबली समारोह तथा विभाग की समृद्ध विरासत का विस्तृत विवरण शामिल है।

समारोह के मुख्य अतिथि आद्य जागनीपीठ श्री 5 महामंगलपुरीधाम, सूरत के प्रमुख जगद्गुरु धमाचार्य श्री 108 सूर्यनारायणदास जी महाराज ने दोनों पुस्तकों के प्रकाशन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान प्रदान करना नहीं, बल्कि संस्कार, चरित्र और मानवीय मूल्यों का निर्माण भी है। उन्होंने भविष्य में विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रमों में प्रणामी साहित्य को भी स्थान मिलने की आशा व्यक्त की। मुख्य वक्ता जेएनयू की प्रो. वंदना झा ने ₹बाईजुराज₹ को प्रेम, समर्पण और आध्यात्मिक चेतना का सशक्त दस्तावेज बताते हुए उसकी ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्ता पर प्रकाश डाला।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में प्रो. के.पी. सिंह ने कहा कि विभाग के लिए यह गर्व का विषय है कि पूज्य संतों एवं विद्वानों की उपस्थिति में इन महत्वपूर्ण पुस्तकों का लोकार्पण हुआ। उन्होंने कहा कि विभाग नवाचार, शैक्षणिक उत्कृष्टता, अनुसंधान तथा भारतीय ज्ञान परंपरा के संवर्धन के लिए निरंतर कार्य करता रहेगा।

प्रो. के.पी. सिंह शिक्षा एवं शोध जगत की प्रतिष्ठित हस्ती हैं। अब तक वे 40 पुस्तकों का लेखन एवं संपादन, लगभग 195 शोध पत्रों का प्रकाशन, 18 पीएचडी, 38 एम.फिल. तथा 160 से अधिक स्नातकोत्तर शोध परियोजनाओं का सफल मार्गदर्शन कर चुके हैं। वर्तमान में वे दिल्ली विश्वविद्यालय में विभागाध्यक्ष होने के साथ गांधी भवन के निदेशक, पीजी छात्रावास के प्रोवोस्ट, नॉर्थ-ईस्टर्न हॉस्टल फॉर विमेन की प्रबंध समिति तथा दिल्ली लाइब्रेरी एसोसिएशन के अध्यक्ष का दायित्व भी निभा रहे हैं।

कार्यक्रम का संचालन विश्वमोहन मिश्र ने किया तथा अंत में सभी अतिथियों, विद्वानों और प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। समारोह में प्राध्यापक, शोधार्थी, विद्यार्थी, आद्य जागनी पीठ के उपासक तथा विभिन्न क्षेत्रों से आए अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

ऑपरेशन विस्टा 1.0 : दिल्ली में वीजा नियम तोड़ने वाले छह बांग्लादेशी नागरिक दबोचे

नई दिल्ली, 02 अगस्त (हि.स.)। मध्य जिले की स्पेशल स्टाफ की फॉरेनर सेल ने विदेशी नागरिकों द्वारा वीजा नियमों के उल्लंघन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए ऑपरेशन 'विस्टा 1.0' (वीजा स्टेटस वेरिफिकेशन) के दौरान छह बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है।

जांच में सामने आया कि सभी भारत में डबल एंट्री वीजा पर आए थे, लेकिन प्रत्येक यात्रा के लिए निर्धारित 15 दिन की अधिकतम अवधि समाप्त होने के बाद भी बिना अनुमति भारत में रह रहे थे। इसके बाद एफआरआरओ के माध्यम से उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान शफी इमाम नफीस सिद्दीकी (31), एहिया एहतेशाम (31), आसिफ मोल्ला (21), एमडी बुलबुल हुसैन (20), हसन शेख (24) तथा 21 वर्षीय एक महिला के रूप में हुई है। इनमें दो सिलहट, दो गोपालगंज और दो सिराजगंज (बांग्लादेश) के रहने वाले हैं। मध्य जिले के पुलिस उपायुक्त रोहित राजबीर सिंह ने रविवार को बताया कि जिले की फॉरेनर सेल ने होटलों, गेस्ट हाउसों और विदेशी नागरिकों के ठहरने वाले अन्य प्रतिष्ठानों का विशेष सत्यापन अभियान चलाया। इसी दौरान नबी करीम स्थित अराकाशन रोड के एक होटल की जांच के दौरान छह बांग्लादेशी नागरिक ठहरे मिले। टीम ने उनके पासपोर्ट, वीजा और इमिग्रेशन रिकॉर्ड की जांच की तो पता चला कि सभी के पास भारतीय डबल एंट्री वीजा तो वैध था, लेकिन वीजा की शर्तों के अनुसार प्रत्येक बार भारत में अधिकतम 15 दिन ही ठहरने की अनुमति थी। सभी इस निर्धारित अवधि से अधिक समय तक भारत में रुके हुए थे। पूछताछ में सभी विदेशी नागरिकों ने स्वीकार किया कि वे वैध वीजा पर भारत आए थे और मध्य जिले के होटल में रह रहे थे। पुलिस ने उनके यात्रा दस्तावेज और इमिग्रेशन रिकॉर्ड का मिलान करने के बाद वीजा शर्तों के उल्लंघन की पुष्टि की। इसके बाद सभी को एफआरआरओ के समक्ष पेश किया गया, जहां उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू करते हुए रिस्ट्रिक्शन ऑर्डर जारी किए गए। फिलहाल सभी छह बांग्लादेशी नागरिकों को सेवा धाम डिटेंशन सेंटर शाहजादा बाग, सराय रोहिल्ला भेज दिया गया है। जहां उन्हें डिपोर्टेशन की प्रक्रिया पूरी होने तक रखा जाएगा।

माई भारत की युवा प्रतिभा प्रतियोगिता में गूंजा नशामुक्त भारत का संदेश

नई दिल्ली, 3 अगस्त (नितिन गुप्ता/प्रणव कुमार/दिव्य भारत)। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत संचालित माई भारत उत्तर-पूर्व दिल्ली द्वारा नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत अभियान के तहत रविवार को डॉ. भीमराव अंबेडकर कॉलेज, गोकुलपुर में जिला स्तरीय युवा प्रतिभा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के सैकड़ों युवाओं ने चित्रकला, संगीत, नृत्य, नुक्कड़ नाटक, वाद-विवाद, स्लैम पोएट्री, रील मेकिंग और स्लोगन लेखन जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से नशामुक्त समाज और विकसित भारत का संदेश दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रगान एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वर्चुअल संबोधन प्रतिभागियों ने सामूहिक रूप से सुना। कॉलेज के प्राचार्य प्रो. सदानंद प्रसाद ने कहा कि नशामुक्ति केवल व्यक्तिगत निर्णय नहीं, बल्कि विकसित भारत की आधारशिला है। उन्होंने युवाओं से

■ नशा मुक्त युवाझविकसित भारत अभियान के तहत जिला स्तरीय प्रतियोगिता आयोजित, विजेता अब राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर करेंगे प्रतिनिधित्व

स्वयं नशे से दूर रहने के साथ समाज को भी इसके प्रति जागरूक करने का आह्वान किया। मुख्य अतिथि एवं उत्तर-पूर्वी दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसका युवा वर्ग है। यदि युवा शिक्षा, संस्कृति, खेल, नवाचार और सामाजिक दायित्वों को अपनाएंगे तो विकसित भारत का लक्ष्य शीघ्र साकार होगा।

उन्होंने कला और सृजनशीलता को सामाजिक परिवर्तन का प्रभावी माध्यम बताया। विशिष्ट अतिथि एवं उत्तर-पूर्वी दिल्ली के जिला मजिस्ट्रेट अजय कुमार ने कहा कि नशामुक्ति केवल किसी एक विभाग की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि जनभागीदारी से संचालित सामाजिक अभियान है। उन्होंने नागरिकों से नशीले पदार्थों से जुड़ी संदिग्ध गतिविधियों की सूचना प्रशासन को देने की अपील की। कार्यक्रम का संचालन अमृत और पौरवी ने किया। प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों ने सामाजिक सरोकारों और रचनात्मक सोच का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। विजेता प्रतिभागियों को प्रशस्ति-पत्र एवं सम्मान प्रदान किए गए। आयोजकों ने बताया कि चयनित प्रतिभागी अब राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में उत्तर-पूर्वी दिल्ली का प्रतिनिधित्व करेंगे। पूरे कार्यक्रम के दौरान नशा छोड़ो, जीवन जोड़ो, नशा मुक्त युवाझविकसित भारत और जैसे संदेशों के साथ युवाओं ने नशामुक्त भारत के निर्माण का सामूहिक संकल्प लिया। आयोजकों ने कहा कि माई भारत का यह अभियान केवल प्रतियोगिताओं तक सीमित नहीं, बल्कि युवा जागरूकता, सामाजिक उत्तरदायित्व और विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में एक व्यापक जनआंदोलन है।

पप्पू यादव की प्रेस वार्ता में हंगामा, एक अज्ञात व्यक्ति के चप्पल फेंकने का आरोप, समर्थकों ने की पिटाई

नई दिल्ली, 02 अगस्त (हि.स.)। निर्दलीय सांसद राजेश रंजन पप्पू यादव के दिल्ली स्थित आवास पर शनिवार को आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान उस समय हंगामा मच गया, जब एक अज्ञात व्यक्ति ने उन पर कथित तौर पर चप्पल फेंक दी। घटना के तुरंत बाद वहां मौजूद समर्थकों ने आरोपित को पकड़ लिया और उसकी पिटाई कर दी। बाद में मौके पर मौजूद पुलिसकर्मी ने हस्तक्षेप कर उसे भीड़ से बाहर निकाला। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में दिखाई दे रहा है कि प्रेस वार्ता के दौरान एक व्यक्ति पप्पू यादव से कहता है कि भगवा कपड़ा पहन कर उन्होंने भगवान राम की मूर्ति को अयोध्या से सांसद अवधेश प्रताप के पैरों में रख दी, ये बात ठीक नहीं है। इसके बाद उस शख्स ने अपनी चप्पल पप्पू यादव पर फेंक कर मारी। वीडियो में इसके बाद वहां मौजूद कार्यकर्ता चारों ओर से थप्पड़ व घूंसों से उसकी पिटाई करते दिखाई दे रहे हैं। इस दौरान उसकी शर्ट भी फट जाती है। वीडियो में इस दौरान पुलिसकर्मी बीच-बचाव कर उसे भीड़ से सुरक्षित बाहर निकालने की कोशिश

करता दिखाई देता है। हालांकि जब तक उसे बाहर निकाला जाता तब तक पप्पू यादव के समर्थकों ने उसकी जमकर पिटाई कर दी। वीडियो में पप्पू यादव भी अफरातफरी के बीच एक अन्य व्यक्ति को पकड़कर ले जाते हुए नजर आते हैं। चप्पल फेंकने वाले व्यक्ति की पहचान अब तक सामने नहीं आई है। यह घटना ऐसे समय हुई है, जब राममंदिर चढ़ावा चोरी के मुद्दे पर संसद परिसर में पप्पू यादव के विरोध प्रदर्शन को लेकर विवाद पहले से जारी है। शुक्रवार को संसद भवन के बाहर विपक्षी सांसदों ने इस मुद्दे को लेकर सांकेतिक प्रदर्शन किया था। पप्पू यादव पुजारी के वेश में दानपात्र लेकर पहुंचे थे, जबकि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने प्रतीकात्मक रूप से उसमें चंदा डाला था। इसके बाद विपक्षी सांसदों ने सांकेतिक रूप से 'चोरी पकड़े जाने' का नाटक करते हुए पप्पू यादव की प्रतीकात्मक पिटाई भी की थी।

इस प्रदर्शन के बाद उत्तर प्रदेश के कई शहरों में विरोध प्रदर्शन हुए। वाराणसी में पातालपुरी मठ के पीठाधीश्वर जगद्गुरु बालक दास की शिकायत पर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, समाजवादी पार्टी सांसद अवधेश प्रसाद और निर्दलीय सांसद पप्पू यादव के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। वहीं, लखनऊ में सनातन रक्षा संगठन ने पप्पू यादव की प्रतीकात्मक शवयात्रा निकाली और उनके खिलाफ प्रदर्शन किया।

भविष्यफल

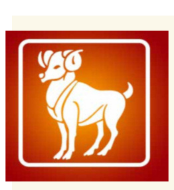

मेष -रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में संक्रियता रहेगी। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक.5.8.9

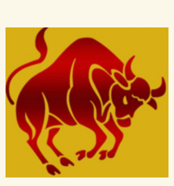

वृष - कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शुभांक.4.6.7

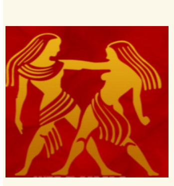

मिथुन -जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। परिवारजनों के सहयोग से काम बनाना आसान रहेगा। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। थाड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। शुभ कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। शुभांक.3.6.9

कर्क - परिवारजन का सहयोग व समन्वय से काम बनाना आसान करेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। बौद्धिक उलझनें बनी रहेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। शुभांक.5.7.8

सिंह -मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ होगा। पैतृक सम्पत्ति से लाभ मिलेगा। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। शुभांक.2.6.9

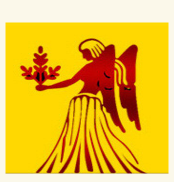

कन्या -शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक.2.5.7

तुला -कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक.3.6.9

वृश्चिक -स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। शुभांक.5.7.9

धनु -महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक.3.5.7

मकर -धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। धम-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। शुभांक.3.4.6

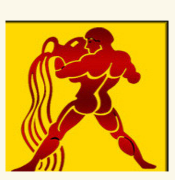

कुंभ - शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। पैतृक सम्पत्ति से लाभ मिलेगा। नैतिक दायरे में रहें। शुभांक.4.7.9

मीन -धम-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। शुभांक.3.5.7

मॉस्को के रेस्तरां में विस्फोट, 3 की मौत, 21 घायल

मॉस्को, (आरएनएन)। रूस की राष्ट्रीय आतंकवाद-रोधी समिति (एनएसी) ने कहा है कि मॉस्को के एक रेस्तरां में शनिवार को हुआ विस्फोट बम धमाका था, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई और 21 अन्य घायल हो गए।

मॉस्को के कुड्रिन्स्काया स्क्वायर स्थित एक रेस्तरां में आईईडी में विस्फोट हुआ। मृतकों में विस्फोटक लेकर रेस्तरां में प्रवेश करने वाली एक महिला, उसे रोकने वाला एक सुरक्षा कर्मी तथा एक ग्राहक शामिल हैं।

तमिलनाडु में करोड़ों की धातु की तीन प्राचीन मूर्तियां जब्त

चेन्नई, आरएनएन। तमिलनाडु के कुड्डालोर जिले में पुलिस ने करोड़ों की धातु की 3 प्राचीन बेशकीमती मूर्तियां ज़ब्त की और 5 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनकी कीमत सात करोड़ आंकी है।

विशेष टीम ने इलाके में 5 संदिग्धों को रोका और उन्हें घेर लिया। तलाशी लेने पर उनके पास से धातु की तीन प्राचीन मूर्तियां बरामद हुई। इनको मूर्तियों की तस्करी की कोशिश में गिरफ्तार किया गया। इन मूर्तियों में भूदेवी की मूर्ति (ऊंचाई 56 सेमी और वज़न 19 किलो); तिरुज्ञानसंबंदर की मूर्ति (ऊंचाई 37 सेमी और वज़न 10 किलो) और देवी शिवगामी सुंदरी की मूर्ति (ऊंचाई 55 सेमी और वज़न 12.40 किलो) शामिल हैं।

मिडिल ईस्ट के देशों के कहने पर लिया फैसला

ईरान पर नहीं होगा हमला, ट्रम्प ने आखिरी समय में टाला प्लान

ट्रम्प बोले-स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज पूरी तरह खुलेगा, परमाणु बम भी नहीं बनाएगा ईरान

● **वाशिंगटन / (एजेंसी)**

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका ने ईरान पर जोरदार हमले की पूरी तैयारी कर ली थी। यह हमला दूसरे विश्व युद्ध के बाद सबसे बड़ा हमला होने वाला था, लेकिन ईरान की अपील पर इस हमले को टाल दिया गया है।

उन्होंने यह भी साफ किया कि अब स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज पूरी तरह से खोल दिया जाएगा और ईरान न्यूक्लियर बम भी नहीं बनाएगा। ट्रम्प ने ट्रूथ सोशल पर लिखा कि अमेरिका इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के खिलाफ हमले के लिए पूरी तरह तैयार है। सैन्य ताकत और पावर के पैमाने पर यह हमला इस स्तर का होता, जिसे दूसरे विश्व युद्ध के बाद नहीं देखा गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने दावा किया कि ईरान और मिडिल ईस्ट के दूसरे देशों ने उनसे इस हमले को रोकने की अपील की।

यह हमला इस शर्त पर रोका गया है कि ईरान जल्द ही डील करेगा, जिसमें स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज को पूरी तरह से खोलना शामिल होगा। वहीं, ईरान अपना न्यूक्लियर प्रोग्राम भी पूरी तरह से खत्म करेगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के दावे के बावजूद गाजा में इजराइली हमले जारी, 11 फिलिस्तीनियों की मौत

गाजा। ट्रम्प ने भले ही पिछले साल के गाजा सीजफायर डील को लागू कराने में बड़ी सफलता का दावा किया हो, लेकिन इजराइल ने रविवार को भी गाजा पट्टी में अपनी सैन्य कार्रवाई जारी रखी। पूरे गाजा क्षेत्र में हुए इजराइल के हवाई हमलों में कम से कम 11 फिलिस्तीनियों की जान चली गई। इस इजराइली हमले में मध्य गाजा के देर अल-बलाह इलाके में एक कार को निशाना बनाया गया, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई। इससे पहले फिलिस्तीनी स्वास्थ्य अफसरों ने बताया था कि इजराइली लड़ाकू विमानों ने गाजा शहर, देर अल-बलाह और खान यूनिस के अलग-अलग इलाकों में बमबारी की, जिसमें नौ लोगों की जान गई। देर अल-बलाह में एक घर पर हुए हमले में पति-पत्नी की मौत हो गई और चार लोग घायल हो गए। वहीं, गाजा शहर में एक घर पर हुए हमले में एक बच्चे समेत दो लोगों की मौत हो गई।

ईरान दुश्मनों की सभी धमकियों को गंभीरता से लेता है: रक्षा मंत्री

तेहरान । ईरान के कार्यवाहक रक्षा मंत्री सैयद मजीद इब्न अल-रजा ने रविवार को कहा कि उनका देश विरोधियों से मिलने वाली हर धमकी को वास्तविक और गंभीर मानता है। उन्होंने संकेत दिया कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान पर प्रस्तावित सैन्य हमलों को स्थगित करने की घोषणा के बावजूद देश हाई अलर्ट पर रहेगा। अल-रजा ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि ईरान धमकियों को सिर्फ मनोवैज्ञानिक युद्ध मानकर खारिज नहीं करेगा। उन्होंने लिखा कि हम न तो हैरान होंगे और न ही निष्क्रिय बैठेंगे। हम अपनी तैयारियों को बढ़ाने, अपनी सैन्य क्षमता को मजबूत करने और अपनी ताकत बढ़ाने के लिए इन धमकियों को आधार बनाते हैं। मंत्री की यह टिप्पणी ट्रम्प द्वारा ट्रुथ सोशल पर किए गए उस दावे के बाद आई है, जिसमें ट्रम्प ने कहा था कि अमेरिका ईरान के खिलाफ हमले के लिए पूरी तरह तैयार था, लेकिन ईरान और अन्य पश्चिमी एशियाई देशों के अनुरोध के बाद सैन्य कार्रवाई को रोकने पर सहमत हो गया है। ट्रम्प ने यह भी कहा कि प्रस्तावित डील में होर्मुज को तुरंत और पूरी तरह से खोलना तथा ईरान के परमाणु खतरे को खत्म करना शामिल होगा। हालांकि, ईरान ने उन रिपोर्टों को सिरे से खारिज कर दिया है जिनमें कहा गया था कि वह होर्मुज फिर से खोलने पर सहमत हो गया है। इजराइल के चैनल 12 के अनुसार, ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अमेरिका और कतर के उस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है, जिसके तहत जहाज फारस की खाड़ी में ईरान के नियंत्रण वाले समुद्री क्षेत्र से प्रवेश करेंगे।

उत्तर-पश्चिम पाक में शांति रैली के दौरान विस्फोट, 14 लोगों की मौत

● **पेशावर / (एजेंसी)**

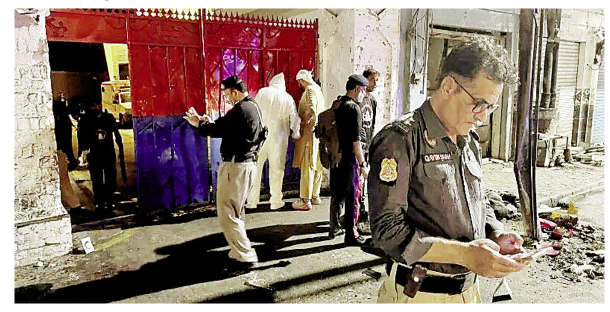

उत्तर-पश्चिम पाक के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में रविवार को शांति रैली के दौरान एक पुलिस थाने पर हुए आत्मघामी विस्फोट में कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई और 15 से अधिक लोग घायल हो गए। मृतकों में पांच पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। धमाका तब हुआ जब स्वात जिले के कबाल कस्बे में पुलिस थाने के ठीक सामने स्वात शांति रैली निकल रही थी। अभी तक किसी भी समूह या व्यक्ति ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

स्वात बचाव एजेंसी के एक प्रवक्ता ने बताया कि नौ शव केंद्रीय सैदु शरीफ अस्पताल ले जाये गये, जबकि कबाल अस्प्ताल के डॉक्टरों ने पांच और मौतों की पुष्टि की है। स्वात शांति रैली का आयोजन स्वात अमन जिरगा (स्थानीय जनजातीय परिषद) की ओर से किया गया था। रैली में शामिल लोगों ने नारे लगाए और इलाके में शांति की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस की निष्क्रियता से पिछले कुछ महीनों में सुरक्षा की स्थिति खराब हुई है।

संदिग्ध आत्मघाती हमलावर ने कबाल पुलिस थाने और पुलिस लाइन परिसर में घुसने की कोशिश की, लेकिन मुख्य द्वार पर पुलिसवालों ने उसे रोक लिया। पुलिस अधिकारी ने कहा कि इसके बाद हमलावर ने विस्फोट कर दिया। क्षेत्रीय पुलिस अधिकारी मलकंद सैयद फिदा हसन शाह ने कहा कि पुलिस के समय पर कार्रवाई करने से एक बहुत बड़ी घटना टल गई। उन्होंने यह भी कहा कि अगर हमलावर कबाल पुलिस परिसर में घुस जाता तो हताहतों की संख्या और भी ज्यादा हो सकती थी। कबाल पुलिस परिसर में पुलिस थाना, पुलिस लाइन, एक सुविधा केंद्र और कई दूसरे सरकारी कार्यालय हैं।

घटना में घायल 15 से अधिक लोगों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री मुहम्मद सुहैल अफरीदी ने स्वात जिले के कबाल इलाके में हुए धमाके की कड़ी निंदा की और पुलिस महानिरीक्षक से घटना पर रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए।

पीओके में बंदूक की नोक पर वोटिंग, एएसी ने पाक को किया बेनकाब

पीओके में विधानसभा चुनाव की दूसरा चरण समाप्त हो गया। इस बीच अवामी एक्शन कमेटी (एएसी) ने पाकिस्तान की सेना और प्रशासन पर बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं। समिति का साफ कहना है कि पूरे चुनाव प्रक्रिया को बंदूक की नोक पर चलाया जा रहा है और इसे लोकतंत्र का नाम देकर महज एक दिखावा किया जा रहा है। जेएएसी नेताओं का दावा है कि इन चुनावों में न तो स्वतंत्रता है, न निष्पक्षता और न ही कोई वास्तविक लोकतांत्रिक विश्वसनीयता है। एएसी के प्रमुख नेता उमर नज़ीर कश्मीरी ने संगठन की ओर से स्पष्ट रुख अपनाते हुए कहा कि कमेटी इस पूरे आयोजन को 'लोकतंत्र के नाम पर चुनावी ड्रामा' मानती है और इसे किसी भी हाल में स्वीकार नहीं करेगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि अवामी एक्शन कमेटी लोकतांत्रिक प्रक्रिया के खिलाफ बिल्कुल नहीं है। हम तो हमेशा से स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव की मांग करते आए हैं। लेकिन हम चुनाव के नाम पर हो रही धोखाधड़ी और दबाव की राजनीति को बर्दाश्त नहीं करेंगे।

इंडोनेशिया में फेरी में लगी आग, 5 की मौत, 41 लापता, 271 लोग थे सवार

● **जकार्ता / (एजेंसी)**

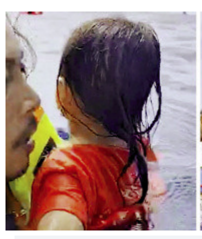

इंडोनेशिया के एक द्वीप के पास रविवार को बड़ा हादसा हुआ है। एक फेरी (नौका) में आग लगने से पांच लोगों की मौत हो गई और 41 लापता हैं। इंडोनेशिया के मदुरा द्वीप के पास इस फेरी में आग लगी, जिसमें 271 यात्री और क्रू सदस्य सवार थे। फिलहाल रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। स्थानीय अफसरों ने मृतक संख्या और बढ़ने का अंदेशा जताया है। इंडोनेशिया की सर्च और रेस्क्यू एजेंसी की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि मदुरा द्वीप के पास एक फेरी में आग लगने के बाद 271 यात्री और क्रू मेंबर में से 225 को बचा लिया गया है।

एजेंसी ने बताया कि सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन अभी भी जारी है। लापता हुए लोगों की तलाश जारी है। आग लगने से हादसे का शिकार हुई यह फेरी पूर्वी जावा प्रांत के सुराबाया से दक्षिण सुलावेसी के मकासर शहर जा रही थी। बयान में कहा गया है कि यह साफ नहीं है कि फेरी में आग कैसे लगी। रविवार सुबह घटना के बाद इसके कारणों की जांच की जा रही है। मदुरा द्वीप जावा के उत्तर-पूर्वी तट के पास स्थित है। नेशनल सर्च एंड रेस्क्यू एजेंसी के अनुसार, जहाज के कैप्टन ने आग लगने की सूचना दी। मदुरा द्वीप के पास तब हुई जब जहाज पूर्वी जावा के दूसरे सबसे बड़े शहर सुराबाया से दक्षिण सुलावेसी के मकासर जा रहा था।

वियतनाम के बाद दूसरा बड़ा हादसा

11 जुलाई को दक्षिणी वियतनाम में फु क्वोक द्वीप के पास स्पीडबोट के पलटने से 15 भारतीय पर्यटकों की मौत हो गई थी। इस नाव में 32 पर्यटक और चार क्रू मेंबर सवार थे। नाव के पलटने के बाद 21 लोगों को रेस्क्यू कर लिया गया लेकिन 15 लोग डूब गए। वियतनाम की घटना के बाद अब इंडोनेशिया में यह घटना हो गई है। वियतनाम में हादसे का शिकार हुई स्पीडबोट होन मे रुट द्वीप से एन थोई बंदरगाह जा रही थी, तभी किनारे से 400 मीटर दूर वह पलट गई। उस समय समुद्र में हालात खराब थे।

पेरू विमान हादसे में इटली के 7 नागरिकों समेत 13 की मौत

● **लीमा / (हि.स.)**

पेरू में रविवार को एक पर्यटक विमान के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से उसमें सवार इटली के सात पर्यटकों सहित सभी 13 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे पर इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने गहरा दुख व्यक्त किया है।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि पेरू में हुए दर्दनाक विमान हादसे पर मुझे गहरा दुख है, जिसमें हमारे सात इतालवी नागरिकों ने भी अपनी जान गंवा दी। मैं इटली सरकार की ओर से और व्यक्तिगत रूप से, इस बेहद कठिन समय में उनके परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करती हूँ।

स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, विमान ने पिस्को के मारिया रीचे हवाई अड्डे से प्रसिद्ध पुरातात्विक स्थल नाज़्का के लिए उड़ान भरी थी और उड़ान भरने के कुछ ही मिनटों बाद विमान का एटीसी से संपर्क पूरी तरह टूट गया। हादसे का शिकार हुए 13 लोगों में 11 विदेशी पर्यटक, एक पायलट और एक टूर गाइड शामिल हैं।

तरुण चुग ने राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग से की बरनाला लाठीचार्ज मामले में हस्तक्षेप की मांग

नई दिल्ली, 2 अगस्त (दिव्य भारत ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री एवं राज्यसभा सांसद तरुण चुग ने शनिवार को राष्ट्रीय अनुसूचित

जाति आयोग के अध्यक्ष किशोर मकवाणा से मुलाकात कर पंजाब के बरनाला जिले में सफाई कर्मचारियों पर हुए कथित पुलिस लाठीचार्ज मामले में हस्तक्षेप की मांग की। इस संबंध में उन्होंने आयोग अध्यक्ष को एक विस्तृत ज्ञापन भी सौंपा।

■ **आयोग अध्यक्ष किशोर मकवाणा को सौंपा ज्ञापन, स्वतंत्र जांच और दोषियों पर एससी-एसटी एक्ट के तहत कार्रवाई की उठाई मांग**

तरुण चुग ने आयोग को बताया कि 22 जुलाई को बरनाला में अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे सफाई कर्मचारियों पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया, जिसमें महिलाओं सहित 18 से अधिक कर्मचारी घायल हो गए। उन्होंने कहा कि पंजाब में बड़ी संख्या में सफाई कर्मचारी अनुसूचित जाति समुदाय से हैं, इसलिए यह घटना समुदाय की गरिमा और उनके संवैधानिक अधिकारों से जुड़ा गंभीर मामला है।

उन्होंने आयोग से इस मामले का स्वतः संज्ञान लेकर स्वतंत्र जांच कराने, संबंधित पुलिसकर्मियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की। चुग ने कहा कि केवल निलंबन या तबादला पर्याप्त नहीं है, बल्कि पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष किशोर मकवाणा ने मामले को गंभीरता से सुना और इस पर नियमानुसार उचित कार्रवाई का भरोसा दिया।

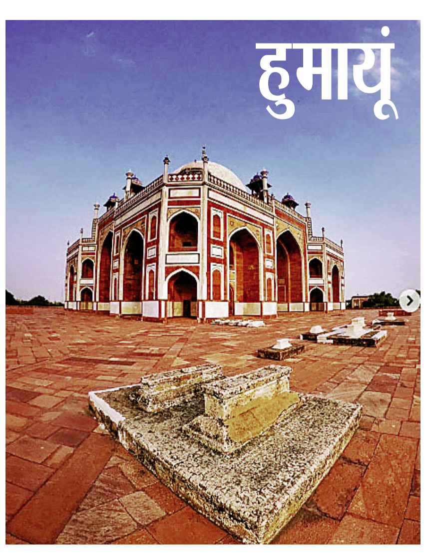

हुमायूं के मकबरे का हो रहा क्षरण

नई दिल्ली, (हि.स.) आईआईटी-रुड़की व कानपुर के संयुक्त अध्ययन से पता चला है कि वायु प्रदूषण की वजह से दिल्ली स्थित हुमायूं के मकबरे पर लगे बलुआ पत्थर के क्षरण की गति बढ़ रही है। यह मकबरा यूनेस्को की विरासत सूची में शामिल है। अध्ययन रिपोर्ट के मुताबिक, अध्ययन के दौरान हुमायूं के मकबरे के विभिन्न हिस्सों से एकत्र किए गए काले परत के नमूनों की रासायनिक संरचना, खनिज सामग्री और सूक्ष्म संरचना का विश्लेषण करने के लिए प्रयोगशाला तकनीकों का उपयोग किया गया।

शोध टीम ने पाया कि काली परत मुख्य रूप से जिप्सम से बनी होती है और प्रदूषित हवा में मौजूद सल्फर डाइऑक्साइड, कैल्शियम से भरपूर धूल और नमी के साथ प्रतिक्रिया करने पर बनती है। जिप्सम की परत गाड़ियों के धुएं, निर्माण कार्यों, सड़क की धूल, कृषि अपशिष्ट के जलाने और औद्योगिक प्रदूषण से निकलने वाली कालिख, धूल और धातु के बारीक कणों को रोक लेती है, जिससे धीरे-धीरे बलुआ पत्थर पर एक काली परत बन जाती है।

सीआईए के कलर रिवोल्यूशन मॉडल से भारत में सत्ता परिवर्तन की थी साजिश

नई दिल्ली, (आरएनएन)। राजधानी दिल्ली के जंतर-मंतर पर पिछले दिनों कॉकरोच जनता पार्टी के आह्वान पर हुए विरोध प्रदर्शन के बाद तत्कालीन शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा। अब सीजेपी के नेतृत्व वाले इस विरोध प्रदर्शन को लेकर पूर्व मेजर जनरल जीडी बख्शी ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा, भारत ने सीआईए से प्रेरित कलर रिवोल्यूशन जैसी गतिविधियों से निपटने का लोकतांत्रिक तरीका दुनिया के सामने पेश किया है। जीडी बख्शी ने दावा किया कि आंदोलन के जरिए लोकतांत्रिक रूप से चुनी हुई सरकार को उखाड़ फेंकने का उद्देश्य था। जीडी बख्शी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि एक सैनिक के रूप में मुझे इस बात का संतोष है कि भारत के लोकतंत्र ने दुनिया को यह दिखाया है कि सीआईएसे प्रेरित 'कलर रेवोल्यूशन' से कैसे निपटा जाता है।

पूर्व मेजर जनरल का बड़ा दावा

बांग्लादेश कोर्ट ने चिन्मय दास को बेल दी, फिलहाल जेल में ही रहेंगे

● **ढाका / (एजेंसी)**

बांग्लादेश के हाईकोर्ट ने रविवार को जेल में बंद हिंदू अधिकार कार्यकर्ता चिन्मय कृष्ण दास को दो मामलों में बेल दे दी। दास के वकील ने यह जानकारी दी।

वकील ने कहा कि बेल के बावजूद दास की जेल से तुरंत रिहाई सुनिश्चित नहीं होगी, क्योंकि उन पर चार और मामलों में आरोप हैं। दास एक हिंदू संत हैं, जिन्हें नवंबर 2024 में देश के झंडे का कथित तौर पर अपमान करने के लिए देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया गया था, जिससे बांग्लादेश में विरोध प्रदर्शन और सांप्रदायिक तनाव फैल गया था। बाद में दास पर हत्या, हत्या की कोशिश और तोड़फोड़ के आरोपों सहित कई और मामलों में मुकदमा दर्ज किया गया। भारत ने उस समय गिरफ्तारी पर गहरी चिंता जताई थी और ढाका से हिंदुओं और सभी अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने को कहा था।

ग्रामोदय विश्वविद्यालय में नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत अभियान का शुभारंभ

चित्रकूट, 2 अगस्त (दिव्य भारत ब्यूरो)। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय में रविवार को नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत-संकल्प अभियान का शुभारंभ किया गया। विश्वविद्यालय के सीएमसीएलडीपी सभागार में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्चुअल संबोधन का सामूहिक प्रसारण देखा और सुना गया। इस अवसर पर शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी, शोधार्थी तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने नशामुक्त भारत के निर्माण का सामूहिक संकल्प लिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. आलोक चौबे ने कहा कि विकसित भारत की आधारशिला स्वस्थ, जागरूक और संस्कारित युवा शक्ति है। उन्होंने विद्यार्थियों से अध्ययन, खेल, योग, नवाचार, शोध, सामाजिक सेवा और अन्य सकारात्मक गतिविधियों से जुड़ने का आह्वान करते हुए कहा कि रचनात्मक कार्यों में सक्रिय रहने वाले युवा स्वाभाविक रूप से नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रहते हैं। उन्होंने कहा कि नशामुक्त युवा ही विकसित भारत के निर्माण की सबसे बड़ी शक्ति हैं।

कार्यक्रम में पूर्व कुलपति एवं कला संकाय के अधिष्ठाता प्रो. कपिल देव मिश्रा तथा कुलसचिव प्रो. आञ्जनेय पांडेय ने भी युवाओं से नशामुक्त जीवन अपनाने और समाज में जागरूकता फैलाने की अपील की। मुख्य सुरक्षा अधिकारी डॉ. उमेश कुमार शुक्ला ने सभी प्रतिभागियों को नशा मुक्ति की सामूहिक शपथ दिलाई।

वक्ताओं ने प्रधानमंत्री के संबोधन को युवाओं को राष्ट्र निर्माण से जोड़ने वाली प्रेरक पहल बताते हुए कहा कि विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने में युवाओं की सक्रिय भागीदारी सबसे महत्वपूर्ण है।

कार्यक्रम के अंत में कुलसचिव प्रो. आञ्जनेय पांडेय ने सभी अतिथियों, शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का तकनीकी संयोजन डॉ. देवरस पांडेय ने किया। विश्वविद्यालय परिवार ने नशामुक्त, स्वस्थ और सशक्त भारत के निर्माण में सक्रिय योगदान देने का संकल्प भी दोहराया।

■ **प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वर्चुअल संबोधन सामूहिक रूप से सुना गया**

■ **कुलगुरु प्रो. आलोक चौबे बोले- सकारात्मक गतिविधियों से जुड़ें, नशे से दूर रहकर विकसित भारत के निर्माण में दें योगदान**

सामाख्याली जं. पर 46 घंटे का तकनीकी काम हुआ पूरा

● **अहमदाबाद / (हि.स.)।**

अहमदाबाद मंडल की बड़ी उपलब्धि

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल ने रेल अवसंरचना विकास की दिशा में एक और अहम उपलब्धि हासिल करते हुए सामाख्याली जं.पर 46 घंटे का नॉन-इंटरलोकिंग (एनआई) कार्य सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है।

डीआरएम अहमदाबाद वेद प्रकाश ने बताया कि यह नॉन-इंटरलोकिंग कार्य सामाख्याली-वोंध-भचाऊ स्टेशनों के मध्य दो ब्लॉक सेक्शनों में चौहरीकरण एवं ऑटोमैटिक सिग्नलिंग परियोजना के कमीशनिंग के लिए किया गया है। इस चुनौतीपूर्ण एवं अत्यंत अहम कार्य को अहमदाबाद मंडल तथा डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (डीएफसी) की टीमों द्वारा उत्कृष्ट समन्वय, सटीक योजना और अथक प्रयासों से निर्धारित समयसीमा के भीतर सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। अवरोध के बावजूद मालगाड़ियों का सुचारू और रिकॉर्ड संचालन शुरू हुआ।

संपादकीय

असहमति पर अंकुश : न्यायमूर्ति की खरी-खरी

देश में गाहे-बगाहे असहमति के अधिकार और व्यक्तिगत आजादी पर अंकुश लगाने के प्रयासों पर चर्चा होती ही रहती है। अब सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस उज्ज्वल भुइयां के हालिया बयानों ने इस मुद्दे को एक बार फिर सार्वजनिक विमर्श का विषय बनाया है। दरअसल, पिछले हफ्ते भोपाल स्थित नेशनल लॉ इंस्टीट्यूट यूनिवर्सिटी में एक व्याख्यान देते हुए उन्होंने उत्तर प्रदेश में चौदह युवाओं की गिरफ्तारी और उन्हें लंबे समय तक हिरासत में रखने के मुद्दे पर तल्ख सवाल उठाए थे। दरअसल, मार्च 2026 में इन युवाओं पर आरोप लगा था कि उन्होंने उत्तर प्रदेश के वाराणसी में गंगा नदी में नाव की सवारी के दौरान इफ्तार के दौरान चिकन बिरयानी खाई थी और बिरयानी के बचे अवशेष नदी में डाल दिए थे। स्थानीय स्तर पर मामले के तूल पकड़ने के बाद इन चौदह युवाओं को गिरफ्तार किया गया था। जस्टिस उज्ज्वल भुइयां ने इस कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा था कि गंगा नदी के ऊपर या किनारे चिकन बिरयानी खाना कोई कानूनी अपराध नहीं है। उनका कहना था कि किसी भी कानून में ऐसी गतिविधि पर रोक नहीं है। जस्टिस भुइयां ने इसके साथ ही शांतिपूर्ण असहमति को अपराध की श्रेणी में लाने के बढ़ते चलन पर भी चिंता जताई। दूसरे शब्दों में कहें तो उन्होंने भारतीय लोकतंत्र की सेहत से जुड़े ज्वलंत प्रश्नों को सार्वजनिक बहस का हिस्सा बनाया है। तो सवाल उठता है कि क्या केंद्र सरकार लोगों की निजी पसंद, अभिव्यक्ति की आजादी और विरोध करने के अधिकार पर रोक लगाने में हद से आगे बढ़ रही है? क्या नागरिकों को उन कामों के लिये उनकी आजादी से वंचित किया जा सकता है जो कुछ लोगों की भावनाओं को ठेस तो पहुंचा सकते हैं, लेकिन स्पष्ट रूप से अपराध की श्रेणी में नहीं आते? हाल-फिलहाल के घटनाक्रमों के आलोक में बीस जुलाई को दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारियों पर पुलिस की कार्रवाई को देखते हुए, न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की राय से असहमत होना मुश्किल ही कहा जाएगा। उनकी राय थी कि असहमति के लिये जगह कम होती जा रही है। दरअसल, हाल के वर्षों में अक्सर देखा गया है कि देश में पर्यावरण कार्यकर्ता, छात्र, विभिन्न संगठन और दूसरे नागरिक जो असहमति जताते हैं, उन्हें अक्सर आपराधिक मामलों का सामना करना पड़ता है। लेकिन सरकार प्रतिरोध के स्वरों की अनसुनी कर देती है। हालांकि, देर-सवेर अदालतें, अक्सर मामले के कानूनी प्रक्रिया में आने के बाद उन्हें राहत दे देती हैं। लेकिन अक्सर जमानत में होने वाली देरी और सख्त शर्तें अपने आप में सजा का ही एक रूप बन सकती हैं।

शोर नहीं, उपलब्धियाँ हैं भारत की युवा पीढ़ी की पहचान

डॉ. कीर्ति शर्मा

भारत की युवा पीढ़ीः शोर से नहीं, उपलब्धियों से पहचानिए आजकल किसी भी प्रदर्शन, विवाद या सोशल मीडिया अभियान को तुरंत नई पीढ़ी की आवाज घोषित कर दिया जाता है। कुछ युवाओं के उत्तेजक व्यवहार, अभद्र नारों अथवा हिंसक गतिविधियों को पूरे जेन जी समुदाय का प्रतिनिधि मान लेना आसान हो गया है। कैमरे के सामने जो सबसे अधिक शोर करता है, वही समाचारों और सोशल मीडिया पर सबसे अधिक दिखाई देता है। लेकिन क्या वास्तव में वही भारत की युवा पीढ़ी का चेहरा है?

किसी पीढ़ी का मूल्यांकन कुछ उत्तेजित चेहरों, विवादास्पद पोस्टों या वायरल वीडियो के आधार पर नहीं किया जा सकता। भारत के करोड़ों युवा आज चुपचाप शिक्षा, विज्ञान, खेल, उद्यमिता, प्रौद्योगिकी और राष्ट्रनिर्माण के विभिन्न क्षेत्रों में परिश्रम कर रहे हैं। वे प्रचार से दूर हैं, लेकिन उनकी उपलब्धियाँ देश की प्रतिष्ठा को निरंतर ऊँचा उठा रही हैं।

अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में पदक जीतने वाले युवा खिलाड़ी जब तिरंगा अपने कंधों पर ओढ़ते हैं, तब उनकी आँखों में दिखाई देने वाला गर्व किसी भाषण से अधिक प्रभावशाली होता है। वे कठिन अभ्यास, अनुशासन और त्याग के माध्यम से दुनिया को भारत की क्षमता से परिचित करा रहे हैं।

गणित, विज्ञान और तकनीकी प्रतियोगिताओं में भारतीय विद्यार्थियों की सफलता भी यह प्रमाणित करती है कि नई पीढ़ी केवल मनोरंजन और सोशल मीडिया तक सीमित नहीं है। हमारे युवा कठिनतम समस्याओं का समाधान कर रहे हैं, अंतरराष्ट्रीय ओलंपियाड में पदक जीत रहे हैं और शोध एवं नवाचार की नई दिशाएँ खोल रहे हैं। शतरंज में भारत के युवा खिलाड़ियों ने दुनिया को चकित किया है। खेलों के अन्य क्षेत्रों में भी नई प्रतिभाएँ लगातार सामने आ रही हैं। छोटे शहरों और साधारण परिवारों से निकलकर ये युवा विश्वस्तरीय मंचों पर अपनी पहचान बना रहे हैं। उनके पास महँगे प्रचार अभियान नहीं हैं, लेकिन उनके पास प्रतिभा, आत्मविश्वास और कठिन परिश्रम की पूँजी है। खेल और शिक्षा से आगे देखें तो तस्वीर और भी प्रेरणादायक है। भारतीय युवा कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स, अंतरिक्ष विज्ञान, रक्षा प्रौद्योगिकी, सेमीकंडक्टर, जैव प्रौद्योगिकी और हरित ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में कार्य कर रहे हैं। अनेक युवा सुरक्षित नौकरी के बजाय स्टार्टअप स्थापित कर रहे हैं, रोजगार उत्पन्न कर रहे हैं और ऐसी तकनीक विकसित कर रहे हैं जो आने वाले वर्षों में भारत की आर्थिक तथा सामरिक शक्ति को निर्धारित करेगी। इसलिए नई पीढ़ी को आलसी, दिशाहीन अथवा सांस्कृतिक रूप से खोखला कहना उचित नहीं है। यह पीढ़ी तकनीक के साथ बड़ी हुई है। इसकी गति तेज है, इसकी आकांक्षाएँ वैश्विक हैं और यह परंपरागत व्यवस्थाओं पर प्रश्न भी उठाती है। प्रश्न पूछना अनुशासनहीनता नहीं है। असहमति लोकतंत्र का आवश्यक अंग है। लेकिन असहमति और अभद्रता, आंदोलन और अराजकता तथा अभिव्यक्ति और हिंसा के बीच स्पष्ट अंतर बनाए रखना आवश्यक है। जो लोग सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुँचाते हैं, सेना या संवैधानिक संस्थाओं का अपमान करते हैं अथवा गाली-गलौज को विचारधारा समझते हैं, वे किसी पूरी पीढ़ी का प्रतिनिधित्व नहीं कर सकते। उनका मूल्यांकन उनके कृत्यों के आधार पर होना चाहिए, उनकी आयु के आधार पर नहीं। वास्तविक समस्या युवाओं में कम और उन्हें प्रस्तुत करने के हमारे तरीके में अधिक है। मीडिया और सोशल मीडिया प्रायः परिश्रम से अधिक विवाद को महत्त्व देते हैं। प्रयोगशाला में काम कर रहे वैज्ञानिक, मैदान में अभ्यास कर रहे खिलाड़ी, पुस्तकालय में पढ़ रहे विद्यार्थी और कार्यशाला में नया उत्पाद बना रहे युवा कम दिखाई देते हैं, क्योंकि उनके कार्य में उत्तेजना नहीं, निरंतरता होती है। कैमरा प्रायः वहाँ जाता है जहाँ टकराव हो, जबकि राष्ट्र का भविष्य वहाँ बन रहा होता है जहाँ एकाग्रता, अनुशासन और सृजनशीलता हो। हमें यह समझना होगा कि कुछ भटके हुए या उग्र लोगों के कारण पूरी पीढ़ी को बदनाम करना न केवल अन्यायपूर्ण है, बल्कि राष्ट्रीय आत्मविश्वास को भी कमजोर करता है। युवाओं की आलोचना आवश्यक हो सकती है, लेकिन उनकी उपलब्धियों को स्वीकार करना भी उतना ही आवश्यक है। भारत के सामने युवा शक्ति की कमी नहीं है। आवश्यकता है उसे सही अवसर, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, मार्गदर्शन और सकारात्मक मंच प्रदान करने की। यदि हम केवल नकारात्मक घटनाओं को बढ़ावा देंगे, तो योग्य और परिश्रमी युवाओं का मनोबल टूटेगा। लेकिन यदि हम उनकी सफलताओं को समाज के सामने लाएँगे, तो लाखों अन्य युवाओं को भी आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी। भारत की असली जेन जी हाथों में पत्थर नहीं, पुस्तकें, उपकरण, रैकेट, शोधपत्र, कंप्यूटर और तिरंगा लिए आगे बढ़ रही है। वह नारे लगाने से अधिक परिणाम देने में विश्वास रखती है। वह दुनिया से प्रतिस्पर्धा करना चाहती है और भारत को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाना चाहती है।

इसलिए समय आ गया है कि हम युवाओं को कैमरे में दिखाई देने वाले शोर से नहीं, उनके चरित्र, परिश्रम और उपलब्धियों से पहचानें। क्योंकि भारत की युवा पीढ़ी समस्या नहीं है, वह भारत की सबसे बड़ी संभावना है।

संसद परिसर में स्वांग प्रकरणः सभ्यों से बनती है सभा, उच्यते सभासु

हृदयनारायण दीक्षित

संसद देशकाल का दर्पण होती है। अपनी संसद डेढ़ अरब लोगों की भाग्य विधाता है। संसद के पास नए कानून बनाने की क्षमता के साथ संविधान संशोधन के भी अधिकार हैं। भारत में विचार-विमर्श की परंपरा है ही। वेदों में भी साथ साथ चलने और परामर्श करने के मंत्र हैं। संसद आदर योग्य है। संसदीय व्यवस्था का कोई विकल्प नहीं। संसद अपने सदस्यों से बनती है। सदस्यों द्वारा आदर पाती है। यह सर्वोच्च जनप्रतिनिधि संस्था है। लेकिन पीछे कुछ वर्षों से संसद की गरिमा और महिमा को अपमानित किया जा रहा है। जान पड़ता है कि शब्दों का अकाल है। जैसे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर चलने वाली फिल्में गाली-गलौच और हिंसा से लबालब भरी होती हैं। वैसे ही दुर्भाग्य से हमारी संसद में वाणी संयम नहीं है। मयार्दा का अभाव है।

वैदिक काल परिपूर्ण संसदीय था। लोकसभा के पूर्व महासचिव सुभाष कश्यप ने लिखा, भारत में वैदिक युग से ही गणतांत्रिक स्वरूप, प्रतिनिधित्व विचार विमर्श और स्थानीय स्वशासन की संस्थाएँ थीं। ऋग्वेद, अथर्ववेद में सभा समिति के उल्लेख हैं। ऐतरेय ब्राह्मण, पाणिनि की अष्टाध्यायी, कौटिल्य के अर्थशास्त्र, महाभारत और अशोक स्तम्भों, जैन पाठ्यों में उत्तर वैदिक काल के गणतंत्रों के उल्लेख हैं।

सभा सभ्यों से ही बनती है। ऋग्वेद (ऋ6.28.6) कहता है, पहले हम घर को भद्र बनाएँ-भद्रं गृहं कृणुथ, वाणी भद्र बनाएँ-भद्रवाचो, सभा में भद्र आचरण हो-उच्यते सभासु। लेकिन आज निजी जीवन में अपराध है। मानसतंत्र में क्रोध और तनाव है, ऐसे माननीयों से सभा में अमृत घट लुढ़काने की उम्मीदें करना व्यर्थ है। अथर्ववेद (8.10) में सभ्यता और सामाजिक संस्थाओं के विकास का प्रीतिकर वर्णन है, अराजक से उत्क्रान्ति हुई, गार्हपत्य (परिवार) आया।

गार्हपत्य से आहवनीय (आह्वान से जनसंगठन) फिर दक्षिणाग्नि (योग्य, अग्रणी) और इसके बाद सभा समिति का विकास हुआ। अथर्वा कहते हैं, जो यह जानता है वह सभा का सभ्य बनता है। सभ्य सभा और सभ्य सभासदों (सभ्य सभा में पाहि ये च सभ्याः सभासद) की प्रार्थना हजारों बरस प्राचीन अथर्ववेद में भी है।

भारत के संविधान निमार्ताओं ने गहन विचार-विमर्श के बाद ब्रिटिश तर्ज की संसदीय प्रणाली अपनाई। भारत के लिए संसदीय पद्धति का कोई विकल्प नहीं था और न है। भारत का लोकजीवन सनातन काल से संसदीय है। तर्क-प्रतितर्क विचार-विमर्श यहाँ के जन-जन की जीवन शैली है। संसद भारत के कोटि-कोटि लोगों की जीवन स्पंदन है। आमजनों के हर्ष-विषाद, अभाव, प्रभाव और दुष्प्रभाव, राग, द्वेष, रोष की अभिव्यक्ति का केन्द्र है। संसद देशकाल का मुख है। सनातन-अधुनातन का मिलन-क्षितिज है। विभिन्न भाषा-भाषी, मत-मजहब आस्था के लोग यहाँ एक जन, एक संस्कृति और एक राष्ट्र के रूप में समवेत होते हैं।

जनप्रतिनिधि के नाते वे अपने-अपने क्षेत्रों के दुख-सुख के प्रवक्ता हैं और एकजुट एकात्म भाव से राष्ट्र के गति नियंता। इसीलिए वे मान्यवर हैं, इसी वजह से उन्हें विशेषाधिकार है। उनके हावभाव, रूपरंग से राष्ट्र को अभिव्यक्ति मिलती है। डेढ़ अरब से अधिक भारतजन अपने भविष्य के लिए संसद की तरफ टकटकी लगाए देखते हैं लेकिन संसद उन्हें निराश करती है, हताश करती है, राजनीति के प्रति घृणाभाव देती है।

ये अठारहवीं लोकसभा है। इसके दृश्य लोकतंत्र के लिए डरावने हैं। एक-एक घटना का विवेचन और विश्लेषण इस छोटे से आलेख में रख पाना असंभव है। जान पड़ता है कि सदस्यों के पास अपनी भाषा के मर्यादित शब्दों का अभाव हो गया है। सदस्य अपनी बात चिल्ला कर ही कहते हैं। संसद के भीतर अनुशासन बनाए रखने की समस्या बड़ी है। अध्यक्ष नियंत्रण की कोशिश करते हैं लेकिन कामयाबी नहीं मिलती। संसद के परिसर में भी मयार्दा का संकट है। संसदीय पद्धति के अनुसार पूरे परिसर में अध्यक्ष का नियंत्रण रहता है। सदस्यों ने परिसर का दुरुपयोग कभी नहीं किया लेकिन बीते शुक्रवार को परिसर में जो नौटंकी हुई, उससे सारी दुनिया में देश की बदनामी हुई है। माननीय सदस्यों ने श्रीराम जन्मभूमि के वर्तमान विवाद का स्वांग बनाया है। करोड़ों भारतवासियों की आस्था पर सीधे हमला बोला। संत परंपरा का अपमान किया। एक सांसद ने साधु का वेश बना कर दान लेने और लेकर भाग जाने का नाटक किया। अयोध्या से सांसद ने भी इस ड्रामे में हिस्सा लिया। उन्होंने साधुवेश वाले कथित चोर को दौड़ाया। इसके पहले अनेक सांसदों ने दान देने का नाटक किया। संसद और संसदीय शिष्टाचार की गरिमा तार-तार हो गई।

राष्ट्र स्तब्ध और सन्न है। संविधान निमार्ताओं ने सपने में भी नहीं सोचा होगा कि हमारे सांसद ही भारतीय संस्कृति और परम्परा का अपमान करेंगे। संविधान की मुख्य धारा सांस्कृतिक है। भारतीय संस्कृति एक सतत संगीत है। कह सकते हैं एक वीणा। वीणा के तार संघर्षण से बजते हैं। स्वर से स्वर नहीं आते। बांसुरी में स्वर से स्वर निकलते हैं। तब संगीत आता है। वीणा वाद्य यंत्र है। यहाँ संघर्षण और छेड़खानी ही संगीत देती है। भारतीय संस्कृति एक वीणा है। भारत ने इसीलिए ज्ञान, वाणी और विद्या की देवी सरस्वती के हाथ में वीणा पकड़ाई। वीणा प्रतीक है संघर्षन में संगीत की खोज का। सतत खोजी, सदा आनन्द अभीप्सु सनातन तार्किक, निरंतर लोकतंत्रीय-भारत की यही प्रकृति संस्कृति कहलाती है।

ध्यान रहे व्यक्ति की तरह देश के भी वैशिष्ट्य होते हैं। व्यक्ति के वैशिष्ट्य व्यक्ति का व्यक्तित्व बनते हैं। राष्ट्र के वैशिष्ट्य राष्ट्र का राष्ट्रीयत्व बनते हैं। भारत का वैशिष्ट्य भारत की यही सनातन संस्कृति है। इसीलिए भारतीय राष्ट्र का प्राण संस्कृति है। संविधान की पहली प्रति में सदस्यों के हस्ताक्षर हैं। यहां भारतीय संस्कृति को सुदृढ़ करने वाले तमाम चित्र हैं। श्रीराम के चित्र उल्लेखनीय हैं। इसी संविधान की शपथ लेकर चुनाव लड़ने वाले माननीय सदस्यों ने श्रीराम की मयार्दा और संसद का अपमान किया है। नेता विरोधी दल सम्माननीय आदर्श संवैधानिक दायित्व होता है। संसदीय व्यवस्था में नेता विरोधी दल प्रतीक्षारत सरकार का मुखिया होता है। संसद की ताजा नौटंकी में उनका भी सम्मिलित होना बहुत त्रासद है। भारत के मन को आहत करने वाला है।

वैसे तो इस घटना ने अनेक प्रश्न उठाए हैं, लेकिन मूलभूत प्रश्न है कि क्या भारतीय धर्म आस्था संस्कृति और समूची भारतीय परंपरा को अपमानित करना संसदीय विशेषाधिकार है। क्या संसद के परिसर में ऐसी आपराधिक घटनाएं रोकी नहीं जा सकतीं? यह संसदीय गरिमा को भी चोट पहुंचाने वाला है। यह संसद के विशेषाधिकार का अवमान है। इस स्वांग पर विशेषाधिकार हनन का प्रश्न उठाया जाना आवश्यक है।

संसद के सदस्य माननीय होते हैं। उनसे संविधान के सामान्य ज्ञान की अपेक्षा की जाती है। उनसे संसदीय प्रक्रिया की जानकारी की अपेक्षा स्वाभाविक ही है। संविधान सभा के समापन भाषण में सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने कहा था कि, सदस्यों के लिए कोई न्यूनतम शिक्षा का विचार हमलोग नहीं कर पाए। लोकसभा के 18 चुनाव हो चुके हैं।ि

शिक्षित सदस्यों की संख्या बढ़ी है लेकिन संसदीय मयार्दा और गरिमा घटी है। वे भूल जाते हैं कि संसद के सदस्य होने के कारण उनको सम्मान किया जाता है। जिस संसद की सदस्यता के कारण उनका सम्मान और प्राधिकार बढ़ता है, वे उसी संसद की मयार्दा, गरिमा और महिमा को तार-तार करने में संकोच नहीं करते। वे संसद और परम्परा को अपमानित करने के बाद विजेता की मुद्रा में रहते हैं। प्रधानमंत्री संसदीय सदन का नेता होता है। उसे भी गलियाँ दी जाती हैं। संविधान का मजाक बनाया जाता है। सदस्यों को संसद की गरिमा तार-तार किए जाने की इजाजत नहीं दी जा सकती। भारत के करोड़ों लोगों की आस्था को अपमानित करने का प्रश्न बड़ा है। (लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

पप्पू यादव का विवादों भरा राजनीतिक सफर

डॉ. अरविंद नाथ तिवारी

राजेश रंजन, जिन्हें पप्पू यादव के नाम से जाना जाता है, बिहार की राजनीति के विवादास्पद नेताओं में गिने जाते हैं। उनका राजनीतिक जीवन जितना लंबा है, उतना ही विवादों से भी घिरा है। वे कई बार लोकसभा सदस्य चुने गए हैं और समय-समय पर समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल (राजद), लोक जनशक्ति पार्टी तथा बाद में अपनी पार्टी जन अधिकार पार्टी (लोकतांत्रिक) के माध्यम से राजनीति करते रहे। वर्ष 2024 में उन्होंने अपनी पार्टी का कांग्रेस में विलय कर दिया, हालांकि पूर्णिया से टिकट नहीं मिलने पर उन्होंने निर्दलीय चुनाव लड़कर जीत हासिल की और बाद में संसद में कांग्रेस-नीत विपक्ष के साथ तालमेल बनाकर काम करना शुरू किया।

पप्पू यादव का राजनीतिक आधार मुख्यतः सीमांचल और कोसी क्षेत्र में रहा है, वे स्वयं को गरीब और वंचितों की आवाज के रूप में प्रस्तुत करते रहे हैं। कोविड-19 महामारी के दौरान राहत कार्यों के कारण भी उन्हें व्यापक चर्चा मिली। दूसरी ओर, उनके राजनीतिक जीवन के साथ कई आपराधिक मामले भी जुड़े रहे हैं। विभिन्न मामलों में उनके विरुद्ध मुकदमे दर्ज हुए और कुछ मामलों में उन्हें न्यायालयों का सामना करना पड़ा। हालांकि भारतीय कानून के अनुसार किसी भी व्यक्ति को अंतिम न्यायिक निर्णय से पहले दोषी नहीं माना जाता।

वर्ष 2015 में उन्होंने जन अधिकार पार्टी (लोकतांत्रिक) का गठन किया। उद्देश्य था कि बिहार की पारंपरिक राजनीति का विकल्प प्रस्तुत करना लेकिन यह दल राज्य स्तर पर मजबूत संगठन, संसाधन और व्यापक सामाजिक गठबंधन विकसित नहीं कर सका। बिहार की राजनीति लंबे समय से जातीय समीकरण और बड़े दलों में जद(यू), राजद, भाजपा और कांग्रेस के इर्द-गिर्द घूमती रही, ऐसे में जन अधिकार पार्टी को सीमित क्षेत्रों से आगे विस्तार नहीं मिल सका, यही कारण रहा कि अंततः उन्होंने अपनी पार्टी का कांग्रेस में विलय कर दिया।

हाल के दिनों में संसद परिसर में पप्पू यादव ने विपक्षी नेताओं के साथ मिलकर सांकेतिक नाट्य-प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में वे गेरुआ वस्त्र पहनकर बैठे और राममंदिर के चंदे में कथित अनियमितताओं का मुद्दा उठाने का प्रयास किया। विपक्ष का कहना था कि यह सरकार से जवाब मांगने का प्रतीकात्मक विरोध था। वहीं, कई संतों, धार्मिक संगठनों और अन्य लोगों ने इसे सनातन का अपमान बताया तथा इस संबंध में पुलिस शिकायतें भी दर्ज कराई गईं।

सनातन धर्म और अन्य धर्मों में नैतिक प्रश्न

यह कहना कि केवल सनातन धर्म में ही चोरी या अनियमितता होती है, तथ्यात्मक रूप से सही नहीं है। किसी भी धर्म का मूल सिद्धांत नैतिकता, ईमानदारी और न्याय है लेकिन व्यवहारिक स्तर पर सभी समाज और धर्मों में कुछ व्यक्तियों द्वारा गलत कार्य किए जाने के उदाहरण मिलते हैं। चाहे वह हिंदू धार्मिक संस्थान हों, मुस्लिम वक्फ बोर्ड से जुड़े मामले हों, ईसाई मिशनरी संस्थाएँ हों या अन्य धार्मिक संगठन- वित्तीय अनियमितताओं के आरोप समय-समय पर सामने आते रहे हैं। इसलिए किसी एक धर्म को विशेष रूप से निशाना बनाकर पूरे समुदाय को दोषी ठहराना उचित नहीं माना जाता, यदि किसी धार्मिक संस्था में चंदे या दान के उपयोग को लेकर प्रश्न उठते हैं तो उनका समाधान जांच, पारदर्शिता और कानूनी प्रक्रिया के माध्यम से होना चाहिए, न कि केवल राजनीतिक प्रदर्शन के आधार पर।

सनातन धर्म की दृष्टि से विचार

सनातन धर्म में भगवा वस्त्र त्याग, तप, सेवा और आध्यात्मिक साधना का प्रतीक माना जाता है। इसलिए यदि कोई व्यक्ति धार्मिक प्रतीकों का उपयोग केवल राजनीतिक व्यंग्य या विरोध के लिए करता है तो अनेक श्रद्धालु इसे अनुचित मानते हैं। दूसरी ओर, लोकतांत्रिक व्यवस्था में शांतिपूर्ण और प्रतीकात्मक विरोध भी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का एक माध्यम माना जाता है। इसलिए यह प्रश्न केवल धार्मिक नहीं बल्कि लोकतांत्रिक मयार्दा और राजनीतिक शालीनता से भी जुड़ा है, यदि किसी प्रदर्शन से करोड़ों लोगों की धार्मिक भावनाएँ आहत होने की आशंका हो तो सार्वजनिक जीवन में संयम बरतना अधिक उपयुक्त माना जाता है। वहीं, यदि किसी पक्ष को भ्रष्टाचार या अनियमितता का आरोप लगाना हो तो उसके लिए संसद में बहस, दस्तावेज, जांच और कानूनी प्रक्रिया अधिक प्रभावी और गरिमापूर्ण माध्यम माने जाते हैं।

आपराधिक पृष्ठभूमि और राजनीतिक नैतिकता

पप्पू यादव सहित कई नेताओं के खिलाफ आपराधिक मामले रहे हैं लेकिन भारतीय संविधान के अनुसार जब तक किसी व्यक्ति को न्यायालय दोषी सिद्ध न कर दे, तब तक उसे अपराधी नहीं माना जा सकता। इसी तरह किसी भी राजनीतिक नेता को यह अधिकार है कि वह संसद में मुद्दे उठाए, बशर्ते वह संसदीय मयार्दा के भीतर हो। हालांकि राजनीतिक नैतिकता का प्रश्न अलग है। जनता अक्सर यह अपेक्षा करती है कि जनप्रतिनिधि अपने आचरण में संयम रखें, विशेषकर जब वे धार्मिक प्रतीकों या संवेदनशील मुद्दों को उठाते हैं।

जन प्रतिक्रिया

इस घटना पर लोगों की प्रतिक्रिया एक जैसी नहीं रही। कुछ विपक्ष समर्थकों ने इसे सरकार पर व्यंग्य और जवाबदेही तय करने का प्रयास बताया।

गंगा न्यायमूर्ति भुयान के लिए भले सिर्फ नदी हो, पर करोड़ों के लिए आस्था की अविरल धारा है

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

गङ्गे च यमुने चैव गोदावरी सरस्वति ।नर्मदे सिन्धु कावेरी जलेऽस्मिन् सन्निधिं कुरु॥

भारतीय घरों में प्रतिदिन उच्चारित होने वाला यह मंत्र, वस्तुतः उस सभ्यता की घोषणा है जिसने नदियों को संसाधन नहीं, माता माना, जल को पदार्थ नहीं, जीवन माना और गंगा को नदी नहीं, संस्कृति की भावधारा से जोड़ा इसीलिए जब कोई यह कहता है कि गंगा तो बहता हुआ पानी है अथवा उसके संदर्भ में सिर्फ यह तर्क देता है कि गंगा के किनारे चिकन खाने पर कोई कानून नहीं है, तब यह तर्क और विवाद किसी भोजन या गिरफ्तारी तक सीमित नहीं रह जाता, वह भारत की सांस्कृतिक चेतना और आधुनिक विधिक दृष्टि के बीच संवाद का प्रश्न बन जाता है।

सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुयान ने वाराणसी के उस प्रकरण का उल्लेख करते हुए, जिसमें गंगा तट पर चिकन बिरयानी खाकर इफ्तार करने वाले कुछ युवकों की गिरफ्तारी हुई थी, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति की रक्षा का पक्ष रखा। आप कह सकते हैं कि उन्होंने अप्रत्यक्ष रूप से यूपी सरकार में पुलिस की कार्यप्रणाली और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को इस मुद्दे पर कटघरे में खड़ा करने का प्रयास किया। हो सकता है उन्हें जो कानून के विद्यार्थी सुन रहे थे, वह उनके पद एवं प्रतिष्ठा के प्रभाव में आकर उनकी बातों को सच माल लें! किंतु इस पक्ष से जुड़ा एक सच यह भी है कि क्या भारतीय संविधान किसी की भावनाओं और आस्था से खिलवाड़ करने के लिए कोई अवसर देता है?

बेशक, लोकतंत्र में यह चिंता निश्चित रूप से महत्वपूर्ण है। किसी नागरिक की स्वतंत्रता का अनावश्यक हनन नहीं होना चाहिए, परंतु प्रश्न यह भी है कि क्या किसी पवित्र स्थल की मयार्दा को सिर्फ इस आधार पर परखा जा सकता है कि उस संबंध में कोई दंडात्मक कानून है या नहीं? इसलिए जो मर्जी आए करें! अपनी जूठन उस पवित्र जल में डालें, जिसके प्रति करोड़ों लोग आस्थावान हैं।

सोचिए, सामने से देखने पर यह दृश्य कितना खराब लगता है, जब आप शाकाहारी हों, नदी के प्रति पवित्र भाव रखते हों और उसी नदी के ऊपर कुछ लोग आकर मांसाहार करें, फिर उसके अवशेष पवित्र जल में मिला दें। यहां आप ये कृत्य कर रहे हैं और दूसरी जगह कोई उस जल को बहुत ही श्रद्धा से आचमन कर रहा है, पवित्र शुद्धिकरण मंत्र भी बोल रहा है- अपवित्रः पवित्रो वा सर्वावस्थां गतोऽपि वा। यः स्मरेत्पुण्डरीकाक्षं स बाह्याभ्यन्तरः शुचिः॥

यानी वह इस मंत्र के साथ तीन बार केशव, नारायण एवं माधव का नाम स्मरण कर उसे पी रहा हो, तब आप स्वयं विचार करें कि जो यह पवित्र जल पी रहा है, वह इस तरह के मांसाहार से जुड़े वीडियो सामने आने के बाद क्या अपना भाव उतना ही पवित्र रख सकेगा, जिस भाव से वह गंगा में पवित्रीकरण करने पहुंचा था? साथ ही इस क्रिया के अलावा अनेक श्रद्धावान अपनी बॉटल में भरकर गंगाजल को घर के मंदिर में रखने के लिए ले जाते हैं, तब क्या इस स्थिति में, इस भाव में वह जल किसी भी मंदिर में रखेजाने योग्य है? स्वभाविक है कि भारत की हिन्दू चेतना इस प्रश्न का उत्तर नहीं में देती है।

कानून समाज को चलाता है, किंतु संस्कृति समाज को जीवित रखती है

काश, हमारे न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुयान को कोई यह अवश्य बताए कि सभ्यताएँ सिर्फ संविधान की धाराओं पर नहीं टिकतीं, वे स्मृतियों, प्रतीकों और श्रद्धा पर भी खड़ी होती हैं। यदि कानून ही अंतिम सत्य होता, तो संसार में मयार्दा जैसा कोई शब्द नहीं होता। किसी न्यायालय में प्रवेश करते समय लोग स्वतः संयमित हो जाते हैं। राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान व्यक्त करते हैं। बलिदानी स्मारकों पर ऊँचे स्वर में ठहाके नहीं लगाते। इन सबके लिए हर क्षण पुलिस या दंड संहिता की आवश्यकता नहीं पड़ती।

भारत के उच्चतम न्यायालय के प्रतीक चिन्ह के नीचे ₹यतो धर्मस्ततो जयः₹ लिखा हुआ है, क्योंकि समाज सिर्फ भय से नहीं, संस्कार से भी संचालित होता है। ठीक उसी प्रकार गंगा के घाट करोड़ों लोगों के लिए मंदिर के समान पवित्र हैं। वहाँ आचरण का निर्धारण विधिक प्रावधानहीं करते हैं, यहां तो सांस्कृतिक मयार्दा भी बहुत कुछ तय करती है।

गंगा, भारत की नसों में बहती हुई सभ्यता

गंगा का इतिहास वेदों से प्रारंभ होता है। ऋग्वेद के नदी सूक्त में गंगा का स्मरण है। वाल्मीकि रामायण में वह भगीरथ की तपस्या है। महाभारत में

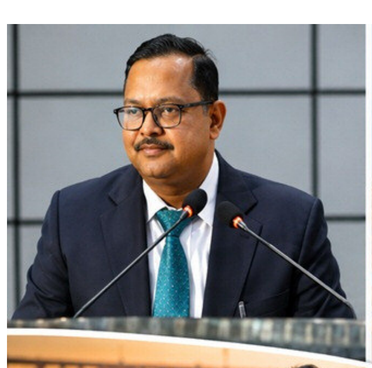

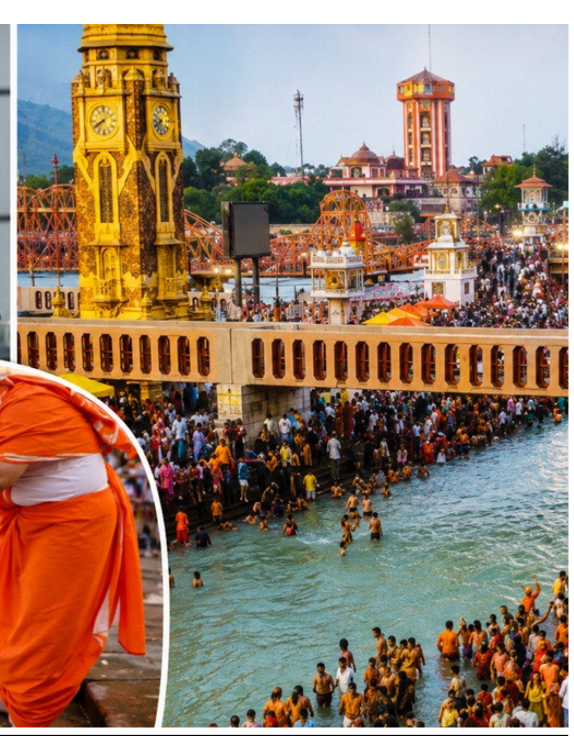

सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुयान ने वाराणसी के उस प्रकरण का उल्लेख करते हुए, जिसमें गंगा तट पर चिकन बिरयानी खाकर इफ्तार करने वाले कुछ युवकों की गिरफ्तारी हुई थी, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति की रक्षा का पक्ष रखा। आप कह सकते हैं कि उन्होंने अप्रत्यक्ष रूप से यूपी सरकार में पुलिस की कार्यप्रणाली और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को इस मुद्दे पर कटघरे में खड़ा करने का प्रयास किया।

भीष्म की माता गंगा हैं। विष्णु पुराण उन्हें विष्णुपदी कहता है। स्कंद पुराण तो स्पष्ट घोषणा ही कर देता है- गङ्गा गङ्गेति यो ब्रूयाद् योजनानां शतैरपि ।मुच्यते सर्वपापेभ्यो विष्णुलोकं स गच्छति॥

भारतीय परंपरा में गंगा जल ही वह जल है, जिसका एक पात्र हर हिन्दू घर में रखा जाता है। जन्म के संस्कार में वही गंगाजल छिड़कता है। विवाह की प्रतिज्ञा उसी के साक्ष्य में होती है। मृत्यु के समय अंतिम बूंद भी उसी की चाही जाती है। वस्तुतः जो नदी मनुष्य के जन्म से मृत्यु तक उसके साथ चलती है, उसे सिर्फ जल कहना उस भावलोक को नकार देना है, जिसमें भारत सहस्राब्दियों से साँस लेता आया है।

भगवान श्रीकृष्ण ने भी गंगा को अपनी विभूति कहा है। श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं- स्त्रोतसामस्मि जाह्नवी। (गीता 10.31) यानी कि नदियों में मैं स्वयं जाह्नवी अर्थात गंगा हूँ। निश्चित ही उनका यह कथन गंगा को दिव्यता के सर्वोच्च प्रतिमान के रूप में स्थापित करती है। फिर यदि भारतीय समाज गंगा के प्रति असाधारण श्रद्धा रखता है, तो उसका आधार हजारों वर्षों की दार्शनिक परंपरा भी है। पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू भी गंगा के सामने नतमस्तक थे, उन्होंने अपनी वसीयत में लिखा- गंगा भारत की नदी है... उससे हमारी जातीय स्मृतियाँ, हमारी आशाएँ, हमारे भय, हमारी विजय और हमारी पराजय जुड़ी हुई हैं। नेहरू स्वयं आधुनिक वैज्ञानिक सोच के पक्षधर थे, किंतु उन्होंने भी गंगा में भारतीय आत्मचेतना को देखा।भले ही फिर नेहरुजी की नीतियों एवं अन्य मामलों में कई मोर्चों पर आलोचना होती होगी, किंतु गंगा को लेकर उनका सदैव ही स्पष्ट मत रहा और उस मत से देखें तो गंगा एक पवित्र नदी है, जिसे अपवित्र करने का अधिकार किसी को नहीं दिया जा सकता है।

यदि नेहरू, विवेकानंद, शंकराचार्य, तुलसीदास, कबीर और महात्मा गांधी, सभी गंगा को भारत की सांस्कृतिक धुरी मानते हैं, तो प्रश्न उठता है कि क्या आधुनिक विधिक विमर्श में उस सांस्कृतिक सत्य के लिए पर्याप्त स्थान बचा है?

स्वतंत्रता का अधिकार और संवेदनशीलता का दायित्व

लोकतंत्र अधिकार देता है; किंतु अधिकारों के साथ उत्तरदायित्व भी जोड़ता है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अर्थ यह नहीं कि समाज की गहरी आस्थाओं की उपेक्षा कर दी जाए। संविधान नागरिक को अधिकार देता है, पर वही संविधान प्रत्येक नागरिक से यह अपेक्षा भी करता है कि वह भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का सम्मान करेगा। यही कारण है कि किसी धार्मिक स्थल पर आचरण व्यक्तिगत पसंद तक सीमित नहीं रहता है, वह सभी के हित से जुड़ा रहता है।

अब न्यायमूर्ति भुयान ने स्वयं अपने व्याख्यान में कहा कि न्यायपालिका की वास्तविक शक्ति न धन है, न तलवार, उसकी सबसे बड़ी शक्ति जनता का विश्वास है। वस्तुतः गहराई से देखें तो यही बात इस प्रसंग पर भी लागू होती है। जनता का विश्वास विधिक प्रज्ञा से बनने के साथ ही वह इस अनुभूति से भी बनता है कि न्यायपालिका समाज की संवेदनाओं को समझती है। भारतीय न्याय व्यवस्था तभी अधिक प्रतिष्ठित होगी, जब वह संविधान के अक्षर के साथ-साथ भारत की सांस्कृतिक आत्मचेतना और गौरव को भी समान सम्मान देगी।

भारत को समझे के लिए गंगा को समझना

आज की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि हम भारत को सिर्फ विधि, अर्थशास्त्र और राजनीति की कसौटी पर पढ़ने लगे हैं, जबकि भारत का वास्तविक परिचय उसकी सभ्यता में है। गंगा इस देश के लिए 2,525 किलोमीटर लंबी यात्रा पूर्ण करती है। वे हिमालय से समुद्र तक बहती हुई वह सांस्कृतिक चेतना हैं, जिसने उत्तर और दक्षिण, पूर्व और पश्चिम, भाषा और जाति, गाँव और नगर इन सभी को एक सूत्र में बाँध रखा है।

यहां समझने वाली बात यह भी है कि किसी कानून में यह नहीं लिखा कि माँ के चरण छूना अनिवार्य है, फिर भी भारतीय ऐसा करते हैं। ऐसे ही किसी भी अधिनियम में यह भी नहीं लिखा कि तिरंगे को प्रणाम करना आवश्यक है, फिर भी राष्ट्रभक्ति ऐसा करवाती है। उसी प्रकार गंगा के प्रति श्रद्धा किसी दंड संहिता से नहीं मिलती, वह तो भारतीय चेतना में स्वतः स्फुरित है।

अच्छा हो, न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुयान भारत को वास्तविक अर्थों में समझने के लिए यहां के आस्था प्रतीकों, परंपराओं का भी गहरा अध्ययन कर लेवें। निश्चित ही न्यायमूर्ति भुयान जब ऐसा कर रहे होंगे, तब उन्हें समझ आ जाएगा कि भारत सिर्फ संविधान की धाराओं से नहीं चल रहा है, उसके पीछे जो अनेक शक्तियां कार्य कर रही हैं, उनमें से एक धारा गंगा की भी है, जोकि देश के हर हिन्दू घर एवं हृदय से होकर गुजर रही है।

सिंधी काउंसिल ऑफ इंडिया की महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न

महेश मंघरानी बने उत्तर प्रदेश क्षेत्रीय अध्यक्ष

आगरा। सिंधी काउंसिल ऑफ इंडिया के तत्वावधान में शनिवार, 1 समारोह के अवसर पर एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन होटल ताज, ईस्ट गणमान्य पदाधिकारियों, सदस्यों एवं प्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति उत्तर प्रदेश क्षेत्रीय अध्यक्ष के रूप में विधिवत स्थापित किया गया। उपस्थित

अगस्त 2026 को उत्तर प्रदेश क्षेत्रीय अध्यक्ष के स्थापना (इंस्टॉलेशन) गेट रोड, आगरा में सायं 6:00 बजे किया गया। बैठक में समाज के रही। इस अवसर पर श्री महेश मंघरानी को सिंधी काउंसिल ऑफ इंडिया के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने उन्हें पुष्पगुच्छ एवं शुभकामनाओं के साथ हार्दिक बधाई देते हुए उनके सफल एवं प्रेरणादायी कार्यकाल की कामना की। बैठक के दौरान संगठन के विस्तार, समाज सेवा, युवा सशक्तिकरण, सिंधी भाषा एवं संस्कृति के संरक्षण तथा पूरे भारत में सिंधी समाज को एकजुट करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। उपस्थित सदस्यों ने संगठन को अधिक प्रभावी एवं सशक्त बनाने तथा समाजहित में निरंतर सेवा कार्यों को गति देने का सामूहिक संकल्प लिया। अपने विचार व्यक्त करते हुए वक्ताओं ने कहा कि किसी भी समाज की वास्तविक शक्ति उसकी एकता, संगठन और सेवा भावना में निहित होती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि श्री महेश मंघरानी के नेतृत्व में सिंधी काउंसिल ऑफ इंडिया की उत्तर प्रदेश इकाई नई ऊँचाइयों को प्राप्त करेगी तथा सेवा, संस्कार, संगठन और सामाजिक समरसता के माध्यम से समाज के प्रत्येक वर्ग तक सकारात्मक कार्यों का विस्तार करेगी। बैठक का समापन समाज की उन्नति, युवाओं की सहभागिता और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ।

श्री रामलीला महासंघ ने फिल्म रामायण के मेकर्स को दिया चेतावनी

श्री रामलीला महासंघ के प्रेसिडेंट श्री अर्जुन कुमार ने इस दिवाली पर देश विदेश में रिलीज हो रही रणबीर कपूर, सनी देओल यश स्टारर डायरेक्टर नितेश तिवारी की मेगा बजट फिल्म की मेगा बजट प्रभास, सैफ अली खान स्टारर फिल्म आदिपुरुष के भी कई दृश्यों पर सनातनी और रामलीला मंचन से जुडे लोगों ने कड़ा एतराज जताया था इन दृश्यों में सोने की लंका को काला भावनाओं को ठेस पहुंचा सकते है, ऐसे में श्री रामलीला महासंघ इस फिल्म को रिलीज से पूर्व विशेष शो में देखकर निश्चित करना चाहता है कि अगर फिल्म में ऐसा कोई विवादास्पद सीन

रामायण के मेकर्स को एक पत्र लिखकर मांग की है फिल्म को सिनेमा घरों में रिलीज करने से पूर्व यह फिल्म श्री रामलीला महासंघ के प्रतिनिधि मंडल को दिखाई जाएं। नितेश तिवारी ओर फिल्म की प्रोडक्शन कम्पनी को लिखे पत्र में अर्जुन कुमार ने उन्हें याद दिलाया है कि इससे पूर्व भूषण कुमार दिखाना, महाज्ञानी रावण को मंगोल लुटेरो और उनकी सेना को राक्षसों की सेना आदि कई दृश्य थे। जिसका नतीजा बाक्स आफिस पर फिल्म फ्लाप रही। अर्जुन कुमार ने पत्र में आगे कहा है कि हमें मिली अधिकृत जानकारी के अनुसार इस फिल्म में ऐसे कई दृश्य है जो देश विदेश में बसे हिन्दुओं की अथवा संवाद है तो उसे रिलीज से पहले हटा दिया जाएं उन्होंने फिल्म के मेकर्स को चेतावनी दी है कि अगर ऐसा न किया गया तो दिल्ली सहित अन्य राज्यों के उन सिनेमाघरों के बाहर हिंदू संगठनों के साथ श्री रामलीला महासंघ के हजारों की संख्या में विरोध व धरना प्रदर्शन करेंगे।

सरलता, संवेदना, नैतिकता, प्रेम और सेवा के पर्याय राजेन्द्र शुक्ल

कुछ लोग पद प्राप्त करते हैं, कुछ प्रतिष्ठा, किंतु विरले ही ऐसे होते हैं जो विश्वास अर्जित करते हैं। श्री राजेन्द्र शुक्ल ऐसे ही जननेता हैं, जिन्होंने राजनीति को सेवा, संवाद और संवेदना से जोड़ा। रीवा की धरती से आरंभ हुई उनकी सार्वजनिक यात्रा आज मध्यप्रदेश के विकास विमर्श का महत्वपूर्ण अध्याय बन चुकी है। पांच बार लगातार विधानसभा के लिए निर्वाचित होना केवल राजनीतिक सफलता नहीं, बल्कि जनता के अटूट विश्वास का प्रमाण है।

जन्म दिवस पर विशेष

राजेंद्र शुक्ल का व्यक्तित्व सादगी, स्पष्टवादिता और सहज उपलब्धता का परिचायक है। वे संवाद के माध्यम से समाधान खोजने में विश्वास रखते हैं। कार्यकर्ताओं के लिए 'राजेन्द्र भैया' व प्रशासन के लिए अनुशासन, पारदर्शिता तथा उत्तरदायित्व के पक्षधर मार्गदर्शक के रूप में उनकी पहचान बनी है। उन्होंने राजनीति और प्रशासन के बीच विश्वास का वातावरण निर्मित किया है। अपने सार्वजनिक जीवन में उन्होंने ऊर्जा, पर्यावरण, उद्योग, खनिज, आवास, जनसंपर्क सहित कई विभागों का दायित्व संभाला। उनकी कार्यशैली तात्कालिक उपलब्धियों के बजाय दीर्घकालिक परिवर्तन पर केंद्रित रही। ऊर्जा क्षेत्र में 'अटल ज्योति अभियान' तथा रीवा की सौर ऊर्जा परियोजना उनके दूरदर्शी नेतृत्व के उदाहरण हैं। उन्होंने यह भी सिद्ध किया कि विकास केवल अधोसंरचना से नहीं, बल्कि संस्कृति, इतिहास और जनभावनाओं के सम्मान से भी होता है।

शिक्षा, संस्कृति और युवाओं के विकास को उन्होंने सदैव प्राथमिकता दी। संस्कृत विश्वविद्यालय की स्थापना, शैक्षणिक संस्थानों के विकास, खेल अधोसंरचना, उद्यानों के विस्तार तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रयास उनकी व्यापक सोच को प्रतिबिंबित करते हैं। गौ-सेवा व प्रकृति संरक्षण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता भी उल्लेखनीय रही है। उनका मानना है कि किसी भी योजना की सफलता अंतिम व्यक्ति के जीवन में आए सकारात्मक परिवर्तन से मापी जानी चाहिए। यही सोच उन्हें योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और सतत समीक्षा के लिए प्रेरित करती है। वे असहमति को संवाद में बदलने, आलोचना को सुधार का अवसर मानने और जनहित को सर्वोपरि रखने के पक्षधर हैं। उनका जीवन इस तथ्य का प्रमाण है कि पद क्षणिक हो सकता है, किंतु सिद्धांत और सेवा का भाव स्थायी सम्मान दिलाते हैं।

उपमुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने विंध्य क्षेत्र के सर्वांगीण विकास को नई गति दी है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प के अनुरूप रीवा और विंध्य को नई पहचान दिलाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। प्रदेश की पहली नागरिक विमानन नीति के बाद रीवा का दिल्ली, इंदौर व रायपुर से हवाई संपर्क स्थापित हुआ, जबकि अन्य शहरों के लिए भी सेवाएं विस्तार की दिशा में हैं। सड़क, रेल और हवाई संपर्क के विस्तार से उद्योग, पर्यटन, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्रों को नई गति मिली है।

पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में वृक्षारोपण तथा सौंदर्यीकरण जैसे कार्य उल्लेखनीय हैं। राजकपूर ऑडिटोरियम व आधुनिक खेल परिसर ने विंध्य के कलाकारों एवं खिलाड़ियों को नए अवसर दिए हैं। स्वास्थ्य मंत्री के रूप में उन्होंने गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने पर विशेष बल दिया है। चिकित्सा शिक्षा का विस्तार, एमबीबीएस सीटों में वृद्धि, नए चिकित्सा संस्थानों का विकास तथा विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता बढ़ाने के प्रयास उल्लेखनीय हैं। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण तथा डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार को नई गति दी गई है। 'पीएमश्री एयर एम्बुलेंस सेवा' जैसी पहल त्वरित चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। कुल मिलाकर श्री शुक्ल का जीवन जनसेवा, सुशासन और विकास के प्रति समर्पण का प्रेरक उदाहरण है। उनके जन्मदिवस पर यही मंगलकामना है कि वे स्वस्थ और दीर्घायु रहें। उनका अनुभव प्रदेश को प्रगति और सुशासन की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाता रहे।

■ **ताहिर अली**

(लेखक जनसंपर्क के सेवानिवृत्त संयुक्त संचालक हैं)

अध्यात्म

सावन: शिव की आराधना और आध्यात्मिक चेतना का पवित्र महीना

भारतीय संस्कृति में सावन का महीना भगवान शिव की उपासना के लिए सर्वाधिक पवित्र माना गया है। वर्षा ऋतु के मध्य आने वाला यह मास प्रकृति, मानव और आध्यात्मिक चेतना के बीच गहरे संबंध का प्रतीक है। इस अवधि में शिवलिंग पर जलाभिषेक, रुद्राभिषेक, व्रत, जप तथा कांवड़ यात्रा जैसी परंपराएं केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं हैं, बल्कि आत्मसंयम, प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और सामाजिक समरसता का संदेश भी देती हैं। इसलिए सावन में शिव आराधना का महत्व केवल आस्था तक सीमित न होकर जीवन-दर्शन का भी आधार बन जाता है।

शिवजी की आराधना का आध्यात्मिक महत्व

आध्यात्मिक दृष्टि से भगवान शिव को संहारक नहीं, बल्कि परिवर्तन और कल्याण के देवता माना गया है। पुराणों के अनुसार समुद्र मंथन से निकले विष को शिव ने अपने कंठ में धारण कर संसार की रक्षा की। यह प्रसंग त्याग, धैर्य और लोकमंगल का प्रतीक है। सावन में निरंतर वर्षा के कारण प्रकृति नवीन ऊर्जा प्राप्त करती है, उसी प्रकार शिव की आराधना मनुष्य के भीतर नकारात्मक भावों का क्षय कर सकारात्मक चिंतन का विकास करती है। व्रत, ध्यान और 'ऊँ नमः शिवाय' मंत्र का जप मन को एकाग्र करता है तथा आत्मिक शांति प्रदान करता है। शिव का सरल स्वरूप यह संदेश देता है कि वास्तविक आध्यात्मिकता बाहरी आडंबर में नहीं, बल्कि सादगी, करुणा और आत्मनियंत्रण में निहित है।

शिव आराधना का वैज्ञानिक आधार

वैज्ञानिक दृष्टि से भी सावन की परंपराओं का अपना महत्व है। वर्षा ऋतु में वातावरण में आर्द्रता बढ़ने से पाचन क्षमता अपेक्षाकृत कमजोर हो जाती है। इसलिए व्रत रखने और सात्विक भोजन ग्रहण करने की परंपरा शरीर को संतुलित रखने में सहायक मानी जाती है। प्रातःकाल मंदिर तक पैदल जाना, कांवड़ यात्रा करना और ध्यान-योग जैसी गतिविधियां शारीरिक सक्रियता तथा मानसिक स्वास्थ्य को प्रोत्साहित करती हैं। जलाभिषेक के माध्यम से जल के महत्व और उसके संरक्षण का सांस्कृतिक संदेश भी मिलता है। बेलपत्र, धतूरा और अन्य औषधीय पौधों का धार्मिक उपयोग भारतीय वनस्पति ज्ञान की परंपरा को भी दर्शाता है।

आधुनिक जीवन में सावन और शिव आराधना का महत्व

आधुनिक समय में सावन और शिव आराधना का महत्व और अधिक बढ़ जाता है। तेज जीवनशैली, तनाव, प्रतिस्पर्धा और भौतिकता के बीच यह पर्व व्यक्ति को आत्मचिंतन, संयम और मानसिक संतुलन की प्रेरणा देता है। सामूहिक पूजा, भजन और धार्मिक यात्राएं सामाजिक एकता को सुदृढ़ करती हैं। साथ ही पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों के सम्मान का संदेश आज की वैश्विक चुनौतियों के संदर्भ में अत्यंत प्रासंगिक है। यदि धार्मिक उत्सवों को स्वच्छता, वृक्षारोपण और पर्यावरण-अनुकूल उपायों से जोड़ा जाए, तो उनका सामाजिक प्रभाव और भी व्यापक हो सकता है।

बारह ज्योतिर्लिंग और उनका महत्व

भारत के बारह ज्योतिर्लिंग शिव के दिव्य प्रकाश स्वरूप के प्रतीक माने जाते हैं। प्रत्येक ज्योतिर्लिंग का अपना विशेष धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व है।

- **सोमनाथ (गुजरात):** आस्था और पुनर्निर्माण का प्रतीक है।
- **मल्लिकार्जुन (आंध्रप्रदेश):** पारिवारिक समरसता और भक्ति का संदेश देता है।
- **महाकालेश्वर (उज्जैन):** समय और मृत्यु पर आध्यात्मिक विजय का प्रतीक माना जाता है।
- **ओंकारेश्वर (मध्य प्रदेश):** अद्वैत और 'ऊँ' की दिव्य शक्ति का प्रतिनिधित्व करता है।
- **केदारनाथ (उत्तराखंड):** कठिन तप, साहस और प्रकृति के प्रति श्रद्धा का केंद्र है।
- **भीमाशंकर (महाराष्ट्र):** शक्ति और धर्मरक्षा का प्रतीक है।
- **काशी विश्वनाथ (वाराणसी):** मोक्ष और ज्ञान की नगरी के रूप में प्रसिद्ध है।
- **त्र्यंबकेश्वर (महाराष्ट्र):** गोदावरी नदी के उद्गम तथा त्रिदेव की अवधारणा से जुड़ा है।
- **वैद्यनाथ (झारखंड):** आरोग्य और स्वास्थ्य के प्रतीक रूप में पूजित हैं।
- **नागेश्वर (गुजरात):** भय और विषैले विचारों पर विजय का संदेश देता है।
- **रामेश्वरम (तमिलनाडु):** भगवान राम द्वारा स्थापित माने जाने के कारण धर्म, कर्तव्य और मर्यादा का प्रतीक है।
- **घृष्णेश्वर (महाराष्ट्र):** अटूट भक्ति, समर्पण और पारिवारिक सौहार्द का प्रतिनिधित्व करता है।

भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर

ये सभी ज्योतिर्लिंग भारत की सांस्कृतिक एकता, तीर्थ परंपरा और आध्यात्मिक विरासत को एक सूत्र में पिरोते हैं। सावन में भगवान शिव की आराधना केवल धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि आध्यात्मिक उन्नति, वैज्ञानिक जीवनशैली और सामाजिक उत्तरदायित्व का समन्वित स्वरूप है। बारह ज्योतिर्लिंग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर हैं, जो विविधता में एकता, आस्था में विवेक और जीवन में संतुलन का संदेश देते हैं। आधुनिक युग में शिव का कल्याण का सिद्धांत मानवता को यह प्रेरणा देता है कि आत्मसंयम, प्रकृति के प्रति सम्मान और लोकमंगल की भावना ही सच्चे विकास का आधार है।

सावन का प्रथम सोमवार

शिव आराधना से पाएं सुख, शांति और समृद्धि

सावन का महीना भगवान शिव की आराधना, उपासना और भक्ति का सबसे पवित्र काल माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस माह में श्रद्धापूर्वक की गई शिव पूजा शीघ्र फलदायी होती है और भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। विशेष रूप से सावन के प्रत्येक सोमवार का अपना अलग महत्व है। आज सावन का प्रथम सोमवार है। ऐसे में शिवभक्तों के लिए यह दिन आध्यात्मिक ऊर्जा, आत्मशुद्धि और कल्याण का संदेश लेकर आया है। मान्यता है कि इस दिन विधि-विधान से भगवान शिव का पूजन करने से जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और सकारात्मकता का संचार होता है।

ऐसे करें प्रथम सोमवार का शुभारंभ

सावन सोमवार की शुरुआत ब्रह्ममुहूर्त या सूर्योदय से पहले उठकर स्नान करने से करें। स्वच्छ और शुद्ध वस्त्र धारण करने के बाद हाथ में जल लेकर व्रत एवं पूजा का संकल्प लें। इसके बाद घर के मंदिर अथवा निकट स्थित शिवालय में भगवान शिव की आराधना प्रारंभ करें। श्रद्धा और विश्वास के साथ किया गया संकल्प ही पूजा की सफलता का आधार माना जाता है। इस दिन मन, वचन और कर्म की पवित्रता बनाए रखना भी उतना ही आवश्यक है जितना कि पूजा की विधि।

विधि-विधान से करें शिवलिंग का अभिषेक

शिव पूजा का सबसे महत्वपूर्ण अंग अभिषेक है। सबसे पहले शिवलिंग पर शुद्ध जल अर्पित करें। इसके बाद दूध, दही, घी, शहद और शक्कर से बने पंचामृत से भगवान शिव को स्नान कराएं। पुनः स्वच्छ जल या गंगाजल से अभिषेक करें। इसके उपरांत चंदन, अक्षत, भस्म, आंकड़े के फूल, धतूरा तथा बेलपत्र की चिकनी सतह शिवलिंग की ओर रखते हुए अर्पित करें। साथ ही जनेऊ, वस्त्र, फल और मिठाई का भोग लगाएं। माना जाता है कि इन पूजन सामग्रियों से भगवान शिव अत्यंत प्रसन्न होते हैं और भक्तों पर अपनी विशेष कृपा बरसाते हैं।

सोमवार को मंत्र जाप और आरती का विशेष महत्व

पूजा के दौरान निरंतर ऊँ नमः शिवाय अथवा महामृत्युंजय मंत्र का श्रद्धापूर्वक जप करें। इसके साथ ही शिव चालीसा और सावन सोमवार व्रत कथा का पाठ या श्रवण करें। मंत्रोच्चार से मन एकाग्र होता है तथा आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव होता है। सायंकाल पुनः दीपक और धूप प्रज्ज्वलित कर भगवान शिव की आरती करें। भोग अर्पित करने के बाद प्रसाद का वितरण करें। यह केवल धार्मिक परंपरा ही नहीं, बल्कि प्रेम, सद्भाव और साझा आस्था का भी प्रतीक है।

व्रत में रखें सात्विकता और संयम

सावन सोमवार का व्रत केवल भोजन का त्याग नहीं, बल्कि आत्मसंयम और आत्मशुद्धि का अभ्यास भी है। दिनभर उपवास रखने के बाद शाम की पूजा और आरती संपन्न होने पर ही सात्विक फलाहार ग्रहण करें। दूध, मौसमी फल, साबूदाना तथा अन्य सात्विक आहार व्रत के लिए उपयुक्त माने जाते हैं। तामसिक भोजन तथा सामान्य नमक के सेवन से परहेज करना चाहिए। श्रद्धा, संयम और पूर्ण विधि-विधान के साथ किया गया यह व्रत भगवान शिव की कृपा प्राप्त करने का सशक्त माध्यम माना जाता है, जो जीवन में सुख, शांति, स्वास्थ्य और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करता है।

Frigate GreenTech Energy Pvt Ltd
Frigate
SolarTech
A SOLAR POWER SOLUTION
Onsite services with trust ..
SOLAR POWER SOLUTIONS
Efficient & reliable solar solutions for a sustainable future.
ON-SITE SERVICES
Professional installation, testing, commissioning & maintenance at your site.
TRUST & RELIABILITY
Building long-term relationships through honesty, quality & support.
CLEAN ENERGY
Reduce carbon footprint and save on energy costs.
TRUST
QUALITY
PERFORMANCE
COMMITMENT
POWERING A
BRIGHTER TOMORROW
SAVE ENERGY COST
INCREASE PROPERTY VALUE
ECO FRIENDLY SOLUTION
RELIABLE SUSTAINABLE ENERGY
OUR SOLAR POWER & ENERGY SOLUTIONS
ROOFTOP SOLAR SYSTEM
Grid-tied Rooftop Solutions for Homes, Businesses & Industries.
SOLAR PLANT INSTALLATION
On-grid, Off-grid & Hybrid Solar Power Plant Solutions.
SOLAR INVERTERS
High Performance Inverters for Maximum Energy Efficiency.
SOLAR BATTERIES & ENERGY STORAGE
Reliable Energy Storage Solutions for Uninterrupted Power Supply.
SOLAR STRUCTURE & MOUNTING
Durable & Corrosion Resistant Structures for Long Life.
OPERATION & MAINTENANCE
Comprehensive AMC & Support for Optimal Performance.
Frigate SolarTech
EXPERT ENGINEERS
QUALITY ASSURANCE
TIMELY EXECUTION
AFTER SALES SUPPORT
CUSTOMER SATISFACTION
HIGH ROI & LONG TERM SAVINGS
FOR INQUIRY PLEASE CONTACT
+ 91- 9871700893
frigategreentech@gmail.com
C-65, 4th floor DDA Shed, Okhla Industrial Area Phase 1,
New Delhi 110020, India
CLEAN ENERGY FOR A BETTER PLANET
SMART SOLAR STRONGER FUTURE
GO SOLAR GO GREEN
SUSTAINABLE TODAY BETTER TOMORROW

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

टीसीएस	2.73 प्रतिशत
एटरनल	2.72 प्रतिशत
इंफोसिस	2.26 प्रतिशत
आईटीसी	1.52 प्रतिशत
इंडिगो	1.17 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	1,44,750
बिटुर	88,730
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	2,35,770
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	96.61	93.54
पौंड स्टर्लिंग	130.20	125.60
यूरो	111.57	107.40
चीन युआन	15.03	13.30

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दडा	2862.70
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	4293.58
चीनी एम	4500-4600
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4986.64

दाल-दलहन

चना	5700-5800
दाल चना	7798.23
मसूर काली	8109.74
उड़द दाल	10982.42
मूंग दाल	10178.50
अरहर दाल	11305.20

दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सोलर ग्रोथ मार्केट बना भारत

नई दिल्ली, 2 अगस्त (एजेंसियां)। भारत में स्थापित सोलर एनर्जी क्षमता 2014 में सिर्फ 3 गीगावाट से बढ़कर 30 जून, 2026 तक 162.15 गीगावाट के स्तर पर पहुंच गई है, जो देश में रिन्यूएबल एनर्जी के क्षेत्र में आए बड़े बदलाव को दिखाता है। यह जानकारी सरकार की ओर से रविवार को दी गई।

सरकारी फैक्टशीट में कहा गया है कि देश ने 2025 में 37 गीगावाट सोलर क्षमता जोड़ी, जिससे सालाना क्षमता बढ़ोतरी के मामले में अमेरिका को पीछे छोड़ते हुए, यह दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सोलर ग्रोथ मार्केट बन गया।

सोलर सेक्टर में सबसे अहम बदलावों में से एक पिछले दशक में बिजली की दरों में आई कमी है। यह 'ई-रिवर्स ऑक्शन' सिस्टम के जरिए हुई बोली की वजह से हुआ, जिसमें कंपनियां सबसे कम दर पर बिजली आपूर्ति करने के लिए मुकाबला करती हैं। जैसे-जैसे अधिक डेवलपर्स ने हिस्सा लिया, दरें 2010 में लगभग 18 रुपए प्रति यूनिट से घटकर 2.44 रुपए प्रति यूनिट के रिकॉर्ड निचले स्तर पर आ गईं। दरों में कमी ने सोलर पावर को काफी सस्ता बना दिया है। इसके चलते, भारत दुनिया के सबसे कम लागत वाले सोलर पावर मार्केट में से एक बनकर उभरा है। 2025 में, यूटिलिटी-स्केल सोलर पीवी से बिजली की 'लेवेलाइज्ड कॉस्ट ऑफ इलेक्ट्रिसिटी' (एलसीओई) 35 डॉलर प्रति मेगावाट थी, जो 44 डॉलर प्रति

- दरों में कमी ने सोलर पावर को बना दिया काफी सस्ता
- प्रधानमंत्री सूर्य सरोवर योजना से भारत के सोलर सेक्टर को मिला बढ़ावा

मेगावाट के ग्लोबल औसत से काफी कम है।

31 जुलाई, 2026 को 'प्रधानमंत्री सूर्य सरोवर योजना' (पीएम-एसएसवाई) को मंजूरी मिलने से भारत के सोलर सेक्टर को बड़ा बढ़ावा मिला है। इस योजना का मकसद 'एनर्जी स्टोरेज सिस्टम' (ईएसएस) के साथ 5,000 मेगावाट के 'फ्लोटिंग सोलर फोटोवोल्टिक' (एफएसपीवी) प्रोजेक्ट्स को सपोर्ट करना है। कम से कम दो घंटे (10,000 मेगावाट) की स्टोरेज क्षमता वाला ईएसएस राज्यों को पीक डिमांड को मैनेज करने में और मदद करेगा। मौजूदा जलाशयों और इंडस्ट्रियल तालाबों का इस्तेमाल करके, यह योजना जमीन जैसे सीमित संसाधनों पर दबाव कम करेगी। यह इंटीग्रेटेड एनर्जी स्टोरेज के जरिए ग्रिड की विश्वसनीयता को भी बेहतर बनाएगी। 5,070 करोड़ रुपए के बजट के साथ, यह योजना वित्त वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक लागू की जाएगी।

भारत में बड़े सोलर प्रोजेक्ट्स की स्थापित क्षमता 118.79 गीगावाट है। कुछ बड़े सोलर प्रोजेक्ट्स में भादला सोलर पार्क (राजस्थान), पावगाडा सोलर पार्क और रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर पार्क शामिल हैं। इलेक्ट्रिसिटी ग्रिड से जुड़े रूफटॉप सोलर सिस्टम से 27.88 गीगावाट की क्षमता मिलती है। बाकी क्षमता हाइब्रिड सोलर प्रोजेक्ट्स और ऑफ-ग्रिड सोलर सिस्टम से आती है। हाइब्रिड प्रोजेक्ट्स में सोलर पावर के साथ बैटरी स्टोरेज या दूसरे पावर सोर्स का इस्तेमाल होता है, जबकि ऑफ-ग्रिड सिस्टम उन इलाकों में बिजली पहुंचाते हैं जो ग्रिड से नहीं जुड़े हैं। देश की कुल गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा क्षमता 283.46 गीगावाट तक पहुंच गई है, जिसमें 274.68 गीगावाट की रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता शामिल है। 29 जुलाई 2025 को, रिन्यूएबल एनर्जी सोर्स ने भारत की बिजली की 51.5 प्रतिशत मांग पूरी की है।

रिन्यूएबल एनर्जी बढ़ने से देश के पावर मिक्स में कोयले की घटी हिस्सेदारी

जुलाई में एक साल के निचले स्तर पर पहुंची

नई दिल्ली। भारत के बिजली उत्पादन में जुलाई में कोयले की हिस्सेदारी गिरकर एक साल के सबसे निचले स्तर पर आ गई। इसकी वजह रिन्यूएबल एनर्जी का उत्पादन रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचना है। यह देश की बढ़ती क्लीन-एनर्जी क्षमता को दिखाता है। सरकारी आंकड़ों से पता चला है कि जुलाई में भारत के बिजली उत्पादन में रिन्यूएबल एनर्जी की हिस्सेदारी 20 प्रतिशत थी। इस दौरान देश की बिजली खपत भी मजबूत बनी हुई थी। जुलाई में रिन्यूएबल बिजली का उत्पादन सालाना आधार पर 30 प्रतिशत बढ़कर 36.25 अरब किलोवाट-घंटे हो गया है, जो अब तक का सबसे अधिक मासिक उत्पादन है। वहीं, ग्रिड-इंडिया के प्रतिदिन डेटा के आधार पर जुलाई में देश के पावर मिक्स में कोयले का योगदान जून के 69 प्रतिशत से घटकर 65.7 प्रतिशत रह गया।

भारत का कोयला उत्पादन जुलाई में बढ़कर 69.75 मिलियन टन रहा

नई दिल्ली। भारत का कोयला उत्पादन जुलाई 2026 में सालाना आधार पर 7.51 प्रतिशत बढ़कर 69.75 मिलियन टन (प्रोविजनल) हो गया। इस वृद्धि में सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) के अधिक उत्पादन और पूरे क्षेत्र में लगातार दर्ज की गई बढ़ोतरी का अहम योगदान रहा। मंत्रालय के आधिकारिक बयान के अनुसार, जुलाई 2025 में देश का कोयला उत्पादन 64.88 मिलियन टन था। जुलाई के दौरान कोयले का डिस्पैच भी बेहतर रहा और यह सालाना आधार पर 17.34 प्रतिशत बढ़कर 86.33 मिलियन टन (प्रोविजनल) पहुंच गया, जबकि पिछले वर्ष इसी महीने यह 73.57 मिलियन टन था। मंत्रालय ने कहा कि उत्पादन और डिस्पैच में लगातार हो रही वृद्धि इस बात का प्रमाण है कि वह देश में कोयले की स्थिर आपूर्ति सुनिश्चित करने और पूरे क्षेत्र में परिचालन दक्षता बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है।

जितेंद्र सिंह ने की कठुआ में बहुउद्देशीय परियोजना की समीक्षा

नई दिल्ली, 2 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में उझ बहुउद्देशीय परियोजना की स्थिति और इसके चरणबद्ध कार्यान्वयन के रोडमैप की समीक्षा की।

रविवार को जारी अधिकारी विज्ञापन के अनुसार डॉक्टर सिंह ने शक्ति मंत्रालय के तहत भारत सरकार के उपक्रम वापकोस लिमिटेड के अधिकारियों के साथ विस्तृत बैठक की, जिसे इस परियोजना को लागू करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। डॉ. जितेंद्र सिंह ने परियोजना को तेजी से लागू करने पर जोर दिया ताकि इस रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण परियोजना का लाभ जल्द से जल्द लोगों तक पहुंच सके। उन्होंने वापकोस को गुणवत्ता, सुरक्षा और दक्षता

के उच्चतम मानकों को बनाए रखते हुए नवीन समाधानों और कार्यान्वयन रणनीतियों पर विचार करने की सलाह दी। विज्ञप्ति के अनुसार बैठक में बताया गया कि परियोजना को चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया जा रहा है। पूरी भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया के पूरा होने का इंतजार किए बिना, काम शुरू कर दिया जाएगा और साथ ही शेष भूमि का अधिग्रहण भी किया जाएगा।

आरबीआई के बयान पर रहेगी निवेशकों की नजर

मुंबई, 2 अगस्त (एजेंसियां)। बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों में रही जबरदस्त तेजी के बाद आने वाले सप्ताह में वैश्विक कारकों के साथ निवेशकों की नजर घरेलू स्तर पर रिजर्व बैंक (आरबीआई) के बयान और विनिर्माण तथा सेवा क्षेत्र के पीएमआई आंकड़ों पर रहेगी। आने वाले सप्ताह में आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति की तीन दिन की बैठक में रेपो तथा अन्य नीतिगत दरों पर फैसला किया जाएगा।

बैठक के बाद बुधवार को जारी बयान में इस फैसले की घोषणा के अलावा आर्थिक वृद्धि दर और महंगाई के अनुमान भी जारी किए जाएंगे। इसके साथ ही सोमवार को विनिर्माण क्षेत्र के और बुधवार को सेवा क्षेत्र के पीएमआई के आंकड़े जारी होने हैं। इन सबका असर भी

साप्ताहिक समीक्षा

- सेंसेक्स 2.68 प्रतिशत चढ़कर सप्ताहांत पर 78,094.64 अंक पर रहा
- निफ्टी 2.59 प्रतिशत की साप्ताहिक बढ़त में 24,383.60 अंक पर बंद

बाजार पर दखेगा। निवेशक की नजर वैश्विक कारकों पर भी होगा, विशेषकर पश्चिम एशिया संकट पर। बीते सप्ताह मंगलवार को छोड़कर अन्य चार दिन बाजार में तेजी रही। बीएसई का सेंसेक्स 2,034.87 अंक (2.68 प्रतिशत) चढ़कर 78,094.64 अंक पर बंद हुआ। एक सप्ताह पहले सूचकांक में रही 2,091 अंक की गिरावट की लगभग पूरी भरपाई हो गयी।

निफ्टी-50 सूचकांक 616.15 अंक यानी 2.59 प्रतिशत की साप्ताहिक बढ़त में 24,383.60 अंक पर पहुंच गया। वृहत बाजार में भी तेजी रही। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 2.24 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 2.46 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 25 में साप्ताहिक तेजी रही। अच्छे तिमाही परिणाम के बाद बजाज फाइनेंस का शेयर एक सप्ताह में 12.74 प्रतिशत और उसकी प्रवर्तक कंपनी बजाज फिनसर्व का 8.12 प्रतिशत उछल गया।

सार संक्षेप

बीमा कंपनी आईआईआरएम होल्डिंग्स को 150 करोड़ की मिली रणनीतिक फंडिंग

नई दिल्ली। आईआईआरएम होल्डिंग्स इंडिया लिमिटेड (बीएसई : आईआईआरएम, 526530) ने 150 करोड़ जुटाने की घोषणा की है। यह राशि इक्विटी शेयरों और पूरी तरह परिवर्तनीय वारंट के माध्यम से प्रति शेयर 143.28 के मूल्य पर जुटाई जाएगी। यह प्रस्ताव कंपनी के शेयरधारकों और अन्य आवश्यक वैधानिक एवं नियामक मंजूरियों के अधीन है। यह निवेश कार्पीडियम कैपिटल और सांशी फंड-I के नेतृत्व में किया जा रहा है। आईआईआरएम होल्डिंग्स भारत, सिंगापुर, श्रीलंका, मालदीव और केन्या में बीमा वितरण, जोखिम प्रबंधन, जोखिम सलाह, कर्मचारियों के कल्याण और संपत्ति सुरक्षा जैसी सेवाएं देने वाली कंपनियों का समूह है।

एफपीआई का निवेश जुलाई में बढ़ा

मुंबई। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने जुलाई में भारतीय पूंजी बाजार में 40,031 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश किया जो 22 महीने का उच्चतम स्तर है। शुद्ध निवेश का मतलब है कि उनका निवेश इतना बढ़ा है। यह उनके द्वारा बाजार में लगाई गई पूंजी और निकाली गई पूंजी का अंतर होता है। यह लगातार दूसरा महीना है जब एफपीआई ने भारतीय पूंजी बाजार में निवेश बढ़ाया है। जून में उनका शुद्ध निवेश 4,669 करोड़ रुपए रहा था। साथ ही सितंबर 2024 के बाद पहली बार एफपीआई ने 40 हजार करोड़ रुपए से अधिक की लिवाली की है। खास बात यह रही कि एफपीआई ने हर सिग्मेंट में पैसा लगाया है जो भारतीय बाजार के प्रति उनके विश्वास के दिखाता है। इक्विटी में उनका निवेश 20,200 करोड़ रुपए बढ़ा। डेट में उन्होंने शुद्ध रूप से 18,660 करोड़ रुपए और हाइब्रिड उपकरणों में 166 करोड़ रुपए लगाए। म्यूचुअल फंड में उनका निवेश 1,001 करोड़ रुपए रहा।

देश की शीर्ष नौ कंपनियों का मार्केटकैप बढ़ा

मुंबई। देश की शीर्ष 10 कंपनियों में से नौ का बाजार मूल्यांकन बीते हफ्ते 2.51 लाख करोड़ रुपए बढ़ा है। इसकी वजह इक्विटी बाजार में मजबूत रैली थी। 27-31 जुलाई के कारोबारी सत्र में जिन कंपनियों के मार्केटकैप में बढ़ोतरी हुई है उनमें रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), बजाज फाइनेंस, एलएंडटी, लाइफ कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एलआईसी) का नाम शामिल है। इस दौरान केवल हिंदुस्तान यूनिलीवर के ही मार्केट कैप में ही गिरावट आई। बीते सप्ताह देश की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में बजाज फाइनेंस के बाजार पूंजीकरण में सबसे बड़ी बढ़ोतरी दर्ज की गई। कंपनी का मार्केट कैप 80,345.97 करोड़ रुपए बढ़कर 7,10,817.51 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है।

भारत की जीडीपी वृद्धि दर पहली तिमाही में 7 प्रतिशत रहने का अनुमान : रिपोर्ट

नई दिल्ली, 2 अगस्त (एजेंसियां)। बेहतर होते व्यापक आर्थिक हालात के बीच वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर 7 प्रतिशत रह सकती है। यह जानकारी एक नई रिपोर्ट में दी गई। रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने अपनी पिछली तीन मौद्रिक नीति समीक्षाओं में पश्चिम एशिया में युद्ध की स्थिति को देखते हुए वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही के लिए जीडीपी वृद्धि का अनुमान 6.9 प्रतिशत से घटाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया था। एसबीआई रिसर्च ने अपनी रिपोर्ट में कहा, 'अब हमारा मानना है कि परिस्थितियां बदल चुकी हैं और पहली तिमाही की वृद्धि दर अनुमान से कहीं बेहतर रह सकती है।' दूसरी ओर, अप्रैल 2026 तक आयातित महंगाई नियंत्रित रही, क्योंकि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की ऊंची कीमतों का असर पेट्रोल और डीजल की कीमतों के माध्यम से भारतीय

बेहतर व्यापक आर्थिक स्थिति का मिलेगा फायदा

> अब हमारा मानना है कि परिस्थितियां बदल चुकी हैं और पहली तिमाही की वृद्धि दर अनुमान से कहीं बेहतर रह सकती है : एसबीआई रिसर्च

उपभोक्ताओं तक नहीं पहुंचा।

रिपोर्ट में कहा गया, 'उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित महंगाई की दिशा अगले दो तिमाहियों में 5 प्रतिशत से अधिक रह सकती है। हालांकि, पहली तिमाही में महंगाई दर 3.9 प्रतिशत रही। पूरे वित्त वर्ष 27 के लिए महंगाई का अनुमान फिलहाल 5 प्रतिशत है, जो आरबीआई के निर्धारित लक्ष्य दायरे के भीतर है। जून में धीमी शुरुआत और 40 प्रतिशत वर्षा की कमी के बावजूद जुलाई में हुई अच्छी बारिश से देशभर में कुल वर्षा की कमी घटकर लगभग 13 प्रतिशत रह गई।

रिपोर्ट के मुताबिक, बिहार और आंध्र प्रदेश जैसे कुछ खाद्यान्न उत्पादक राज्यों को छोड़कर जुलाई में लगभग सभी राज्यों में अच्छी बारिश दर्ज की गई। जुलाई खरीफ बुवाई का सबसे महत्वपूर्ण महीना माना जाता है। रिपोर्ट में कहा गया, 'भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने दक्षिण-पश्चिम मानसून के दूसरे चरण (अगस्त-सितंबर) के दौरान देश में सामान्य से कम (दीर्घकालिक औसत का 94 प्रतिशत से कम) वर्षा होने का अनुमान जताया है। इसके अतिरिक्त, जून के मध्य से एल नीनो प्रभाव शुरू हो चुका है और यह लगातार मजबूत हो रहा है। आने वाले महीनों में इसके और तीव्र होने की संभावना है। एल नीनो की मौजूदा स्थिति और इसके सामान्य जीवनचक्र को देखते हुए इसके 2027 की शरद ऋतु तक बने रहने की आशंका है। रिपोर्ट के अनुसार, फिलहाल देश के प्रमुख जलाशयों में पर्याप्त जल भंडारण उपलब्ध है। यह सामान्य स्तर के बराबर है, हालांकि पिछले वर्ष की तुलना में कुछ कम है।

संस्थागत साझेदारियों से हथकरघा क्षेत्र होगा मजबूत, बुनकर होंगे सशक्त : डॉ. बीना

नई दिल्ली, 2 अगस्त (एजेंसियां)। आईआईटी और निफ्ट जैसे प्रमुख संस्थानों की साझेदारी के माध्यम से ऐसे तकनीकी समाधान विकसित किए जा सकते हैं, जो बुनकरों की मेहनत को कम करें, पारंपरिक बुनाई प्रक्रियाओं में वैज्ञानिक सटीकता का समावेश करें और उनके आजीविका स्तर को बेहतर बनाने में मदद करें। यह बात रविवार को वस्त्र मंत्रालय के विकास आयुक्त (हथकरघा) डॉ. एम. बीना ने कही। डॉ. एम. बीना ने आईआईटी दिल्ली के फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी ट्रांसफर (एफआईटीटी) में आयोजित 'हैंडलूम हैकाथॉन 2.0' को संबोधित करते हुए भारत की समृद्ध हथकरघा विरासत और आधुनिक तकनीक के बीच पूरक संबंधों के बारे में विस्तार से बताया।

कपड़ा मंत्रालय के सहयोग से आयोजित इस हैकाथॉन में 2,500 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। देशभर से चुनी गई शीर्ष 100 टीमों के 280 प्रतिभागियों ने भारत के हथकरघा क्षेत्र के लिए प्रौद्योगिकी आधारित समाधान

- भारत की समृद्ध विरासत का प्रतीक है हथकरघा

विकसित करने में भागीदारी की।

डॉ. बीना ने कहा कि हथकरघा हमारी समृद्ध विरासत का प्रतीक है, जबकि प्रौद्योगिकी भविष्य का प्रतिनिधित्व करती है। हैंडलूम हैकाथॉन के माध्यम से हम इन दोनों क्षेत्रों को जोड़कर बुनकर समुदाय के उत्थान का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि हथकरघा स्वाभाविक रूप से टिकाऊ विकास और परिपत्र अर्थव्यवस्था (सर्कुलैरिटी) को बढ़ावा देता है। साथ ही उन्होंने करघा संचालन, डिजाइन विकास और आधुनिक विपणन के क्षेत्रों में नवाचार की आवश्यकता पर जोर दिया।

पश्चिम एशिया संकट से सार्वजनिक तेल कंपनियों को 18,150 करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली, 2 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया संकट के कारण सार्वजनिक तेल विपणन कंपनियों को चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में एकल आधार पर 18,150 करोड़ रुपए का शुद्ध नुकसान हुआ।

पश्चिम एशिया संकट की शुरुआत इस साल 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल के ईरान पर हमलों के साथ हुई थी। हमले के बाद होर्मुज जलडमरूमध्य बंद होने के कारण कच्चे तेल की कीमत अचानक बढ़ गई। इससे तेल विपणन कंपनियों की कच्चे माल की लागत बढ़ गई। देश की तीनों सार्वजनिक तेल विपणन कंपनियों को इस कारण पहली तिमाही (अप्रैल-जून 2026) के दौरान भारी नुकसान उठाना पड़ा। इंडियन ऑयल का नुकसान 2,661 करोड़ रुपए, भारत पेट्रोलियम का 3,962 करोड़ रुपए और हिंदुस्तान पेट्रोलियम का 11,526 करोड़ रुपए रहा। इस प्रकार कुल 18,150 करोड़ रुपए का शुद्ध नुकसान हुआ है।

वहीं, इस संकट के बीच बाजार में इन

कंपनियों द्वारा बेचे जाने वाले पेट्रोलियम उत्पादों जैसे पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस, पीएनजी आदि के दाम भी बढ़े। इससे इन कंपनियों के सम्मिलित परिचालन राजस्व में 24 प्रतिशत का इजाफा हुआ है।

तिमाही के दौरान इंडियन ऑयल का परिचालन राजस्व 2,75,972 करोड़ रुपए, भारत पेट्रोलियम का 1,59,479 करोड़ रुपए और हिंदुस्तान पेट्रोलियम का 1,44,531 करोड़ रुपए रहा। तीनों कंपनियों को सम्मिलित परिचालन राजस्व 5,79,982 करोड़ रुपए रहा।

9 एफटीए से पश्चिम बंगाल के चाय, मछलीपालन व हस्तशिल्प सेक्टर्स को होगा फायदा : गोयल

नई दिल्ली, 2 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हुए नौ अहम फ्री ट्रेड एग्रीमेंट्स (एफटीए) से पश्चिम बंगाल को काफी फायदा होगा। विकसित बाजारों तक बेहतर पहुंच से राज्य के निर्यात और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इन एफटीए से चाय उत्पादकों, मछुआरों, पारंपरिक हस्तशिल्प से जुड़े कारीगरों के साथ-साथ राज्य के युवाओं और महिलाओं को अधिक मौके मिलेंगे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हुए 9 अहम फ्री ट्रेड एग्रीमेंट्स से पश्चिम बंगाल को काफी फायदा होगा।

गोयल ने आगे कहा कि बाजार तक बेहतर पहुंच से चाय उत्पादकों, मछुआरों, पारंपरिक हस्तशिल्प से जुड़े कारीगरों और राज्य के

- विकसित बाजारों तक बेहतर पहुंच से राज्य के निर्यात व आर्थिक विकास को मिलेगा बढ़ावा

युवाओं व महिलाओं को लाभ होगा।

गोयल के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक बेहतर पहुंच से उत्पादन बढ़ाने, निर्यात का विस्तार करने और पश्चिम बंगाल में कई क्षेत्रों में टिकाऊ रोजगार के अवसर पैदा करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि व्यापार समझौतों से मिलने वाले लाभ राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के साथ-साथ 'विकसित भारत' के विजन को आगे बढ़ाने में योगदान देंगे। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि इससे उत्पादन बढ़ेगा, निर्यात को बढ़ावा मिलेगा और टिकाऊ रोजगार पैदा होंगे, जिससे 'विकसित भारत' का विजन आगे बढ़ेगा। इसके अतिरिक्त, इस साल की शुरुआत में राज्य सरकार के एक सूत्र ने बताया कि कम से कम 42 उद्योगपतियों ने राज्य के वाणिज्य और उद्योग मंत्री तापस रॉय से संपर्क किया है और पश्चिम बंगाल में निवेश करने की इच्छा जताई है। अधिकारी के अनुसार, मंत्री ने उन्हें इस संबंध में सहयोग का भरोसा दिलाया है। सूत्र ने आगे कहा कि राज्य विधानसभा के मौजूदा बजट सत्र के दौरान औद्योगिक क्षेत्र में निवेश से जुड़ी कई घोषणाएं की जा सकती हैं।

सत्ता में आने के बाद, सुवेंदु अधिकारी की सरकार ने कहा था कि राज्य के औद्योगिक क्षेत्र में विकास होगा और वे खुद इस मामले में दखल देंगे।

त्वचा का ख्याल रखता है फलों का राजा आम

नई दिल्ली, 2 अगस्त (एजेंसियां)। फलों के राजा 'आम' को अक्सर सिर्फ स्वाद और मिठास से जोड़कर देखा जाता है, लेकिन यह फल पोषण के मामले में भी काफी खास है। इसमें मौजूद कई विटामिन, मिनरल और प्राकृतिक तत्व शरीर के साथ-साथ त्वचा की सेहत के लिए भी उपयोगी माने जाते हैं। यही वजह है कि कई लोग आम को अपनी डाइट के साथ स्किन केयर रूटीन का हिस्सा भी बनाते हैं।

आम में मौजूद गुणों की बात करें, तो इसमें विटामिन-सी शामिल है। यह शरीर में कोलेजन बनाने की प्रक्रिया में मदद करता है। कोलेजन एक ऐसा प्रोटीन है जो त्वचा को मजबूती और लचीलापन देने में अहम भूमिका निभाता है। उम्र बढ़ने के साथ त्वचा में कोलेजन का स्तर कम होने लगता है, जिससे त्वचा में महीन रेखाएं और ढीलापन दिखाई दे सकता है। ऐसे में विटामिन-सी त्वचा की प्राकृतिक चमक बनाए रखने में मदद करता है।

आम में मौजूद विटामिन-ए भी त्वचा के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। इसमें बीटा-कैरोटीन नाम का तत्व पाया जाता है, जो शरीर में जाकर विटामिन-ए में बदल सकता है। यह त्वचा की नई कोशिकाओं के निर्माण की प्रक्रिया में मदद करता है। इससे त्वचा की मरम्मत बेहतर तरीके से होती है और रूखी या बेजान त्वचा में फर्क देखने को मिलता है। इसके अलावा, आम में विटामिन-ई भी पाया जाता है, जो त्वचा को नमी देने में मदद करता है। जिन लोगों की त्वचा ज्यादा सूखी रहती है, उनके लिए विटामिन-ई युक्त चीजें फायदेमंद होती हैं। यह त्वचा की बाहरी परत को पोषण देकर उसे मुलायम बनाए रखने में सहायता करता है।

आम में मौजूद गुणों की बात करें, तो इसमें विटामिन-सी शामिल है। यह शरीर में कोलेजन बनाने की प्रक्रिया में मदद करता है। कोलेजन एक ऐसा प्रोटीन है जो त्वचा को मजबूती और लचीलापन देने में अहम भमिका निभाता

विटामिन से भरपूर फल ऐसे बढ़ाता है चेहरे की चमक

आम में मौजूद कॉपर, पॉलीफेनोल्स और अन्य एंटीऑक्सीडेंट तत्व भी पाए जाते हैं। एंटीऑक्सीडेंट शरीर में बनने वाले फ्री रेडिकल्स से बचाव में मदद करते हैं। फ्री रेडिकल्स त्वचा पर उम्र बढ़ने के संकेतों को बढ़ाता हैं। इसलिए एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर चीजें त्वचा की देखभाल में उपयोगी मानी जाती हैं।

आम के सिर्फ गूदे में ही नहीं, बल्कि इसकी गुठली और छिलके में भी कुछ उपयोगी तत्व पाए जाते हैं। आम की गुठली से बनने वाले मैंगो बटर में फैटी एसिड होते हैं, जो त्वचा को नमी देने वाले प्रोडक्ट्स में इस्तेमाल किए जाते हैं। कई कॉस्मेटिक कंपनियां भी मैंगो बटर का उपयोग मॉइस्चराइजर और बॉडी केयर प्रोडक्ट्स में करती हैं। त्वचा की देखभाल के लिए आम का इस्तेमाल कई तरीकों से किया जाता है। आम के गूदे को दही या शहद के साथ मिलाकर फेस पैक बनाया जा सकता है। यह त्वचा को ठंडक और नमी देने में मदद करता है। वहीं, आम के गूदे में ओट्स या अन्य प्राकृतिक चीजें मिलाकर हल्का स्क्रब भी तैयार किया जाता है, जो त्वचा की मृत कोशिकाओं को हटाने में मदद करता है।

हालांकि आम के फायदे होने के साथ कुछ सावधानियां भी जरूरी हैं। आम में प्राकृतिक शुगर की मात्रा अधिक होती है। बहुत ज्यादा मात्रा में आम खाने से कुछ लोगों में त्वचा पर तेलीयपन या मुंहासों की समस्या बढ़ सकती है। खासतौर पर जिन लोगों की त्वचा पहले से ऑयली है या जिन्हें एक्ने की समस्या रहती है, उन्हें संतुलित मात्रा में ही इसका सेवन करना चाहिए। कुछ लोगों को आम के रस, छिलके या गूदे से एलर्जी भी हो सकती है। ऐसे में विशेषज्ञ की सलाह से ही इसका इस्तेमाल करें।

'खतरों के खिलाड़ी 15' की कंटेस्टेंट शगुन शर्मा ने की रोहित शेट्टी की तारीफ

बोलीं- 'स्टारडम के बाद भी जमीन से जुड़े हुए हैं'

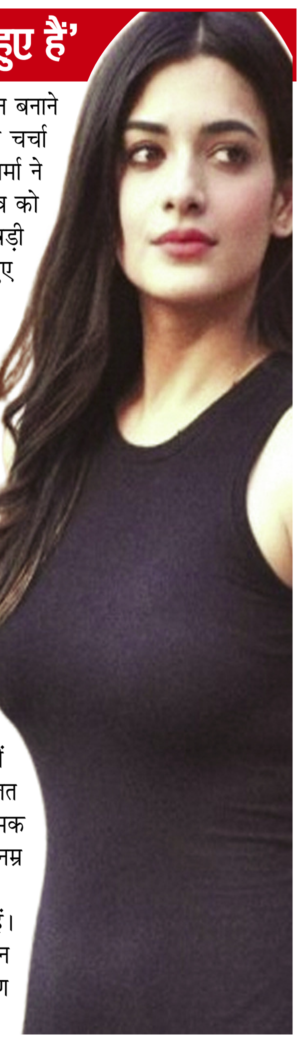

मुंबई, 2 अगस्त (एजेंसियां)। टीवी की दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाने वाला स्टंट रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 15' इन दिनों दर्शकों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। इसी बीच शो की कंटेस्टेंट और अभिनेत्री शगुन शर्मा ने होस्ट और फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी के साथ काम करने के अपने अनुभव को साझा किया है। शगुन ने रोहित शेट्टी की तारीफ करते हुए कहा कि इतनी बड़ी सफलता हासिल करने के बाद भी वह बेहद विनम्र और जमीन से जुड़े हुए इंसान हैं।

शगुन शर्मा ने कहा, 'खतरों के खिलाड़ी 15' के दौरान मुझे रोहित शेट्टी को करीब से देखने और उनसे बहुत कुछ सीखने का मौका मिला। वह सिर्फ एक बड़े निर्देशक या शो के होस्ट ही नहीं हैं, बल्कि उनका काम के प्रति जुनून और लोगों के साथ उनका व्यवहार भी बहुत प्रेरणादायक है। मैंने उनसे यह सीखा कि इंसान चाहे कितनी भी बड़ी सफलता हासिल कर ले, उसे हमेशा अपने व्यवहार में सादगी बनाए रखनी चाहिए।'

शगुन ने कहा, 'इंडस्ट्री में इतने साल काम करने के बाद और इतनी सफलता हासिल करने के बाद भी रोहित शेट्टी जमीन से जुड़े हुए हैं। वह हमारे देश के सबसे बड़े और सफल निर्देशकों में से एक हैं, लेकिन फिर भी वह बहुत विनम्र हैं। उन्हें अपने काम से बहुत प्यार है और यही चीज उन्हें खास बनाती है।'

शगुन ने आगे कहा, 'रोहित शेट्टी समय के पाबंद है। वह हमेशा हम सभी को प्रेरित करते रहते थे। शो के दौरान वह हमारे साथ हर मुश्किल चुनौतियों का सामना करते थे। उन्होंने कभी किसी तरह की परेशानी नहीं दिखाई। उनके अंदर कोई घमंड नहीं है। मैंने कभी उनको किसी के बारे में गलत बोलते या नकारात्मक रवैया अपनाते नहीं देखा। वह हर परिस्थिति में सकारात्मक रहते हैं। मुझे उनसे यही सीख मिली कि सफलता के बाद भी इंसान को विनम्र रहना चाहिए।'

'खतरों के खिलाड़ी 15' टीवी इंडस्ट्री के कई चर्चित चेहरे नजर आ रहे हैं। इसमें गौरव खन्ना, अविनाश मिश्रा, फरहाना भट्ट, अविका गौर, ओरहान अवात्रामणि (ओरी), हर्ष गुजराल, जैस्मीन भसीन, रुबीना दिलैक, करण वाही, ऋत्विक धनजानी और रुहानिका धवन शामिल हैं।

सुरभि ज्योति ने साझा किया मां बनने का अनुभव

बताया नॉर्मल डिलीवरी के लिए कैसे की थी तैयारी

मुंबई, 2 अगस्त (एजेंसियां)। 'कुबूल है' और 'नागिन' जैसे लोकप्रिय शोज से घर-घर में पहचान बनाने वाली सुरभि ज्योति हाल ही में मां बनी हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी प्रेग्नेंसी और डिलीवरी से जुड़े अनुभवों को फैंस के साथ साझा किया। उन्होंने बताया कि किस तरह उन्होंने प्रेग्नेंसी के दौरान खुद को एक्टिव रखा और नॉर्मल डिलीवरी के लिए तैयारी की।

सुरभि ज्योति ने सोशल मीडिया पर अपने फैंस के साथ बातचीत के लिए एक 'आस्क मी एनीथिंग' सेशन रखा था। इस दौरान फैंस ने उनसे उनकी प्रेग्नेंसी, मां बनने के अनुभव और डिलीवरी को लेकर कई सवाल पूछे। इसी दौरान एक सात महीने की प्रेग्नेंट महिला ने सुरभि से पूछा कि नॉर्मल डिलीवरी के लिए किस तरह की तैयारी करनी चाहिए। इसके जवाब में अभिनेत्री ने अपने अनुभव साझा किए और बताया कि उनके लिए कौन-सी चीजें मददगार साबित हुईं।

सुरभि ने कहा, 'प्रेग्नेंसी के दौरान खुद को सक्रिय रखना काफी जरूरी होता है। नियमित रूप से टहलना, स्ट्रेचिंग करना और हल्की एक्सरसाइज करना मेरे लिए फायदेमंद रहा। मैंने इस दौरान कोई मुश्किल वर्कआउट या भारी वजन उठाने वाली एक्सरसाइज नहीं की थी, बल्कि अपनी क्षमता के हिसाब से आसान गतिविधियों पर ध्यान दिया।' वहीं एक अन्य फैन ने उनसे पूछा कि आज के समय में नॉर्मल डिलीवरी कैसे हो सकती है?

'प्रेग्नेंसी के दौरान खुद को सक्रिय रखना काफी जरूरी होता है। नियमित रूप से टहलना, स्ट्रेचिंग करना और हल्की एक्सरसाइज करना मेरे लिए फायदेमंद रहा: सुरभि ज्योति

इस पर अभिनेत्री ने कहा, ''नॉर्मल डिलीवरी आज भी पूरी तरह संभव है और इसे लेकर किसी तरह का डर रखने की जरूरत नहीं है। इसका समय या आज की जिंदगी से कोई संबंध नहीं होता। मेरे आसपास भी कई ऐसी महिलाएं हैं, जिनकी नॉर्मल डिलीवरी हुई है।'' बता दें कि सुरभि ज्योति ने 13 जून 2026 को अपने पहले बच्चे का स्वागत किया था। अभिनेत्री और उनके पति सुमित सूरी के घर एक बेटी का जन्म हुआ। सुरभि ने सोशल मीडिया के जरिए इस खुशखबरी को अपने फैंस के साथ साझा किया था।

'बंटवारा 1947' के प्रमोशन के लिए पटना पहुंचे सनी देओल और बेटे करण देओल

मुंबई, 2 अगस्त (एजेंसियां)। बॉलीवुड के दमदार अभिनेता सनी देओल इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'बंटवारा 1947' को लेकर लगातार चर्चा में हैं। फिल्म देश के विभाजन की पृष्ठभूमि पर आधारित है। सनी देओल अपने बेटे करण देओल के साथ फिल्म के प्रमोशन में जुटे हुए है। फिल्म प्रमोशन की शुरुआत दोनों ने बिहार की राजधानी पटना से की।

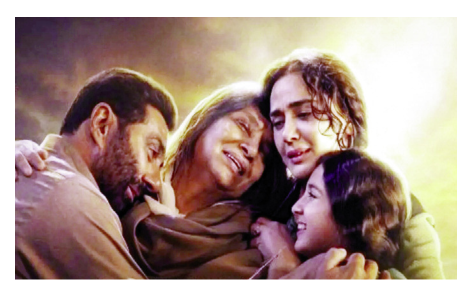

रविवार को सनी देओल और करण देओल पटना पहुंचे। दोनों को पटना एयरपोर्ट पर कैजुअल लुक में देखा गया। जैसे ही पिता-पुत्र की यह जोड़ी एयरपोर्ट से बाहर निकली, मीडिया और फैंस ने उन्हें चारों ओर से घेर लिया। दोनों ने मुस्कुराते हुए लोगों का अभिवादन किया। इस दौरान सनी देओल ने मीडिया से बातचीत भी की।

जब पत्रकारों ने सनी देओल से पूछा कि फिल्म के प्रमोशन की शुरुआत के लिए पटना को ही क्यों चुना गया, तो उन्होंने कहा, ''पटना फिल्म के प्रमोशनल सिटी टूर का पहला पड़ाव है। हमारी टीम अलग-अलग शहरों में जाकर दर्शकों से जुड़ेगी। पटना से इस सफर की शुरुआत की गई है।'' बातचीत के दौरान सनी देओल ने बताया कि 'बंटवारा 1947' पहली ऐसी फिल्म है, जिसमें वह अपने बेटे करण देओल के साथ काम कर रहे हैं। हम दोनों का एक साथ किसी फिल्म का हिस्सा बनना यादगार पल रहा। वहीं करण देओल भी इस मौके पर काफी उत्साहित नजर आए।

हाल ही में फिल्म 'बंटवारा 1947' का ट्रेलर रिलीज किया गया, जिसे दर्शकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। फिल्म उस दौर की कहानी कहती है, जब देश आजादी की ओर बढ़ रहा था, लेकिन दूसरी ओर लाखों लोग हिंसा,

'पटना फिल्म के प्रमोशनल सिटी टूर का पहला पड़ाव है। हमारी टीम अलग-अलग शहरों में जाकर दर्शकों से जुड़ेगी। पटना से इस सफर की शुरुआत की गई है': सनी देओल

डर और विस्थापन जैसी त्रासदी का सामना कर रहे थे। ट्रेलर में उस दौर की पीड़ा को दर्शाने की कोशिश की गई।

फिल्म में सनी देओल और करण देओल के अलावा शबाना आजमी, प्रीति जिंटा, अली फजल और अभिमन्यु सिंह भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। कहानी एक ऐसे परिवार के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसकी जिंदगी भारत-पाकिस्तान विभाजन के दौरान हुई हिंसा और जबरन पलायन की वजह से पूरी तरह बदल जाती है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह फिल्म असगर वजाहत के चर्चित नाटक 'जिस लाहौर नहीं वेख्या, ओ जम्याई नई'' पर आधारित है। फिल्म का निर्देशन राजकुमार संतोषी ने किया है, वहीं प्रोड्यूसर आमिर खान हैं। यह फिल्म 14 अगस्त को थिएटर में रिलीज होने वाली है।

'लॉक अप 2' से बाहर होने के बाद पामेला सेरेना ने खोले कई राज

आकांक्षा चमोला से दोस्ती और मैच-फिक्सिंग सीक्रेट पर की बात

मुंबई, 2 अगस्त (एजेंसियां)। रियलिटी शो 'लॉक अप 2' में के हालिया एलिमिनेशन राउंड में पामेला सेरेना और आकांक्षा चौधरी का सफर खत्म हो गया। शो से बाहर आने के बाद पामेला ने बातचीत में अपने पूरे सफर, शो के अंदर बने रिश्तों, कंटेस्टेंट्स के व्यवहार और अपने कुछ पुराने सीक्रेट्स को लेकर बात की। उन्होंने बताया कि भारत के रियलिटी शो में काम करने का अनुभव उनके लिए काफी अलग और सीखने वाला रहा।

पामेला ने कहा, 'यूएई और यूके में जो रियलिटी टीवी शो होते हैं, उनमें काफी हंगामा, मारपीट और बवाल देखने को मिलता है, लेकिन भारत आकर मैंने बहुत कुछ सीखा है। यहां रियलिटी शो बहुत स्ट्रैटजी के साथ खेला जाता है। आपको बहुत ध्यान रखना पड़ता है कि आप क्या कहते हैं और क्या करते हैं, क्योंकि यहां लोग काफी सेंसिटिव हैं। 'शो में अपने पसंदीदा कंटेस्टेंट्स और सबसे ज्यादा सेंसिटिव लोगों के बारे में बात करते हुए पामेला ने कहा, 'मैंने सभी को बहुत ध्यान से देखा है। हर कंटेस्टेंट में कुछ न कुछ खास है लेकिन अगर सबसे ज्यादा सेंसिटिव लोगों की बात करूं तो हर्षद और शिवांगी ऐसे हैं, जो किसी का मजाक या कमेंट आसानी से नहीं ले पाते।'

इतिहास के पन्नों में दर्ज 3 अगस्त

देश का पहला हार्ट ट्रांसप्लांट, जो अंगदान जागरूकता की बन गया मिसाल

नई दिल्ली, 2 अगस्त (एजेंसियां)। 3 अगस्त भारतीय चिकित्सा जगत के लिए बेहद खास दिन है। यही वह तारीख है, जब साल 1994 में भारत ने मेडिकल साइंस के क्षेत्र में एक ऐसा इतिहास रचा, जिसने लाखों दिल के मरीजों के लिए नई उम्मीद जगा दी। इसी दिन नई दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में देश का पहला सफल हार्ट ट्रांसप्लांट किया गया था।

1994 से पहले अगर किसी भारतीय मरीज को हार्ट ट्रांसप्लांट की जरूरत पड़ती थी, तो उसके सामने विदेश जाने के अलावा कोई विकल्प नहीं होता था। यह इलाज बेहद महंगा था और हर किसी की पहुंच से बाहर था। भारत में डॉक्टर लगातार इस दिशा में काम कर रहे थे, लेकिन कानूनी व्यवस्था और तकनीकी चुनौतियों के कारण सफलता नहीं मिल पा रही थी।

इस दिशा में सबसे बड़ा बदलाव 7 जुलाई 1994 को आया, जब मानव अंग प्रत्यारोपण अधिनियम को राष्ट्रपति की मंजूरी मिली। इस

- **1994 से पहले अगर किसी भारतीय मरीज को हार्ट ट्रांसप्लांट की जरूरत पड़ती थी, तो उसके सामने विदेश जाने के अलावा कोई विकल्प नहीं होता था। यह इलाज बेहद महंगा था और हर किसी की पहुंच से बाहर था**

कानून ने भारत में कानूनी रूप से अंगदान और अंग प्रत्यारोपण का रास्ता खोल दिया। इसके बाद डॉक्टरों की टीम ने पूरी तैयारी के साथ देश का पहला हार्ट ट्रांसप्लांट करने का फैसला किया।

3 अगस्त 1994 को एम्स दिल्ली में वरिष्ठ कार्डियक सर्जन डॉ. पी. वेणुगोपाल के नेतृत्व में करीब 20 विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने 42 वर्षीय मरीज देवी राम का सफल हार्ट ट्रांसप्लांट किया। यह ऑपरेशन अपने समय के हिसाब से बेहद जटिल माना जाता था। पूरी प्रक्रिया लगभग 59 मिनट में पूरी हुई और सर्जरी पूरी तरह सफल रही। इस सफलता ने भारतीय चिकित्सा विज्ञान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाई।

तीन दिन की शूटिंग के बाद कर दिया गया रिप्लेस

वही सुनील ग्रोवर आज हैं कॉमेडी के सुपरस्टार

मुंबई, 2 अगस्त (एजेंसियां)। जब लोग स्क्रीन पर गुत्थी की अजीबोगरीब अदाएं, डॉ. मशहूर गुलाटी का मजेदार अंदाज और रिंकू देवी जैसे किरदारों को देखते हैं, तो उनके लिए हंसी रोक पाना मुश्किल हो जाता है। सुनील ग्रोवर ने अपने हर किरदार में ऐसी जान डाली कि वह दर्शकों की यादों का हिस्सा बन गई। आज जब वह स्टेज पर आते हैं तो लोगों के चेहरे पर मुस्कान आ जाती है लेकिन इस हंसी के पीछे एक लंबा संघर्ष छिपा है। एक ऐसा दौर भी था जब उन्हें एक शो में काम करने के बाद रिप्लेस कर दिया गया था और वह खुद पर शक करने लगे थे। उन्होंने आगे चलकर अपनी मेहनत से कॉमेडी की दुनिया में खास पहचान बनाई।

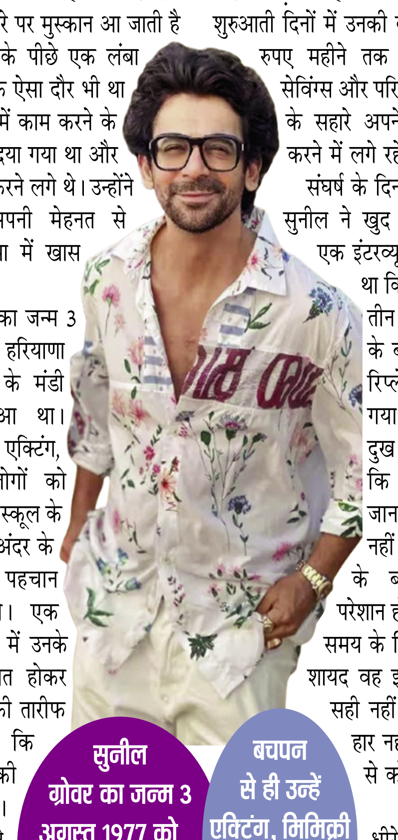

सुनील ग्रोवर का जन्म 3 अगस्त 1977 को हरियाणा के सिरसा जिले के मंडी डबवाली में हुआ

बचपन से ही उन्हें एक्टिंग, मिमिक्री और लोगों को हंसाने में रुचि थी

सुनील ग्रोवर का जन्म 3 अगस्त 1977 को हरियाणा के सिरसा जिले के मंडी डबवाली में हुआ था। बचपन से ही उन्हें एक्टिंग, मिमिक्री और लोगों को हंसाने में रुचि थी। स्कूल के दिनों में ही उनके अंदर के कलाकार को पहचान मिलने लगी थी। एक नाटक प्रतियोगिता में उनके प्रदर्शन से प्रभावित होकर चीफ गेस्ट ने उनकी तारीफ की और कहा कि उनका हुनर बाकी बच्चों से अलग है।

सुनील ने पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ से थिएटर में मास्टर डिग्री हासिल की। कॉलेज के समय ही मशहूर कॉमेडियन और व्यंग्य कलाकार जसपाल भट्टी की नजर उन पर पड़ी। जसपाल भट्टी ने उनके टैलेंट को पहचाना और उन्हें काम करने का मौका दिया। साल 1995 में सुनील ने जसपाल भट्टी के शो 'फुल टेंशन' से टीवी की दुनिया में कदम रखा।

अभिनेता बनने का सपना लेकर सुनील मुंबई पहुंचे लेकिन यहां का सफर आसान नहीं था। शुरुआत में उन्हें छोटे-छोटे काम मिले और कई बार रिजेक्शन का सामना करना पड़ा। उन्होंने बताया कि मुंबई में शुरुआती दिनों में उनकी कमाई करीब 500 रुपए महीने तक थी। वह अपनी सेविंग्स और परिवार से मिली मदद के सहारे अपने सपनों को पूरा करने में लगे रहे।

संघर्ष के दिनों का एक किस्सा सुनील ने खुद साझा किया था। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि एक शो के लिए तीन दिन शूटिंग करने के बाद उन्हें अचानक रिप्लेस कर दिया गया। सबसे ज्यादा दुख इस बात का था कि उन्हें इसकी जानकारी भी सीधे नहीं दी गई। इस घटना के बाद वह काफी परेशान हो गए थे और कुछ समय के लिए उन्हें लगा कि शायद वह इस काम के लिए सही नहीं हैं लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और फिर से कोशिश शुरू की।

सुनील ने धीरे-धीरे टीवी, रेडियो और फिल्मों में काम करना शुरू किया। वह रेडियो पर 'हंसी के फुवारे' जैसे कार्यक्रमों से भी जुड़े, जहां उनकी आवाज को लोगों ने काफी पसंद किया। फिल्मों में उनकी शुरुआत साल 1998 में अजय देवगन की फिल्म 'प्यार तो होना ही था' से हुई।

सावन के पहला सोमवार, शिवलिंग की पूजा के दौरान भूलकर भी न करें ये गलतियां

सोमवार भगवान शिव की पूजा के लिए बेहद खास माना जाता है, मान्यता है कि इस दिन सच्चे मन से भोलेनाथ की आराधना करने से मनोकामनाएं पूरी होती हैं

नई दिल्ली, 2 अगस्त (एजेंसियां)। सावन का पहला सोमवार भगवान शिव की पूजा के लिए बेहद खास माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन सच्चे मन से भोलेनाथ की आराधना करने और जलाभिषेक करने से जीवन की परेशानियां दूर होती हैं और मनोकामनाएं पूरी होती हैं। लेकिन धार्मिक मान्यताओं के अनुसार पूजा के दौरान कुछ ऐसी गलतियां हैं, जिनसे बचना बहुत जरूरी है। जानने योग बातें, भगवान शिव को कभी भी हल्दी, सिंदूर या कुमकुम नहीं चढ़ाना चाहिए। ये चीजें देवी पूजा में अधिक उपयोग की जाती हैं, जबकि शिवलिंग पर जल, दूध, दही, शहद, गंगाजल और बेलपत्र अर्पित करना शुभ माना जाता है। बेलपत्र चढ़ाते समय भी सावधानी जरूरी है। बेलपत्र तीन पत्तियों वाला, साफ और बिना टूटा हुआ होना चाहिए। कीड़े लगे, सूखे या फटे हुए बेलपत्र भगवान शिव को नहीं चढ़ाने चाहिए। साथ ही बेलपत्र की चिकनी सतह शिवलिंग की ओर रखकर अर्पित करने की परंपरा मानी जाती है।

- **भगवान शिव को कभी भी हल्दी, सिंदूर या कुमकुम नहीं चढ़ाना चाहिए**
- **पूजा के दौरान तुलसी के पत्ते भी शिवलिंग पर नहीं चढ़ाने चाहिए**
- **शिवलिंग पर जल, दूध, दही, शहद, गंगाजल और बेलपत्र अर्पित करना शुभ**

पूजा के दौरान तुलसी के पत्ते भी शिवलिंग पर नहीं चढ़ाने चाहिए। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भगवान शिव की पूजा में तुलसी का प्रयोग वर्जित माना गया है। वहीं केतकी (केवड़ा) का फूल भी भगवान शिव को अर्पित नहीं किया जाता। जलाभिषेक करते समय जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। धीरे-धीरे '? नमः शिवाय' मंत्र का जाप करते हुए श्रद्धा और शांत मन से जल चढ़ाना शुभ माना जाता है। पूजा केवल दिखावे के लिए नहीं, बल्कि पूरी आस्था और भक्ति के साथ करनी चाहिए।

अगर आप दूध से अभिषेक कर रहे हैं तो ध्यान रखें कि उसके बाद साफ जल भी जरूर चढ़ाएं। इससे शिवलिंग की शुद्धि मानी जाती है। अभिषेक में इस्तेमाल किया गया जल या दूध इधर-उधर नहीं फैलाना चाहिए और पूजा स्थल को हमेशा साफ-सुथरा रखना चाहिए। सावन सोमवार के व्रत में सात्विकता का विशेष महत्व होता है। इसलिए इस दिन क्रोध, झूठ, अपशब्द और किसी का अपमान करने से बचना चाहिए। माना जाता है कि केवल पूजा करने से नहीं, बल्कि अच्छे व्यवहार और संयम से भी भगवान शिव प्रसन्न होते हैं।

अगर मंदिर में ज्यादा भीड़ हो तो धक्का-मुक्की करने या दूसरों की पूजा में बाधा डालने से बचें। अपनी बारी आने पर शांतिपूर्वक दर्शन करें और नियमों का पालन करें।

भारतीय मतदाता संसद

भारतीय मतदाताओं का अपना संसद

जनसभा

जनसभा ही क्यों ?

जब दो बिभिन्न विचारधारा की राजनीतिक पार्टी गठबन्धन कर सरकार बना सकती हैं।

तो फिर मतदाता भी भी ऐसा क्यों नहीं कर सकता ?

करके देखें ! ऐसा करने से अच्छे जनप्रतिनिधि को भी अवसर मिलेगा ! मुठितन्त्र वाली सरकार से जनप्रतिनिधि आजाद होगा ! जनप्रतिनिधि मुठितन्त्र के लिए नही लोकतंत्र के लिए होगा ! तब बदलेगा भारत

अब भारतीय मतदाता हारेगा नही, कियोंकि अपने जनसभा संसद में बैठकर अपनी और दूसरे का विचारधारा बदलेगा, फिर एक विचारधारा बनाएगा

वर्तमान राजनीतिक व्यवस्था और जनसभा राजनीतिक व्यवस्था में अंतर

वर्तमान व्यवस्था

- किसी विशेष राजनितिक पार्टी या समर्थक के रूप में मतदाता को संगठित किया जाता है। जिस कारण मतदाता को अपना बेहतर और अनुभवी जन प्रतिनिधि के रूप में चुनने का विकल्प नही रहता इसीलिये लोकतंत्र लोकतंत्र न रहकर मुट्ठितंत्र बन जाता है।
- अधिकतर मतदाता अपना मत का अधिकार किसी विशेष पार्टी या राजनितिक के कार्यकर्ता या समर्थक के रूप में करता है जिस कारण अपने प्रतिनिधि की छवि या अनुभव महत्व नही रखता।
- भारतीय लोकतंत्र में जनता राजा है पर आज जनता नही कुछ मुट्ठी भर लोग राज कर रहे हैं।
- मुट्ठी भर लोग राज करने से जनता द्वारा चुने प्रतिनिधि का अधिकार कम हुआ।
- जनप्रतिनधि बनने के इच्छुक चुनाव के समय ही अपनी कुशलता केवल प्रचार के माध्यम से करता है। जिसमें अधिक रुपया खर्चा करना पड़ता है।
- राजनीति में धन-बल का प्रयोग ज्यादा होता है, जिससे विकास और एक समान मूल अधिकार में बाधा उत्पन होती है।

जनसभा व्यवस्था

- मतदाता मतदाता के रूप में संगठित रहेगा इसीलिये मतदाता को अपना बेहतर और अनुभवी जन प्रतिनिधि के रूप में चुनने का विकल्प रहेगा तब लोकतंत्र मुट्ठीतंत्र न बनकर लोकतंत्र रहेगा।
- अधिकतर मतदाता अपना मत का अधिकार अपने प्रतिनिधि की छवि या अनुभव के आधार पर मत का प्रयोग करेगा।
- भारतीय लोकतंत्र का जो सपना है मुट्ठी भर लोग राज नहीं आम जनता राज करे यह सपना साकार होगा।
- आम जनता का राज होने से जनता द्वारा चुने प्रतिनिधि का अधिकार बढ़ेगा।
- जनप्रतिनिधि बनने के इच्छुक को अपनी कुशलता रुपया या प्रचार के माध्यम से नही जनता की अधिक समय सेवा कर दिखाने का अवसर मिलेगा।
- राजनीति में धन-बल का प्रयोग कम होगा जिससे सभी का विकास और एक समान मूल अधिकार सबको मिलेगा।

करके देखें मुठितन्त्र से आजाद होगा हमारा जनप्रतिनिधि फिर भारत बदलेगा

आज ही शब्दवाणी समाचार के स्थाई पाठक बनकर भारतीय मतदाता का अपना संसद जनसभा के सदस्य बनें

शब्दवाणी समाचार विज्ञापन नहीं पाठकों को प्रमुख मानता है इसलिए औरों से अलग है

आज ही शब्दवाणी समाचार (हिंदी दैनिक) के स्थाई पाठक बनें, मात्र 300 रूपये मासिक पर

सम्मान के साथ मिलेगा बहुत कुछ, लेकर देखें

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्कर करें

RNI. NO.DELHIN/2003/09049 हिन्दी दैनिक
शब्दवाणी समाचार
Website : Shabdawanisamachar.page
(नई सोच, नई उम्मीद, बेहतर भविष्य, बेहतर भारत)

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में 13 स्वर्ण के साथ चौथे नंबर पर रहा भारत

39 पदकों के साथ ग्लासगो में छाया तिरंगा, भारत का यादगार अभियान

● ग्लासगो / (एजेंसी)

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 भारत के लिए शानदार उपलब्धियों से भरा रहा। स्कॉटलैंड के ग्लासगो में आयोजित खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन करते हुए कुल 39 पदक अपने नाम किए और पदक तालिका में चौथा स्थान हासिल किया। भारत के खाते में 13 स्वर्ण, 17 रजत और 9 कांस्य पदक आए। इसके साथ ही देर रात अगली बार भारत में मिलने के वादे के साथ ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स का समापन हो गया। अगले कॉमनवेल्थ गेम्स यानी 2030 में सारी दुनिया की निगाहें भारत पर होंगी, जब अहमदाबाद इन खेलों के 100वें शताब्दी वर्ष पर इसकी मेजबानी करेगा। ग्लासगो में सीमित खेलों और छोटे दल के साथ उतरे भारत ने मुक्केबाजी, वेटलिफ्टिंग, जूडो, एथलेटिक्स और पैरा खेलों में अपनी ताकत दिखाई। पदक तालिका में भारत से आगे केवल ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और कनाडा रहे।

बर्मिंघम 2022 में 61 पदक जीतने के बाद ग्लासगो में कई पारंपरिक पदक वाले खेलों के शामिल नहीं होने के बावजूद भारत ने अपनी प्रतिस्पर्धी क्षमता साबित की। मुक्केबाजी के स्वर्णिम प्रदर्शन से लेकर मीराबाई चानू की जीत, नीरज चोपड़ा की वापसी, गुलवीर सिंह की ऐतिहासिक उपलब्धि और पैरा खिलाड़ियों की सफलता तक ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स भारत के लिए कई यादगार पल लेकर आया।

पदक तालिका में ऑस्ट्रेलिया का दबदबा

राष्ट्रमंडल खेल 2026 में ऑस्ट्रेलिया ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पदक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया। ऑस्ट्रेलियाई दल ने कुल 163 पदक जीते, जिसमें 68 स्वर्ण, 41 रजत और 54 कांस्य पदक शामिल रहे। इंग्लैंड 105 पदकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा, जबकि कनाडा ने 59 पदकों के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। भारतीय खिलाड़ियों ने भी सीमित खेलों और छोटे दल के बावजूद शानदार प्रदर्शन किया। भारत ने कुल 39 पदक जीते, जिसमें 13 स्वर्ण, 17 रजत और 9 कांस्य पदक शामिल रहे। इस प्रदर्शन के साथ भारत पदक तालिका में चौथे स्थान पर रहा।

राष्ट्रमंडल खेल 2026: टॉप-10 देश

रैंक	देश	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल पदक
1	ऑस्ट्रेलिया	68	41	54	163
2	इंग्लैंड	26	43	36	105
3	कनाडा	18	20	21	59
4	भारत	13	17	9	39
5	स्कॉटलैंड	13	8	17	38
6	नाइजीरिया	10	7	7	24
7	जमैका	10	3	5	18
8	न्यूजीलैंड	8	13	9	28
9	वेल्स	8	10	12	30
10	मलेशिया	8	3	5	16

अलविदा ग्लासगो अब अहमदाबाद में मिलेंगे

ग्लासगो में भारत के नक्शे से नॉर्थ-ईस्ट गायब, लवलीना ने जताई कड़ी आपत्ति

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में टोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन ने महिला 75 किग्रा वर्ग में रजत पदक जीतकर भारत की झोली में एक और पदक डाला। फाइनल में हार के बाद लवलीना ने स्वर्ण पदक नहीं जीत पाने का अफसोस जताया, लेकिन भारतीय टीम के प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने अपना रजत पदक असम के बाढ़ पीड़ितों को समर्पित करते हुए आगामी एशियन गेम्स में गोल्ड जीतने का लक्ष्य भी दोहराया। हालांकि, बॉक्सिंग मुकाबलों के समापन के बाद ग्लासगो में एक विवाद सामने आ गया। भारतीय खिलाड़ियों को शहर के एक लोकप्रिय भारतीय रेस्टोरेंट में डिनर के लिए आमंत्रित किया गया था। इसी दौरान खिलाड़ियों की नजर टेबल पर रखे नैपकिन पर छपे भारत के नक्शे पर पड़ी, जिसमें नॉर्थ-ईस्ट का हिस्सा नहीं दिखाया गया था। असम से ताल्लुक रखने वाली लवलीना बोरगोहेन ने इस पर तत्काल आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि भारत का कोई भी हिस्सा कम महत्वपूर्ण नहीं है और देश का सही एवं पूरा नक्शा ही प्रदर्शित किया जाना

चाहिए। लवलीना ने बताया कि रेस्टोरेंट में सिर्फ नैपकिन ही नहीं, बल्कि दीवार पर लगे बड़े नक्शे में भी नॉर्थ-ईस्ट और जम्मू-कश्मीर को सही तरीके से नहीं दर्शाया गया था। उन्होंने इस पर रेस्टोरेंट प्रबंधन से सीधे बात करते हुए कहा कि भारत के नक्शे से किसी भी क्षेत्र को अलग नहीं किया जा सकता। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ के अध्यक्ष अजय सिंह ने भी लवलीना के रुख का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि रेस्टोरेंट में प्रदर्शित नक्शे में नॉर्थ-ईस्ट के साथ-साथ जम्मू-कश्मीर भी सही रूप में नहीं दिखाया गया था। उन्होंने प्रबंधन से तत्काल ऐसे सभी नैपकिन हटाने और सही नक्शे का इस्तेमाल करने की मांग की। अजय सिंह ने कहा कि विदेशों में भारतीय पहचान से जुड़े किसी भी स्थान पर ऐसी गलती स्वीकार्य नहीं है।

विरोध के बाद रेस्टोरेंट के मालिक ने स्वीकारी गलती

लवलीना के विरोध के बाद रेस्टोरेंट के मालिक ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए बताया कि यह नक्शा ब्रिटिश काल से इस्तेमाल हो रहा था। उन्होंने इस चूक के लिए माफी मांगी और जल्द ही सही नक्शा लगाने का भरोसा दिया। विवाद के अलावा लवलीना ने भारतीय मुक्केबाजों के प्रदर्शन पर संतोष जताया। उन्होंने कहा कि इस बार भारतीय बॉक्सरों ने कॉमनवेल्थ गेम्स के इतिहास का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और ग्लासगो का माहौल भी शानदार रहा।

ग्लासगो के स्टार...

स्वर्ण पदक विजेता (13 गोल्ड)

मुक्केबाजी

1. साक्षी चौधरी: महिला 51 किग्रा
2. प्रीति पवार: महिला 54 किग्रा
3. जैस्मिन लंबोरिया: महिला 57 किग्रा
4. प्रिया घंघास: महिला 60 किग्रा
5. अरुंधति चौधरी: महिला 70 किग्रा
6. सचिन सिवाच: पुरुष 60 किग्रा
7. अंकुश: पुरुष 70 किग्रा

वेटलिफ्टिंग

8. मीराबाई चानू: महिला 48 किग्रा

जूडो

9. अस्मिता डे: महिला 48 किग्रा
10. हर्ष सिंह: पुरुष 60 किग्रा

पैरा एथलेटिक्स

11. शर्मिला धनखड़: महिला शॉटपुट एफ57
12. सोमन राणा: पुरुष शॉटपुट एफ57
13. दिलीप महादू गावित: पुरुष 100 मीटर टी47

रजत पदक विजेता (17 सिल्वर)

मुक्केबाजी

1. लवलीना बोरगोहेन: महिला 75 किग्रा
2. जादूमणि सिंह: पुरुष 55 किग्रा
3. नरेंद्र बेरवाल: पुरुष +90 किग्रा

वेटलिफ्टिंग

4. ऋषिकांत सिंह: पुरुष 60 किग्रा
5. राजा मुथुपांडी: पुरुष 65 किग्रा
6. ज्ञानेश्वरी यादव: महिला 53 किग्रा
7. वी. अजया बाबू: पुरुष 79 किग्रा
8. हरजिंदर कौर: महिला 69 किग्रा
9. लवप्रीत सिंह: पुरुष 110+ किग्रा

जूडो

10. यामिनी मौर्य: महिला 57 किग्रा

एथलेटिक्स

11. नीरज चोपड़ा: पुरुष भाला फेंक
12. गुलवीर सिंह: पुरुष 10,000 मीटर
13. मुरली श्रीशंकर: पुरुष लंबी कूद
14. सरवेश कुशारे: पुरुष हाई जंप
15. प्रवीण चित्रावेल: पुरुष ट्रिपल जंप

पैरा एथलेटिक्स

16. मोहम्मद बासिल: पुरुष 100 मीटर टी47
17. शुभम जुयाल: पुरुष शॉटपुट एफ57

कांस्य पदक विजेता (9 ब्रॉन्ज)

वेटलिफ्टिंग

1. बिंद्यारानी देवी: महिला 58 किग्रा

जूडो

2. उन्नति शर्मा: महिला 63 किग्रा

एथलेटिक्स

3. यशवीर सिंह: पुरुष भाला फेंक
4. सेल्वा प्रभु: पुरुष ट्रिपल जंप
5. गुलवीर सिंह: पुरुष 5000 मीटर
6. सीमा कलीरामना: महिला डिस्कस थ्रो
7. तेजस्विन शंकर: पुरुष डेकाथलॉन

पैरा एथलेटिक्स

8. शिल्पा के. शायला: महिला शॉटपुट एफ57

पैरा पावरलिफ्टिंग

9. झंडू कुमार: पुरुष हैवीवेट

स्वदेश लौटे भारोत्तोलकों का ढोल-नगाड़ों और फूल-मालाओं के साथ भव्य स्वागत

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

चानू बोलीं- देश के लिए स्वर्ण जीतकर हो रहा है गर्व महसूस

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में देश का नाम रोशन करने के बाद भारतीय भारोत्तोलन टीम रविवार को स्वदेश लौटी।

दिल्ली एयरपोर्ट पर मीराबाई चानू और अन्य खिलाडियों का ढोल-नगाड़ों और फूल-मालाओं के साथ जोरदार स्वागत किया गया। मीराबाई चानू ने 48 किलोग्राम वर्ग में 190 किलो वजन उठाकर गोल्ड मेडल जीता। यह उनका लगातार तीसरा कॉमनवेल्थ गेम्स गोल्ड है। उन्होंने कहा कि देश के लिए स्वर्ण पदक जीतकर उन्हें गर्व और खुशी है। वहीं, 110+ किलोग्राम वर्ग में सिल्वर मेडल जीतने वाले लवप्रीत सिंह ने भी देशवासियों और भारतीय नौसेना का समर्थन के लिए धन्यवाद किया।

17 साल की तन्वी ने जीता ताइपे ओपन

साइना के बाद यह खिताब जीतने वाली दूसरी भारतीय

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

भारत की युवा बैडमिंटन स्टार तन्वी शर्मा ने ताइपे ओपन 2026 महिला एकल खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। 17 साल की तन्वी ने फाइनल में वियतनाम की थुई लिन्ह गुयेन को सीधे गेमों में 21-16, 21-16 से हराकर अपना पहला बीडब्ल्यूएफ सुपर-300 खिताब जीता।

इस जीत के साथ तन्वी, साइना नेहवाल के बाद ताइपे ओपन महिला एकल खिताब जीतने वाली दूसरी भारतीय खिलाड़ी बन गईं। साइना ने 2008 में यह उपलब्धि हासिल की थी। पंजाब की रहने वाली तन्वी पहले भी कई बड़ी उपलब्धियां हासिल कर चुकी हैं। वह विश्व जूनियर रैंकिंग में नंबर-1 रह चुकी हैं और जूनियर चैंपियनशिप में भारत के लिए पदक जीत चुकी हैं। जीत के बाद तन्वी ने अपना गोल्ड मेडल कोच पार्क ताए-सांग को पहनाकर उनका सम्मान किया। उनके इस भावुक अंदाज की सोशल मीडिया पर जमकर तारीफ हो रही है।

एशिया कप के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम का ऐलान

नई दिल्ली, आरएनएन। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आगामी महिला एशिया कप 2026 के लिए रविवार को 15 सदस्यीय भारतीय टीम का ऐलान कर दिया है। इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट में भारतीय टीम की कमान एक बार फिर अनुभवी ऑलराउंडर हरमनप्रीत कौर के हाथों में सौंपी गई है। हाल ही में संपन्न हुए आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहने के बाद हरमनप्रीत की कप्तानी पर सवाल खड़े हो रहे थे लेकिन चयनकर्ताओं ने पंजाब की इस धाकड़ बल्लेबाज पर अपना भरोसा बरकरार रखा है।

हरमनप्रीत को कमान, स्मृति मंधाना होंगी उपकप्तान

टीम की उपकप्तानी का जिम्मा बाएं हाथ की ओपनिंग बल्लेबाज स्मृति मंधाना संभालेंगी। घोषित की गई 15 सदस्यीय टीम में शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर) जैसे स्थापित चेहरों के साथ-साथ युवा प्रतिभाओं को भी जगह दी गई है।

भारतीय टीम: हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, भारती फुलमाली, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी. कमलिनी (विकेटकीपर), अरुंधति रेड्डी, प्रेमा रावत, राधा यादव, श्री चरणी, रेणुका ठाकुर, नंदनी शर्मा, क्रांति गौड़। **रिजर्व खिलाड़ी:** प्रतिका रावल, उमा छेत्री, वैष्णवी शर्मा, सायली सतघारे, मिन्नू मणी।

अगर मैं यह ऑटोग्राफ लेकर घर नहीं गया तो बेटी मुझे घर में घुसने नहीं देगी

रवि शास्त्री ने जूड बेलिंगहैम से लिया खास ऑटोग्राफ

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

द हंड्रेड टूर्नामेंट के दौरान क्रिकेट कमेंटेटर रवि शास्त्री की मुलाकात इंग्लैंड और रियल मैड्रिड के स्टार फुटबॉलर जूड बेलिंगहैम से हुई। इस दौरान बेलिंगहैम ने शास्त्री को अपनी ऑटोग्राफ वाली कैप गिफ्ट की।

कैप मिलने के बाद शास्त्री ने मजाकिया अंदाज में कहा, यह ऑटोग्राफ मेरी बेटी के लिए है, अगर मैं इसे लेकर घर नहीं गया तो वह मुझे घर में घुसने नहीं देगी। उनका यह बयान सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

शास्त्री ने बेलिंगहैम के साथ तस्वीर भी साझा की और उनकी जमकर तारीफ की। उन्होंने बेलिंगहैम को शानदार खिलाड़ी बताते हुए नए सीजन के लिए शुभकामनाएं दीं।

श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में पंड्या ने मुंडवाया सिर

साथ में गर्लफ्रेंड माहिका शर्मा भी आईं नजर

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

भारतीय क्रिकेटर हार्दिक पंड्या रविवार को आंध्र प्रदेश के तिरुमला स्थित श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर पहुंचे। उनके साथ कथित गर्लफ्रेंड माहिका शर्मा भी नजर आईं। दोनों ने सुबह की सुप्रभातम सेवा में हिस्सा लेकर भगवान के दर्शन किए।

मंदिर में हार्दिक सफेद कुर्ता-पायजामा पहने और सिर मुंडवाए हुए नजर आए। उन्होंने माथे पर तिलक भी लगाया था। माहिका भी पारंपरिक पोशाक में दिखाई दीं। दोनों की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। चोट के कारण

क्रिकेट से दूर चल रहे हार्दिक जल्द ही टीम इंडिया में वापसी कर सकते हैं। उन्होंने फिटनेस टेस्ट और रिटर्न-टू-प्ले प्रोटोकॉल पूरा कर लिया है। फैंस इसे उनके नए क्रिकेट सफर की आध्यात्मिक शुरुआत मानते हुए शुभकामनाएं दे रहे हैं।

अंडर-14 में सेंट थेरेसा गर्ल्स स्कूल चैंपियन

एलएनसीटी वर्ल्ड स्कूल सीबीएसई क्लस्टर-12 बास्केटबॉल स्पर्धा

● भोपाल / (एजेंसी)

एलएनसीटी वर्ल्ड स्कूल में आयोजित सीबीएसई क्लस्टर-12 बालिका बास्केटबॉल प्रतियोगिता-2026 का रविवार को समापन हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूनम चौकसे, चेयरपर्सन, जेएनसीटी प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, वाइस चेयरपर्सन, एलएनसीटी ग्रुप एवं चांसलर, एलएनसीटी विद्यापीठ विश्वविद्यालय, इंदौर मौजूद रहीं।

पांच दिनों तक चली इस प्रतियोगिता में 84 टीमों की लगभग 830 बालिका खिलाड़ियों ने भाग लिया। समापन समारोह में विजेता टीमों को ट्रॉफी, पदक एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। अंडर-14 वर्ग में सेंट थेरेसा गर्ल्स स्कूल, भोपाल, अंडर-17 में द सिसुकुंज इंटरनेशनल स्कूल, इंदौर तथा अंडर-19 में आईटीएम ग्लोबल स्कूल, ग्वालियर ने विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया।

पूनम चौकसे ने आयोजन को सराहा

मुख्य अतिथि पूनम चौकसे ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए खेलों को अनुशासन, नेतृत्व और व्यक्तित्व विकास का सशक्त माध्यम बताया तथा एलएनसीटी वर्ल्ड स्कूल द्वारा किए गए उत्कृष्ट आयोजन की सराहना की। विद्यालय के प्राचार्य चेतन्य सक्सेना ने सभी अतिथियों, सीबीएसई ऑब्जर्वर अनुराग हरड़िया, तकनीकी डेलीगेट कपिल भट्ट, अधिकारियों, रेफरी, कोच, आयोजन समिति एवं सहयोगी सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

बारिश का सीजन में फ्रिज में रखते ही जहर बन जाएंगी ये सब्जियां

बरसात के मौसम में हेल्दी रहने के लिए खान-पान का खास ख्याल रखना होता है। छिले हुए लहसुन को फ्रीज करने से यह गल जाता है। शहद को रेफ्रिजरेट करने से यह बेस्वाद हो जाता है। 24 घंटे से ज्यादा समय तक चावल को फ्रिज में रखने के बाद खाने से फूड पॉइजनिंग हो सकती है। आइए जानते हैं ऐसी कौन-कौन सी सब्जियां हैं, जिन्हें फ्रिज में नहीं रखना चाहिए।

आमतौर पर हम खाने-पीने की हर चीज को फ्रिज में रख देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि हर एक चीज फ्रिज में रखने लायक नहीं होती है। कई ऐसी चीजें हैं जिन्हें अगर हम फ्रिज में रखते हैं तो उनके रंग, सुगंध और स्वाद में कमी आ जाती है। आयुर्वेदिक डाइट एक्सपर्ट डॉ. डिंपल जांगड़ा यहां बता रही हैं कि वो कौन सी सब्जियां हैं जो फ्रिज में रखने पर जहरीली हो सकती हैं।

अदरक

अदरक को फ्रिज में रखने से भी उसमें जल्दी फफूंदी लग जाती है और यह किडनी और लिवर फेल होने का कारण बन सकता है। इसलिए अदरक को भी फ्रिज में नहीं रखना चाहिए। अदरक एक बहुत ही पौष्टिक औषधि है। ऐसा कहा जाता है कि अदरक खाने से अपच, कब्ज और पेट फूलने जैसी समस्याओं से राहत मिलती है। यह एंटीऑक्सीडेंट से भी भरपूर होता है।

लहसुन

लहसुन को छीलकर फिज में नहीं रखना चाहिए, क्योंकि इसमें जल्दी फफूंदी लग जाती है और फफूंदी लगे लहसुन के सेवन से कैंसर का खतरा बढ़ सकता है। फ्रिज में रखने से लहसुन के तेल भी खत्म हो जाते हैं, जिससे इसका स्वाद भी खराब हो जाता है। इसलिए लहसुन को हमेशा बिना छिले ही खरीदें और इस्तेमाल से पहले ही छीलें। इसे फ्रिज में रखने के बजाय बाहर ही रखें।

प्याज

अक्सर लोग आधा प्याज काटकर बाकी आधा फ्रिज में रख देते हैं, ऐसा नहीं करना चाहिए। ऐसा करने से आसपास के वातावरण के सभी हानिकारक बैक्टीरिया प्याज में चले जाते हैं और उसमें फफूंदी लग जाती है। जब घर में कोई बीमार होता है तो हम अक्सर एक प्याज काटकर कमरे के कोने में रख देते हैं ताकि वातावरण में मौजूद सभी हानिकारक बैक्टीरिया उसमें समा जाएं।

आलू-शिमला

आलू को फ्रिज में रखने से उसका टेक्सचर और स्वाद खराब हो जाता है। इसे पेपर बैग में लपेटकर कमरे के तापमान पर स्टोर करना बेहतर होता है। फ्रिज में रखने से शिमला मिर्च भी मुलायम हो जाती है और इसका स्वाद भी खराब हो जाता है। इसे भी कमरे के तापमान पर ही स्टोर करना चाहिए।

लिवर की बीमारी होने से पहले स्किन पर दिखते हैं ये लक्षण

अगर आपकी स्किन पर इसमें से कोई संकेत दिख रहे हैं तो ये जरूरी है कि आप पहले अपने डॉक्टर से संपर्क करें। लिवर की बीमारी होने से पहले स्किन पर ये लक्षण दिखते हैं।

हमारी स्किन कई बार हमें आने वाले खतरे का इशारा कर देती है। कुछ बीमारियां खासतौर पर स्किन के जरिए दिखती हैं। उदाहरण के तौर पर जब पीलिया या जॉइन्डिस होता है तो स्किन पीली होने लगती है। इसका सीधा सा संकेत है कि लिवर में पित्त बहुत ज्यादा बन गया है और स्किन पर इसका असर दिखने लगता है। पीलिया होते ही हम डॉक्टर के पास जाकर ट्रीटमेंट शुरू करवाते हैं। पर क्या आप जानते हैं कि लिवर की बीमारी होने से पहले स्किन पर और भी संकेत मिलते हैं। लिवर की अलग-अलग कंडीशन होने पर स्किन हमें संकेत देती है कि अब टेस्ट करवाने की जरूरत है।

लिवर की बीमारी में स्किन में शुरू हो जाती है खुजली

आपका लिवर डैमेज हो रहा है इसका एक लक्षण खून में पित्त का बनना भी हो सकता है। ऐसा होने पर स्किन में खुजली शुरू हो जाती है। जब पित्त का डक्ट ब्लॉक होता है तो पित्त धीरे-धीरे खून में मिलने लगता है और स्किन के निचले हिस्से पर इकट्ठा हो जाता है। यही कारण है कि स्किन में खुजली होने लगती है और आपको थोड़ी असहजता होती है।

शरीर पर पड़ते हैं नीले चकत्ते या होती है ब्लीडिंग

लिवर के डैमेज होने के कुछ सबसे पहले लक्षणों में से एक है शरीर में जगह-जगह नील पड़ जाना

और बहुत आसानी से खून निकल आना। ये लक्षण कहते हैं कि आपका लिवर स्वस्थ नहीं है और ब्लड क्लॉटिंग रोकने के लिए जिन प्रोटीन्स की जरूरत होती है वो लिवर में सही मात्रा में नहीं बन रहे हैं।

स्पाइडर एंजियोमास का बनना

स्किन पर दिखने वाले कई लक्षणों में से एक है स्पाइडर एंजियोमास का दिखना। ये छोटी-छोटी कोशिकाएं होती हैं जो मकड़ी के जालों की तरह दिखती हैं। ये भी स्किन के निचले हिस्से में होती हैं और जब शरीर में एस्ट्रोजन लेवल बढ़ता है तो ये दिखने लगती हैं। अगर ये दिखती हैं इसका मतलब लिवर ठीक तरह से काम नहीं कर रहा है और आपके हार्मोन्स मेटाबोलाइज्ड नहीं हो रहे हैं।

मुंह से बहुत बदबू आना

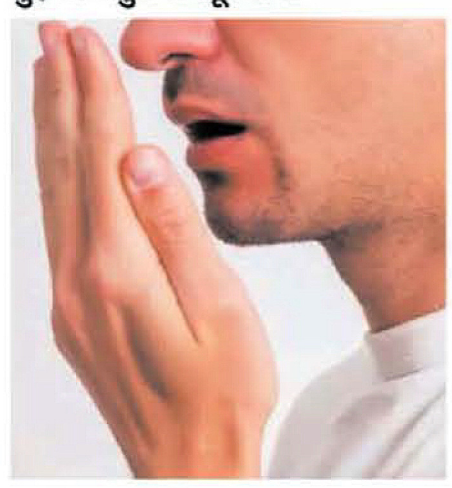

मुंह से बहुत बदबू आना भी इस बात का लक्षण है कि आपका लिवर सही तरह से काम नहीं कर रहा है। dimethyl sulfide का हाई लेवल इस बात की ओर इशारा करता है कि आपको लिवर सिरोसिस हो रहा है और इससे फ्रूटी, सड़ी हुई बदबू आपके मुंह से आती है। लिवर डैमेज के द्वारा मुंह की दुर्गंध को Fetor hepaticus कहा जाता है।

चेहरे पर हाइपरपिगमेंटेशन

अगर आपके चेहरे पर एकदम से झाइयां और हाइपरपिगमेंटेशन होने लगा है तो ये भी लिवर डैमेज का एक लक्षण हो सकता है। जब लिवर ठीक से काम नहीं करता है तो शरीर में एस्ट्रोजेन का स्तर बढ़ जाता है। ऐसे में tyrosinase नामक एक एन्जाइम शरीर में बढ़ता है जिसमें कॉपर होता है। ये मेलानिन का प्रोडक्शन बढ़ाता है और इससे पिगमेंटेशन की समस्या होती है।

हथेलियों पर होती है खुजली, जलन और लालिमा

लिवर डैमेज का एक और लक्षण ये होता है कि आपकी हथेलियों में लालिमा, जलन, खुजली बहुत ज्यादा बढ़ जाती है। ये शरीर में असमान्य हार्मोन लेवल्स के कारण होता है।

अगर आपको कोई भी अलग लक्षण अपनी स्किन पर दिख रहा है तो एक बार अपने डॉक्टर से चेक करवा लेना जरूरी है। हो सकता है ये लिवर के कारण नहीं बल्कि किसी और कारण से हो रहा हो, लेकिन स्किन पर अक्सर इसके लक्षण दिखने लगते हैं। रेगुलर चेकअप किसी गंभीर समस्या से बचा सकता है और आपको ऐसा कुछ भी होने पर हमेशा मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह लेनी चाहिए जो आपको विस्तार से इसके बारे में बताएगा।

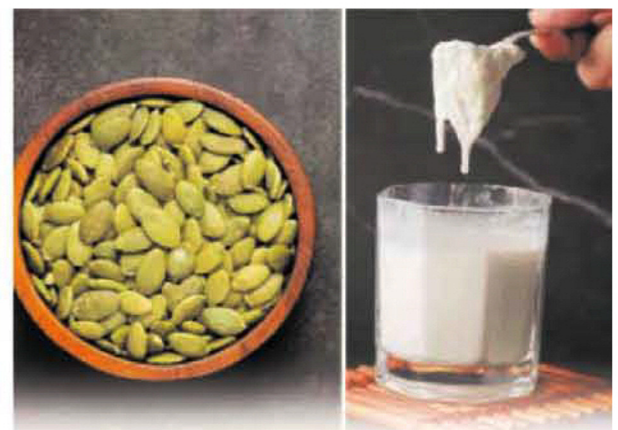

बरसात में शरीर को ले डूबेगी ज़िंक की कमी, आता-जाता इंफेक्शन कर देगा बुरा हाल

इस मानसून कद्दू के बीज, ओट्स, फलियां, डेयरी उत्पाद और डार्क चॉकलेट जरूर खाएं। ये फूड जिंक से भरपूर हैं और इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने का काम करते हैं। जिंक इम्यून सेल्स को संक्रमण से लड़ने में मदद करता है।

ज़िंक एक ज़रूरी मिनरल है जो हेल्दी इम्यून सिस्टम के लिए ज़रूरी है। यह इंफेक्शन से लड़ने में अहम रोल निभाता है क्योंकि यह इम्यून सेल्स के विकास और काम में मदद करता है। इस मानसून के मौसम में अपनी डाइट में ज़िंक से भरपूर फ़ूड्स को शामिल करके अपनी इम्यूनिटी को बढ़ावा दे सकते हैं। क्योंकि इस समय कीटाणु और वायरस तेज़ी से बढ़ते हैं।

इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए क्या करें

ये 5 फ़ूड्स ज़िंक से भरपूर होते हैं जो प्रतिदिन ज़िंक की रोज़ाना की ज़रूरतों को पूरा कर सकते हैं। पुरुषों को रोजाना 11

कद्दू के बीज

30 ग्राम कद्दू के बीज में लगभग 2.2 मि.ग्रा. ज़िंक होता है। इन्हें सलाद पर छिड़कें, अपनी सुबह के ओट्स में शामिल करें या नाश्ते के रूप में खा सकते हैं। ये बीज प्रोस्टेट हेल्थ को सपोर्ट कर सकते हैं और यहां तक कि अपने उच्च ज़िंक कंटेंट और अन्य लाभकारी पोषक तत्वों के कारण डायबिटीज को मैनेज करने में भी मदद कर सकते हैं।

फलियां

छोले, दाल और बीन्स जैसी फलियां ज़िंक से भरपूर होती हैं। 100 ग्राम पकी हुई दाल में पुरुषों के लिए रोजाना का 12% और महिलाओं के लिए 16% जिंक होता है। फलियां फाइबर, प्रोटीन और विभिन्न विटामिन और खनिजों से भी भरपूर होती हैं, जो उन्हें बैलेंस्ड डाइट बनाता है। फलियों के नियमित सेवन से पाचन स्वास्थ्य बेहतर होता है और क्रॉनिक डिजीज का खतरा कम होता है।

ओट्स

ओट्स ज़िंक का एक और बेहतरीन सोर्स हैं, जो पानी में पकाए जाने पर एक कप में लगभग 2.3 मि.ग्रा. प्रदान करते हैं। ये न केवल ज़िंक से भरपूर होते हैं बल्कि फाइबर से भी भरपूर होते हैं, जो पाचन स्वास्थ्य को सपोर्ट करता है।

डेयरी प्रॉडक्ट

शोध के मुताबिक पनीर और दूध जैसे डेयरी प्रोडक्ट्स बायोअवेलेबल ज़िंक के जाने-माने स्रोत हैं, जिसका अर्थ है कि हमारा शरीर इन वस्तुओं में मौजूद अधिकांश ज़िंक को अवशोषित कर सकता है। एक कप फुल क्रीम दूध में पुरुषों के लिए दैनिक आवश्यकता का 9% और महिलाओं के लिए 13% जिंक होता है। डेयरी प्रोडक्ट्स कैल्शियम और विटामिन डी भी प्रदान करते हैं, जो हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण हैं।

डार्क चॉकलेट

मीठा पसंद करने वालों के लिए, डार्क चॉकलेट ज़िंक की मात्रा को बढ़ावा देने का एक स्वादिष्ट तरीका है। 70%-85% डार्क चॉकलेट के 100 ग्राम बार में 3.31 मि.ग्रा. ज़िंक होता है। डार्क चॉकलेट ज़िंक और एंटीऑक्सिडेंट से भरपूर होती है मगर यह कैलोरी और शुगर में भी अधिक होती है, इसलिए इसका सेवन कम मात्रा में करना चाहिए।

बच्चों की इम्युनिटी होती है कमजोर, बारिश के मौसम में वायरल होने की बढ़ जाती है आशंका

बरसात के दिनों अक्सर मच्छरों से होने वाली बीमारियां भी काफी बढ़ जाती हैं। सिर्फ गर्मी ही नहीं, बरसात में भी शरीर में पानी की कमी हो सकती है। ऐसे में इससे बचने के लिए हाइड्रेड रहना बेहद जरूरी है। अपने बच्चों की इम्युनिटी मजबूत करने के लिए उन्हें हेल्दी डाइट दें।

वर्षा के चलते कई जगहों पर जलभराव और गंदगी होने से मच्छर और खतरनाक बैक्टीरिया जन्म ले लेते हैं। पानी और हवा के जरिए ये बैक्टीरिया खाने और शरीर तक पहुंचते हैं। हम बुखार व फ्लू जैसी बीमारियों की जकड़ में आ जाते हैं, लेकिन अगर थोड़ी सावधानी बरती जाए, तो इन बीमारियों से बचा जा सकता है। चूंकि बच्चों की इम्युनिटी कमजोर होती है, तो इस वायरल की चपेट में वह जल्दी आ जाते हैं। मौसम बदलने के साथ ही वायरल बुखार की शुरुआत हो चुकी है।

बासा खाना बिल्कुल भी न दें

काफी संख्या में बच्चे ओपीडी में पहुंच रहे हैं। इस वायरल से बचने का तरीका यही है कि बच्चे खाने से पहले हाथ धो लें। पेरेंट्स बच्चों को डाइट अच्छी दें। ताजा खाना और ताजे फल ही खिलाएं। बाहर का खाना खाने से बचें और बासा खाना बिल्कुल भी न दें। फिर भी यदि आपका बच्चा वायरल की चपेट में आ जाता है तो अच्छे डॉक्टर को दिखाएं और प्रॉपर दवा लें। यदि आपके घर में दूसरा बच्चा भी है, तो उसके साथ प्रिकोशन रखें, वरना वह भी वायरल की चपेट में आ सकता है।

आसपास पानी का भराव न होने दें

वायरल के दौरान पौष्टिक चीजें ही बच्चे को दें। ठंडा और खट्टा देने से बचें। बच्चे का टॉवेल और हैंकी अलग कर दें। आने वाले समय में मच्छर से होने वाले मलेरिया, डेंगू के केस भी बढ़ेंगे। इसके लिए जरूरी है कि अपने आसपास पानी का भराव न होने दें। जहां तक हो सके बच्चों को फुल बांह के कपड़े पहनाएं।

डिमेंशिया के जोखिम को कम करती हैं सरल दैनिक आदतें

एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर आप स्मार्टफोन और गूगल को समय देने के बजाय सरल दैनिक आदतों की ओर ध्यान दें तो यह आपके मस्तिष्क को स्वस्थ रखने के साथ मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के जोखिम को भी कम कर सकता है। वाटरलू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर ने अपनी नई पुस्तक आईमाइंड- आर्टिफिशियल एंड रियल इंटेलिजेंस में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की तुलना में सरल दैनिक आदतों पर ध्यान देने को कहा है। उन्होंने कहा है कि लोगों का फोकस सेल्फ लर्निंग से हटकर गूगल पर निर्भर हो गया है, जिसके गंभीर दूरगामी परिणाम हो सकते है। उन्होंने अपनी किताब आईमाइंड में कहा है कि कोई भी चीज मानव मस्तिष्क-मन की क्षमता, भंडारण, दीर्घायु, ऊर्जा दक्षता या आत्म उपचार क्षमताओं की नकल नहीं कर सकती। वर्तमान स्मार्टफोन की उपयोगी जीवन प्रत्याशा लगभग 10 वर्ष है। जबकि एक स्वस्थ मानव शरीर के अंदर एक स्वस्थ मस्तिष्क-मन 100 वर्ष या उससे अधिक समय तक जीवित रह सकता है। स्मार्ट डिवाइस तेजी से अपनी जगह बना रहे हैं, लेकिन वह मानव मस्तिष्क की भंडारण क्षमता या स्व-उपचार क्षमताओं की नकल कभी नहीं कर सकते। इस किताब में मनोभ्रंश के कारण होने वाले व्यक्तिगत नुकसान के बारे में बात की गई है। उन्होंने मस्तिष्क की दीर्घकालिक क्षमता की तुलना स्मार्टफोन के सीमित जीवनकाल से करते हुए कहा कि यदि स्वस्थ मस्तिष्क का पोषण किया जाए तो वह 100 वर्षों से अधिक समय तक चल सकता है। दैनिक मस्तिष्क व्यायाम जैसे मेमोरी वर्कआउट, एसोसिएटिव मेमोरी विकसित करना, शराब को नियंत्रित करना, आराम करना और नियमित झपकी लेना जैसे दैनिक व्यायाम मस्तिष्क के स्वास्थ्य को बढ़ाने में मदद करते हैं।

मोहम्मद जोशी के लिय टाइम्स मास कम्युनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा पंजीकृत कार्यालय जे 85 सीमापुरी, दिल्ली से प्रकाशित इंकलाब भारत प्रेस जे एण्ड के दिलशाद गार्डन दिल्ली से मुद्रित संपादकीय कार्यालय समाचार भवन एफ-126 शाहिद नगर, चिकम्बरपुर, साहिबाबाद, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश-201006 ईमेल : shabdwanisamchaarw2003gmail.com www. shabdawanisamachar.page संपादक मोहम्मद जोशी ,सलाहकार संपादक : अशोक लालवानी

refresh MATTRESS
SLEEP HEALTHY. Wake beautiful.
HDFC BANK
We understand your world
Mega Exchange Offer
Limited time only
Zero Down Payment &
EMI Available on Selected Models
• Get Value upto ₹12000/- for Old Mattress
• Assured Gifts upto ₹12448/-
• Total Exchange Benifits ₹24448/-
BLOSSOM
refresh
Premium
PRISTINE
Offer available on
1pc of 72" x 60" or 2pcs of 72" x 30"
and above
Hurry !!! Rush to your nearest dealer
Customer care no. : 18001209630